DELHI CRIME 28 june 2022:Layout 1 6/27/2022 6:23 PM Page 1

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र विचार व अपराध निरोधक मुख्य हिन्दी राष्ट्रीय समाचार पत्र

दिल्ली क्राईम व भ्रष्टाचार विरोधी मोर्चा

DELHI CRIME WA BHRASHTACHAR VIRODHI MORCHA

Website- Delhicrimepress.in
Email-info@delhicrimepress.in

RNI No. DELHIN/2005/15378 | DCP Lic. No. F-2(D-9)PRESS/2005 | वर्ष-01 | मंगलवार 28 जून 2022 | पीडीएफ अंक-69 | पृष्ठ-8 | मूल्य-निःशुल्क

मौसम

अधिकतम –40 सूर्योदय – 5 : 26
न्यूनतम – 32 सूर्यास्त – 7 : 21

सोना चांदी

सोना – 52755.00 प्रति 10 ग्र चांदी – 59800.00 किलो

अर्थसार

सैंसेक्स – 53161.28 निफ्टी – 15832.05
रु/यूएस डॉलर – 78.47 रु/यूरो – 82.94

न्यूज फ्लैश

नई दिल्ली और अशोक नगर के बीच 10 जुलाई को चलेगी स्पेशल रेलगाड़ी

नई दिल्ली। रेलवे ने यात्रियों की सुविधा के लिए नई दिल्ली और अशोक नगर (मध्यप्रदेश) के बीच 10 जुलाई को स्पेशल रेलगाड़ी चलाने का ऐलान किया गया है। उत्तर रेलवे के प्रवक्ता ने सोमवार को बताया कि रेलगाड़ी संख्या 04004 नई दिल्ली-अशोक नगर स्पेशल 10 जुलाई को नई दिल्ली से दोपहर 12.10 बजे रवाना होगी। ट्रेन अगले दिन मध्यरात्रि 00.05 बजे अशोक नगर पहुंचेगी। वापसी दिशा में रेलगाड़ी संख्या 04003 अशोक नगर-नई दिल्ली स्पेशल 14 जुलाई को अशोक नगर से सांय 6 बजे प्रस्थान करके अगले दिन सुबह 4.50 बजे नई दिल्ली पहुंचेगी। यह स्पेशल ट्रेन दोनों दिशाओं में फरीदाबाद, आगरा छावनी, ग्वालियर, वीरांगना लक्ष्मीबाई (झांसी) और बीना स्टेशनों पर दोनों दिशाओं में ठहरेगी।

यूजीसी नेट की परीक्षाएं 8 जुलाई से 14 अगस्त तक होंगी

नई दिल्ली। लंबे समय से इंतजार कर रहे लाखों छात्रों के लिए यूजीसी नेट का शेड्यूल जारी किया गया है। यूजीसी नेट परीक्षा के विषय में जानकारी देकर यूजीसी चेयरमैन एम जगदीश कुमार ने बताया कि जून 2022 और दिसंबर 2021 के संयुक्त सत्र के लिए शेड्यूल तैयार किया गया है। यह परीक्षा 8 जुलाई से 14 अगस्त तक होगी। देशभर में अलग-अलग जगहों पर परीक्षा केंद्रों की कुल संख्या में 100 फीसदी से भी अधिक की वृद्धि की गई है। यूजीसी चेयरमैन के मुताबिक परीक्षाएं 8, 9, 11, 12 जुलाई और 11, 12, 13, 14 अगस्त को आयोजित होंगी। ये परीक्षाएं नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा ली जाएगी। यूजीसी नेट जून 2022 और दिसंबर 2021 को मर्ज कर दिया गया है। इसकारण अब नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा संयुक्त परीक्षा ली जानी है। गौरतलब है कि इस बार यूजीसी-नेट दिसंबर 2021 और जून 2022 की संयुक्त परीक्षा आयोजित होगी। यूजीसी नेट की परीक्षा इस वर्ष देशभर के 500 से अधिक शहरों में आयोजित होगी। यूजीसी नेट की परीक्षा आयोजित करवाने वाली नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने फैसला किया है कि पिछले वर्ष के मुकाबले इस बार दोगुनी से भी अधिक होगी। यह फैसला सोशल डिस्टेंसिंग के प्रावधानों का पालन एवं छात्रों की संख्या के मद्देनजर लिया गया है। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी के मुताबिक, यूजीसी नेट के लिए परीक्षा केंद्रों में 126 प्रतिशत की वृद्धि की गई है। पिछली बार जहां देशभर में 239 स्थानों पर यह परीक्षा आयोजित हुई थी, वहीं इस वर्ष यूजीसी नेट की परीक्षा देशभर के 541 अलग-अलग स्थानों पर आयोजित की जा रही है। वहीं यूजीसी नेट की परीक्षा में एक नया विषय 'हिंदू स्टडीज भी शामिल किया गया है। इससे पहले बनारस हिंदू विश्वविद्यालय द्वारा हिंदू अध्ययन पर एक विशेष पाठ्यक्रम शुरू किया गया है। यूजीसी नेट परीक्षा भारतीय विश्वविद्यालयों और कॉलेज में सहायक प्रोफेसर और जूनियर रिसर्च फेलोशिप के पद के लिए पात्रता निर्धारित करने के लिए आयोजित की जाती है। यूजीसी नेट की है परीक्षाएं नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा ली जाती हैं। इसके लिए भारतभर में विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर ऑनलाइन मोड में यूजीसी नेट की परीक्षा आयोजित की जाएगी। इस वर्ष यूजीसी-नेट ब्यूरो ने सूची में एक और विषय हिंदू अध्ययन जोड़ा है। यूजीसी के मुताबिक, अब इसके लिए भी उम्मीदवार आवेदन कर सकते हैं।

जेल में 'डॉक्टर' बन गए इत्र कारोबारी पीयूष जैन, रोजाना करते हैं कैदियों का किया इलाज

कानपुर। जेल में बंद इत्र कारोबारी पीयूष जैन साथी कैदियों का होम्योपैथी इलाज कर रहे हैं। पीयूष के परिजनों के मुताबिक उन्होंने विदेश के किसी विश्वविद्यालय से डिस्टेंस एजुकेशन में होम्योपैथी का कोर्स किया है। दवाओं पर उनकी अच्छी पकड़ है। जिसका लाभ वह कैदियों को दे रहे हैं। बताया जाता है कि जो दवा जेल में नहीं मिलती है, उसे बाहर से खरीदकर लाया जाता है। जेल के कई बड़े अफसर भी पीयूष जैन से उपचार लेते हैं। कानपुर जेल के जेलर आरके जयसवाल का कहना है कि पीयूष जैन को होम्योपैथी दवाओं की अच्छी जानकारी है। जेल में होम्योपैथी अस्पताल है, जहां हफ्ते में दो दिन ओपीडी लगती है। पीयूष कई कैदियों को दवा लिख चुके हैं। इन दवाओं से कैदियों को काफी फायदा हुआ है। उनका आचरण भी काफी अच्छा है और जेल के सभी नियमों का पालन करते हैं। आरके जैसवाल के मुताबित अन्य बैरक में बंद एक कैदी को पथरी का दर्द हुआ तो जब पीयूष जैन को इसकी जानकारी हुई तो वह मदद के लिए वहां पहुंच गए। उनकी लिखी दवा से कैदी मरीज को आराम आया और कुछ दिनों में उसकी पथरी भी निकल गई। इसके बाद पीयूष की चर्चा पूरे जेल में फैल गई और काफी संख्या में कैदी उसके पास इलाज के लिए आने लगे। सुरक्षा के लिहाज से पीयूष ज्यादा किसी से मिलते नहीं है। पर किसी को दवा की जरुरत होती है, तो वह लिख दे देते हैं। बता दें, 6 दिसंबर को महानिदेशालय जीएसटी इंटेलीजेंस (डीजीजीआई) के छापे के दौरान इत्र कारोबारी पीयूष जैन के आनंदपुरी स्थित घर और कन्नौज की फैक्ट्री से 196 करोड़ रुपये नगद और 23 किलो सोने के बिस्कुट मिले थे। इसके साथ ही 6 करोड़ रुपये मूल्य का 600 किलो चंदन का तेल बरामद किया था। जब्त धनराशि कानपुर और कन्नौज बैंकों में जमा थी। कानपुर के व्यवसायी पीयूष जैन ने सेल्फ असेस्मेंट के बाद पहले ही ड्रग्स कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया (डजीजीआई) अहमदाबाद यूनिट के खाते में 54 करोड़ रुपये जमा कर दिए थे। हालांकि डीजीजीआई ने अभी तक पीयूष जैन पर जुमार्ने की गिनती नहीं की है, लेकिन एजेंसियों के सूत्रों के अनुसार यह राशि 60 करोड़ से अधिक होने की उम्मीद है। पीयूष जैन ने अपने घर से मिले सोने के लिए 4 करोड़ आयात शुल्क का भुगतान किया था, लेकिन उन्हें अभी तक सोने की अवैध तस्करी के लिए जुर्माना नहीं देना है।

राष्ट्रपति ने किए बांकेबिहारी के दर्शन, निराश्रित माताओं से किया संवाद

-कृष्णा कुटीर की माताएं माध्यम बनी हैं, जिनकी वजह से मैं यहां आया हूं : राष्ट्रपति
-ऐसी स्थिति न बने की महिलाएं यहां रहने के लिए आएं, वे अपने घरों में ही रहें : रामनाथ कोविंद

मथुरा। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद सोमवार को अपनी पत्नी सविता कोविंद और बेटी के साथ वृंदावन आए ।यहां उन्होंने बांकेबिहारी मंदिर में ठाकुरजी के अलौकिक दर्शन कर देहरी पूजन किया और पांच दीपक जलाए। उन्होंने कहा, ह्लकृष्णा कुटीर की माताएं माध्यम बनी हैं, जिनकी वजह से मैं यहां आया हूं।ह्व बांके बिहारी मंदिर में दर्शन के बाद महामहिम कृष्णा कुटीर पहुंचे। यहां राष्ट्रपति ने निराश्रित महिलाओं को 10 मिनट संबोधित करते हुए कहा कि समाज को सोचना चाहिए कि ऐसी स्थिति न बने की महिलाएं यहां रहने के लिए आएं। वे अपने घरों में ही रहें। इसके बाद तय कार्यक्रम से करीब 46 मिनट बाद हैलीकाप्टर में सवार होकर राष्ट्रपति वृंदावन से रवाना हो गए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और राज्यपाल आनंदीबेन ने विदाई दी। राष्ट्रपति को विदा करने के बाद सीएम योगी और राज्यपाल भी हेलीकॉप्टर में सवार होकर चले गए। राष्ट्रपति कोविंद अपनी पत्नी और पुत्री के साथ बांकेबिहारी की नगरी वृंदावन पहुंचे। सुबह करीब 9.45 बजे कृष्णा कुटीर के समीप बनाए गए हेलीपैड पर राष्ट्रपति का हेलीकॉप्टर उतरा। यहां उनका स्वागत प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया। स्वागत के बाद राष्ट्रपति, राज्यपाल और मुख्यमंत्री का काफिला ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर के लिए रवाना हो गया। राष्ट्रपति के आगमन से पूर्व ही मंदिर में आम भक्तों का प्रवेश रोक दिया गया। लोकल फोर्स और अधिकारी हटाकर राष्ट्रपति के लिए आईं सुरक्षा एजेंसियों ने कमान संभाल ली। जो जहां है, उसे वहीं रोक दिया गया। राष्ट्रपति के आगमन पर ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर में खास इंतजाम किए गए। मंदिरों को फूलों से सजाया गया। राष्ट्रपति गोल्फ कार्ट से मंदिर पहुंचे। मंदिर परिसर में प्रवेश करते ही वेद मंत्रोच्चारण के मध्य उनका स्वागत किया गया। इसके बाद गर्भगृह के सामने वीआईपी गैलरी में पहुंचे। राष्ट्रपति और उनकी पत्नीक सविता कोविंद और उनकी पुत्री को षोडशोपचार पूजन पद्धति से आचार्य अवधेश शास्त्री बादल ने वैदिक रीति-रिवाज से पूजन कराया। पूजन में ठाकुर श्रीबांकेबिहारी को इत्र, गुलाब, फल एवं मिठाई निवेदित किया। ठाकुरजी ने देशी-विदेशी फूलों की छांव में विराजमान होकर दर्शन दिए। राष्ट्रपति काफी देर तक अपलक ठाकुर बांकेबिहारी की मनोहरी छवि निहारते रहे। राष्ट्रपति ने गुलाब जल व इत्र से देहरी पूजन किया। मंदिर में पांच दीपक प्रज्ज्वलित कर देश की सुख समृद्धि की मनौती मांगी। मंदिर परिसर में राज्यपाल, सीएम योगी और कृष्ण कुटीर की पांच महिलाएं मौजूद रहीं। बांकेबिहारी के दर्शन करने के बाद राष्ट्रपति कृष्णा कुटीर पहुंचे। यहां रहने वाली माताओं ने तिलक लगाकर राष्ट्रपति का स्वागत किया। राष्ट्रपति आश्रय सदन में करीब एक घंटे तक रहे। इस दौरान उन्होंने माताओं से संवाद किया। राष्ट्रपति ने कृष्णा कुटीर में माताओं द्वारा बनाए जा रहे विभिन्न उत्पादों को भी देखा।

हाई कोर्ट में राहुल गांधी के मामले पर 15 जुलाई को होगी सुनवाई

रांची। झारखंड हाई कोर्ट ने कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी की ओर से नरेन्द्र मोदी को लेकर की गई एक टिप्पणी के मामले में सुनवाई के लिए अब 15 जुलाई तय की है। हाई कोर्ट के जस्टिस एसके द्विवेदी की कोर्ट में राहुल गांधी की याचिका पर सोमवार को सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान राहुल गांधी की ओर से इस मामले में समय देने की मांग की गयी, जिसे कोर्ट ने स्वीकार करते हुए 15 जुलाई की तारीख तय की है। दरअसल, यह मामला वर्ष 2020 का है। रांची के मोहराबादी मैदान में एक सभा के दौरान राहुल गांधी के बयान के खिलाफ प्रदीप मोदी ने रांची की सिविल कोर्ट में मानहानि का केस किया गया था। इस केस में कोर्ट ने राहुल गांधी को पेश होने का आदेश दिया था। राहुल गांधी ने इस आदेश को हाई कोर्ट में चुनौती दी है। उल्लेखनीय है कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एक कथित बयान में नीरव मोदी, ललित मोदी के जरिए प्रधानमंत्री मोदी को निशाने पर लेते हुए कहा था कि ह्यसभी मोदी नाम वाले चोर होते हैं। इसको लेकर प्रदीप मादी ने रांची की स्थानीय सिविल कोर्ट में दायर मानहानि केस किया है। इसमें कहा है कि राहुल के इस बयान से एक जाति विशेष के लोगों की भावनाएं आहत हुईं। अब हाई कोर्ट इस मामले में अगली सुनवाई 15 जुलाई को करेगी।

जम्मू-कश्मीर के डोडा से आतंकी फरीद अहमद गिरफ्तार, गोला-बारूद बरामद

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले से आतंकवादी को हथियार और गोला-बारूद के साथ गिरफ्तार किया गया है। इसकी जानकारी पुलिस अधिकारियों ने सोमवार को दी। अधिकारियों ने बताया कि डोडा पुलिस ने सुरक्षा बलों के साथ मिलकर एक आतंकवादी फरीद अहमद को गिरफ्तार किया। आंतकी फरीद अहमद के पास से एक चाइनीज पिस्तौल, दो मैगजीन, 14 जिंदा कारतूस और एक मोबाइल फोन बरामद किया है। आतंकी कोटी डोडा का निवासी बताया जा रहा है। पुलिस ने कहा अमरनाथ यात्रा के चलते सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। इसके तहत पुलिस थाना डोडा के एक पुलिस टीम ने शहर के बाहरी इलाके में नाकाबंदी की, हथियार और गोला-बारूद ले जा रहे एक युवक को रोका। पुलिस ने बताया, आरोपी को हिरासत में लिया है। पता चला है फरीद अहमद को मार्च के महीने में एक संदिग्ध से हथियार और गोला-बारूद मिला था और उसे डोडा में पुलिस कर्मियों पर हमला करने का काम सौंपा गया था। पुलिस ने कहा समय पर नापाक साजिश को नाकाम कर दिया गया। स्थानीय पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

महाराष्ट्र के बागी विधायकों को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत

-डिप्टी स्पीकर के नोटिस पर बागी विधायकों को 12 जुलाई तक का वक्त

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र विधानसभा के डिप्टी स्पीकर की ओर से विधायकों को जवाब देने के लिए तय किए गए समय को बढ़ाकर 12 जुलाई कर दिया है। जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने 12 जुलाई की शाम साढ़े पांच बजे तक विधायकों की ओर जवाब दाखिल करने का समय दिया है। सुनवाई के दौरान एकनाथ शिंदे की ओर से वकील नीरज किशन कौल ने कहा कि डिप्टी स्पीकर को अयोग्यता के मामले पर विचार करने का क्षेत्राधिकार नहीं है, क्योंकि उनके खिलाफ उन्हें हटाने का प्रस्ताव लंबित है। पहले स्पीकर को यह साबित करना चाहिए कि विधायकों के बहुमत का समर्थन उनके साथ है। जिस स्पीकर को बहुमत का समर्थन हो, वह फ्लोर टेस्ट से क्यों डरेगा। कौल ने नबाम रेबिया के केस का उदाहरण दिया। इस पर शिवसेना विधायक दल के नेता अजय चौधरी की ओर से वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने आपत्ति जताते हुए कहा कि नबाम रेबिया केस का उदाहरण गलत तरीके से दिया जा रहा है। तब कोर्ट ने कहा कि हम पहले डिप्टी स्पीकर के वकील को सुनना चाहते हैं। तब डिप्टी स्पीकर के लिए पेश वकील राजीव धवन ने कहा कि पहले सिंघवी को बोलने दिया जाए। सिंघवी ने कहा कि कौल ने सुप्रीम कोर्ट के इस बात का जवाब नहीं दिया कि मामला हाई कोर्ट में नहीं चलना चाहिए। सिंघवी ने कहा कि राजस्थान का अपवाद छोड़ दें तो सुप्रीम कोर्ट ने कभी भी स्पीकर के पास लंबित कार्रवाई पर सुनवाई नहीं की है। उनका अंतिम फैसला आने पर कोर्ट में सुनवाई होती है। कोर्ट ने कहा कि आप नबाम रेबिया फैसले के आधार पर बात करिए। क्या अपने खिलाफ प्रस्ताव लंबित रहते भी स्पीकर को सुनवाई करनी चाहिए।

राष्ट्रपति चुनाव दो व्यक्तियों की नहीं बल्कि दो विचारधाराओं की लड़ाई : राहुल गांधी

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा कि राष्ट्रपति का चुनाव दो व्यक्तियों के बीच नहीं बल्कि दो अलग विचारधाराओं के बीच की लड़ाई है। राहुल गांधी ने सोमवार को राष्ट्रपति चुनाव के लिए विपक्ष के उम्मीदवार यशवंत सिन्हा के नामांकन के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि ये दो अलग-अलग विचारधाराओं की लड़ाई है। एक तरफ नफरत है और एक तरफ भाईचारा और देश की भावना है। पूरा विपक्ष राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार यशवंत सिन्हा के साथ खड़ा है। इससे पहले कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि विपक्ष की ओर से राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार यशवंत सिन्हा के पास 17 दलों का समर्थन है। इस लिए सिन्हा और सत्ता पक्ष के उम्मीदवार के उम्मीदवार के बीच कांटे की टक्कर रहेगी। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रपति चुनाव के लिए विपक्ष के उम्मीदवार यशवंत सिन्हा ने आज नामांकन दाखिल किया। इस अवसर पर उनके साथ कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) प्रमुख शरद पवार समेत विभिन्न विपक्षी दलों के प्रमुख नेता उपस्थित रहे। संसद भवन स्थित राज्यसभा सचिवालय में महासचिव पीसी मोदी के समक्ष सिन्हा ने अपना नामांकन दाखिल किया। राष्ट्रपति चुनाव के लिए 18 जुलाई को मतदान होना है और मतगणना 21 जुलाई को होगी। सिन्हा का मुकाबला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू से है। मुर्मू ने गत 24 जून को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और एनडीए के घटक दलों के प्रमुख नेताओं की मौजूदगी में नामांकन दाखिल किया था।

जेहादी हिंसा, लव जेहाद और अवैध धर्मांतरण पर लगे पूर्ण रोकः विहिप

चेन्नई। विश्व हिन्दू परिषद (विहिप) ने मंदिरों पर सरकारी नियंत्रण, अवैध धर्मांतरण, जेहादी हिंसा, लव जेहाद, हिन्दू मान्यताओं और देवी-देवताओं के प्रति हेट स्पीच के बढ़ते मामलों पर चिंता व्यक्त करते हुए इन पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है। तमिलनाडु के कांचीपुरम में दो दिवसीय केंद्रीय प्रबंध समिति की बैठक के बाद सोमवार को चेन्नई में प्रेस कॉन्फ्रेंस में विहिप के संयुक्त महामंत्री डॉ. सुरेंद्र जैन ने कहा कि सभी राज्य सरकारों को अवैध धर्मांतरण और लव जेहाद पर प्रभावी रोक लगाने के लिए कानून बनाना चाहिए। डॉ. जैन ने कहा कि विहिप उन राज्यों का स्वागत करती है, जिन्होंने अवैध धर्मांतरण पर रोक लगाने के लिए कानून बनाए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की संवेदनहीनता के कारण तमिलनाडु में ईसाई मिशनरी द्वारा चलाए जा रहे स्कूलों में हिन्दुओं को अवैध रूप से ईसाई बनाने का काम किया जा रहा है और इसके प्रयास किए जा रहे हैं। ऐसे ही एक प्रकरण में तंजावुर जिले में एक मासूम हिंदू बेटी लावण्या की जान चली गई। ऐसे बहुत से मामले हैं, जिनमें इस्लामिक कट्टरपंथी लव जेहाद के नाम पर हिंदू बेटियों को निशाना बना रहे हैं। रामनाथपुरम और मेलूर-मदुरै में ऐसी कई बेटियों को आत्महत्या तक करनी पड़ी है। ऐसी गतिविधियों में लिप्त अपराधियों को कड़ी सजा देकर तमिलनाडु सरकार को इन कुकृत्यों पर तत्काल रोक लगानी चाहिए, ताकि हिन्दू समाज पर हो रहे इस तरह के अत्याचारों पर अंकुश लग सके। विहिप की मांग है कि अवैध धर्मांतरण और लव जेहाद पर रोक लगाने के लिए तमिलनाडु सरकार भी एक धर्मांतरण विरोधी कानून बनाए।

पंजाब में 1 एक जुलाई से 300 यूनिट मुफ्त बिजली

चंडीगढ़ (ईएमएस)। पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार ने सोमवार को पहली बार विधानसभा में बजट पेश किया। वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने बजट भाषण पढ़ा। वित्त मंत्री चीमा ने ऐलान किया है कि राज्य में एक जुलाई से मुफ्त बिजली का वादा पूरा किया जाएगा। इस साल बिजली सब्सिडी पर 6,947 करोड़ रुपए खर्च होंगे। सरकार की तरफ से यह भी बताया गया है कि इस वित्तीय वर्ष में राज्य का राजस्व घाटा 12553.80 करोड़ रुपए होगा। वित्त मंत्री चीमा ने कहा सरकार पहली गारंटी पूरी करने जा रही है। पंजाब के हर घर को 1 जुलाई से हर महीने 300 यूनिट मुफ्त बिजली मिलेगी। सरकार योजना के लिए वित्तीय व्यवस्था के लिए पूरी तरह तैयार है। चीमा ने बजट भाषण से पहले कहा कि पंजाब सरकार का मुख्य उद्देश्य भ्रष्टाचार मुक्त शासन प्रदान करना है और राज्य के लोगों पर एक-एक पैसा खर्च किया जाएगा। बता दें कि पंजाब पहले से ही करीब तीन लाख करोड़ रुपये के कर्ज के जाल में फंसा है। राज्य ने बाजार ऋण के रूप में 31804.99 करोड़ रुपये जुटाए हैं। कर्ज पर ब्याज के भुगतान पर 20,122 करोड़ रुपये खर्च होंगे। पंजाब सरकार ने चिकित्सा शिक्षा के लिए 1,033 करोड़ रुपए का प्रस्ताव रखा है जो वित्त वर्ष 2021-22 की तुलना में 56.6 फीसदी ज्यादा है। भगवंत मान सरकार बजट का 16 फीसदी हिस्सा स्कूल और उच्च शिक्षा के विकास में खर्च करेगी। चिकित्सा शिक्षा के अलावा तकनीकी शिक्षा के बजट में क्रमशः 47 फीसदी और 57 फीसदी की बढ़ोतरी की गई है। राज्य सरकार के कर्मचारियों के वेतन और पेंशन के भुगतान पर 60,440 करोड़ रुपए खर्च किया जाएगा। मान सरकार ने सामाजिक सुरक्षा पेंशन का भी ध्यान रखा है। बजटीय आवंटन को 2021-22 (बीई) के दौरान 4,071 करोड़ से बढ़ाने का प्रस्ताव है। इसके अलावा, पंजाब सभी जिलों में साइबर अपराध नियंत्रण कक्ष खोलने पर 30 करोड़ रुपये खर्च करेगा। पंजाब सरकार ने पराली जलाने पर रोक लगाने के लिए 200 करोड़ रुपए प्रावधान किया है। चावल की सीधी बिजाई के लिए किसानों को 450 करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी। उल्लेखनीय है कि पंजाब विधानसभा चुनाव के दौरान आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने राज्य के हर घर को 300 यूनिट बिजली फ्री देने का वादा किया था। केजरीवाल ने अपनी पार्टी की पहली गारंटी बताया था। उन्होंने कहा था कि मैं जो भी कहता हूं, उसे गारंटी मानकर चलिए। जैसे ही सरकार बनेगी, सबसे पहला फैसला 300 यूनिट फ्री बिजली को लेकर लिया जाएगा। बिजली के बिलों को भी माफ किया जाएगा। हां 24 घंटा बिजली मिलने में कुछ समय लग जाएगा। वहीं, पंजाब में सरकार बनने के बाद सीएम भगवंत मान ने सबसे पहले बेरोजगारी को लेकर फैसला लिया था। सीएम मान ने ऐलान किया था कि सरकारी दफ्तरों में 25 हजार नियुक्तियां की जाएंगी। मान सरकार ने विधायकों की पेंशन पर भी बड़ा फैसला लिया है। पंजाब में विधायकों को अब सिर्फ एक बार के कार्यकाल का ही फायदा मिलेगा। इससे पहले जितनी बार कोई विधायक बनता था, पेंशन की राशि जुड़ती जाती थी।

मनी लॉन्ड्रिंगः दिल्ली के मंत्री सत्येंद्र जैन की न्यायिक हिरासत 14 दिन बढ़ी

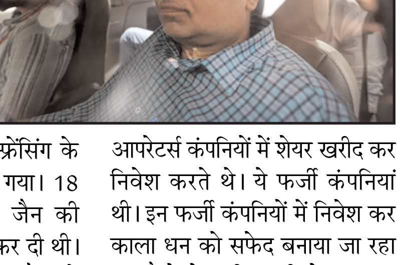

नई दिल्ली। दिल्ली के राऊज एवेन्यू कोर्ट ने मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में गिरफ्तार दिल्ली सरकार के मंत्री सत्येंद्र जैन की न्यायिक हिरासत 14 दिनों के लिए बढ़ा दी है। सत्येन्द्र जैन को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये कोर्ट में पेश किया गया। सत्येंद्र जैन की न्यायिक हिरासत की अवधि आज खत्म हो रही थी। सत्येंद्र जैन की तबीयत खराब होने की वजह से उन्हें अस्पताल में भर्ती किया गया था। सत्येंद्र जैन को अस्पताल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये कोर्ट में पेश किया गया। 18 जून को कोर्ट ने सत्येंद्र जैन की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। 13 जून को कोर्ट ने सत्येन्द्र जैन को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया था। सत्येन्द्र जैन को 30 मई को गिरफ्तार किया गया था। जैन की पेशी के दौरान ईडी की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा था कि कैश दिल्ली में दिया गया। ये कैश कोलकाता में हवाला के जरिये एंट्री आपरेटर्स तक पहुंची। ये एंट्री आपरेटर्स कंपनियों में शेयर खरीद कर निवेश करते थे। ये फर्जी कंपनियां थी। इन फर्जी कंपनियों में निवेश कर काला धन को सफेद बनाया जा रहा था। पैसों से जमीन खरीदने का काम किया गया। प्रयास नामक एनजीओ के जरिये कृषि भूमि खरीदी गई।

DELHI CRIME 28 june 2022:Layout 1 6/27/2022 6:23 PM Page 2

सम्पादकीय

किताबें पढ़ने की आदत डालें

"पुस्तक ज्ञान पुंज होती हैं जिसके पढ़ने से अज्ञान दूर होता हैं।"वर्तमान में इंटरनेट और गूगल के कारण जानकारियां सुलभ होती जा रही हैं ,पर जो सुख किताबों को पढ़ने से मिलता हैं वह मोबाइल या कंप्यूटर से नहीं मिलता। आजकल किताब का चलन कम होने से सोचने समझने की क्षमता कम होती जा रही हैं। पुस्तकें पढ़ना शुकून देता हैं। ये सच है कि जो व्यक्ति किताबों से दोस्ती कर लेता है, उसे इस बात का एहसास जरूर होता है कि किताबें एक व्यक्ति की बहुत अच्छी दोस्त बन सकती हैं। किताबें पढ़ने की आदत एक ऐसी आदत है जिसके सिर्फ और सिर्फ फायदे ही हैं। यदि आप भी किताबें पढ़ना चाहते हैं लेकिन समझ नहीं पा रहे हैं कि किताबें पढ़ना शुरू कैसे करें तो परेशान ना हों। ये बहुत ही बढ़िया बात है कि आपने किताबें पढ़ने के बारे में सोचा तो सही और हम सब हमेशा से सुनते आ रहे हैं जहाँ चाह वहाँ राह। अच्छे मित्र, अच्छी किताबें और साफ अन्तः करण, यही आदर्श जीवन है। मार्क ट्वेन शुरूआत तो आपने कर ही दी है किताबों की इस खूबसूरत सी दुनिया का हिस्सा बनने की और हम आपके इस सफर को आसान बनाने में आपका साथ जरूर देना चाहेंगे। चलिए जानते हैं किस तरह आप आसानी से किताबें पढ़ने की आदत डाल पाएंगे। यदि आप किताबें पढ़ना शुरू कर रहे हैं तो सबसे पहले खुद से यह सवाल पूछिए कि आप किताबें क्यों पढ़ना चाहते हैं। अपना शब्दकोष सुधारने के लिए, मनोरंजन के लिए, किसी विषय में ज्ञान बढ़ाने के लिए आदि। जब तक आप यह तय नहीं कर पाएंगे कि किताबें पढ़ना शुरू कर क्यों रहे हैं तो आप कोई भी किताब उठाकर पढ़ना शुरू करने की गलती कर सकते हैं और फिर किताब पढ़ते पढ़ते कुछ समय बाद आप उस किताब में रूचि खो देंगे। इसीलिए किताबें पढ़नी क्यों हैं इस बात का उत्तर यदि आपके पास है तो आप एक सही किताब का चयन कर पाएंगे और उसे पढ़ने में आपको बहुत आनंद आएगा। जो व्यक्ति निरंतर किताबें पढ़ते हैं, एक समय के बाद वे हर तरह की किताब आसानी से पढ़ और समझ लेते हैं क्योंकि किताब पढ़ना उनकी आदत बन जाती है लेकिन यदि आप पढ़ने की शुरूआत ही कर रहे हैं तो कोई भी किताब उठाकर पढ़ने की गलती मत कीजियेगा। हो सकता है गलत किताब चुनने के कारण किताब पढ़ने की आदत डालने के बजाय आप किताबों में रूचि बनने से पहले ही खो दें इसीलिए सही किताबें चुने। ऐसी किताब पढ़े जिसे पढ़ने में आपको मजा आये और आप आगे भी पढ़ते रहना चाहें। उस किताब की कहानी आपको बांधकर रख पाए। सही किताब चुनने के लिए इन बातों को अपनाएं :

1 ऐसी किताब पढ़े जिसे पढ़ने में आप रूचि रखते हों।

2 कोई भी किताब खरीदने से पहले उसका सारांश पढ़ लें जिससे आपको किताब के बारे में आईडिया हो जाये। इंटरनेट पर आप किसी भी किताब का सारांश पढ़ सकते हैं और यदि आपको किताब का सारांश पसंद आये तो आप वो किताब खरीद सकते हैं।

3 यदि ऐसी कोई किताब है जो आप हमेशा से पढ़ना चाहते थे पर कभी पढ़ नहीं पाए तो आप वो किताब भी पढ़ सकते हैं ।

4 ध्यान रखें किताब ऐसी पढ़े जिसमे सरल भाषा का प्रयोग किया गया हो क्योंकि कई किताबों में कठिन शब्दों का प्रयोग होता है जो शुरूआत करने के लिए पढ़ना सही नहीं है।

5 यदि आपके कोई ऐसे दोस्त हैं जो किताबें पढ़ते हों तो आप उनसे सुझाव ले सकते हैं। वे आपको आपकी शुरूआत के हिसाब से अच्छी किताबें सुझाव /सलाह दे सकते हैं।

जब आप ये जान जाएं किस तरह की किताबें पढ़ना चाहते हैं तो उन किताबों की एक सूची तैयार कर लीजिये। जब आपके पास किताबों की एक सूची पहले से ही बनी होगी तो आपको बाद में इस कश्मकश में समय नहीं व्यर्थ करना पड़ेगा कि कौन सी किताब पढ़ें। आप एक एक कर सारी किताबें पढ़ पाएंगे और जब आप सारी किताबें पढ़ लेंगे तो आपको खुशी होगी कि आप इतनी सारी किताबे पढ़ पाए। आप अभी पढ़ने की शुरूआत कर रहे हैं तो जाहिर सी बात है पढ़ते रहने के लिए किताब में आपकी रूचि होना बहुत जरूरी है। यदि आप शुरूआत में ही लम्बी सी किताब लेकर बैठ जाएंगे तो हो सकता है आप बीच में ही बोर हो जाएं या किताब पूरी ना पढ़ पाएं।

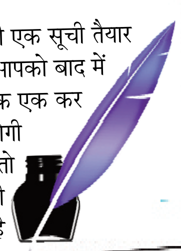

आपातकाल में छिन गई थी देश की स्वतंत्रता

लेखक- सुरेश हिंदुस्थानी /ईएमएस

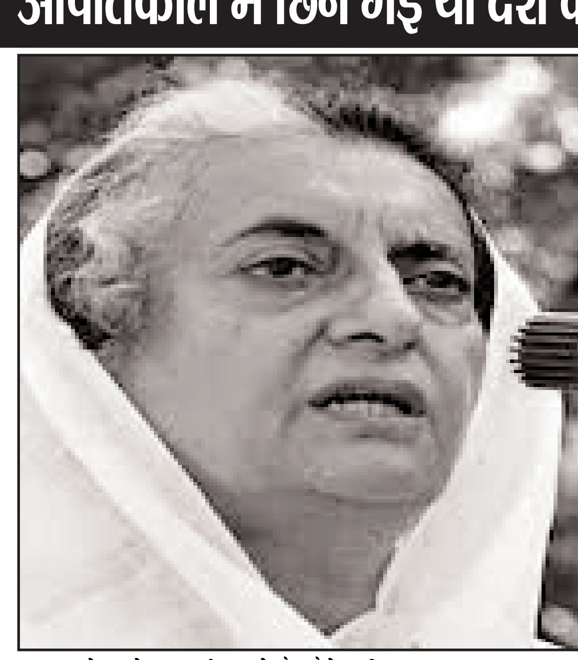

सत्ता की ताकत का दुरुपयोग कैसे किया जाता है, इसका उदाहरण कांग्रेस सरकार द्वारा 1975 में देश पर तानाशाही पूर्वक लगाया गया आपातकाल है। जिसमें अभिव्यक्ति की आजादी का अधिकार ही समाप्त कर दिया था। इसे एक प्रकार से देश की आजादी को छीनने का दुस्साहसिक प्रयास भी माना जा सकता है। क्योंकि इंदिरा शासन द्वारा देश पर थोपे गए आपातकाल में सरकार के विरोध में आवाज उठाने को पूरी तरह से प्रतिबंधित कर दिया था। यहां तक कि सरकार ने विपक्ष की राजनीति करने वालों के साथ ही उन समाजसेवियों और राष्ट्रीय विचार के प्रति समर्पित उन संस्थाओं के व्यक्तियों को जेल में ठूंस दिया था, जो सरकार की कमियों के विरोध में लोकतांत्रिक तरीके से आवाज उठा रहे थे। सरकार के इस कदम को पूरी तरह से अलोकतांत्रिक कहा जाए तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। इंदिरा गांधी की सरकार ने अपनी सरकार के खिलाफ उठने वाली हर उस आवाज को दबाने का प्रयास किया, जो लोकतांत्रिक रूप से भी सही थी। वैसे देखा जाए तो कांग्रेस शासन का यही चरित्र रहा है कि उनके खिलाफ उठने वाली आवाज को किसी भी प्रकार से शांत किया जाए। आज भी कांग्रेस ठीक इसी पद्धति से काम करती हुई दिखाई दे रही है। कांग्रेस में लोकतांत्रिक सिद्धांतों की बलि दी जाती रही है। इसे कांग्रेस का स्वभाव ही माना जा सकता है कि उसने देश को मजबूत करने वाली आवाज को मुखर नहीं होने दिया। इसके विपरीत देश के विरोध में उठने वाली आवाज को बिना सोचे समझे अभिव्यक्ति की आजादी कहकर समर्थन किया। सीधे शब्दों में निरूपित किया जाए तो यही कहा जा सकता है कि कांग्रेस को अपने विरोध में कही गई कोई बात जरा भी पसंद नहीं है। इसी कारण नेशनल हेराल्ड में जब जांच की बात आती है तो कांग्रेस के नेता एकजुट होकर ऐसा प्रदर्शन करते हैं, जैसे वही सही हैं और बाकी सभी गलत। कांग्रेस पार्टी ने एक नहीं कई बार अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर राष्ट्र विरोधी ताकतों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से समर्थन देने काम किया है, लेकिन जो कांग्रेस गाहे बगाहे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की वकालत करती रही है, उसने ही 25 और 26 जून 1975 की रात को आपातकाल लगाने के बाद अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का पूरी तरह गला घोंट दिया था। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर किस प्रकार कुठाराघात किया जाता है, इस तथ्य को जानने के लिए कांग्रेस के नेताओं को आपातकाल के काले अध्याय का अध्ययन करना चाहिए। आपातकाल के नाम पर कांग्रेस ने अंग्रेजों से भी भयंकर यातनाएं देते हुए देश भक्तों पर कहर बरपाया। जिसके स्मरण मात्र से दिल में सिरहन दौड़ जाती है। जिन लोगों ने इस काली रात का साक्षात्कार किया, उनके अनुभव सुनने मात्र से ही लगता है कि इन्होंने आपातकाल को किस कदर भोगा होगा। आपातकाल लगाने के पीछे के कारणों पर दृष्टिपात किया जाए तो यही तथ्य सामने आते हैं कि उस समय की प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी पूरी तरह से तानाशाह शासक की भूमिका में दिखाई दीं। उन्होंने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के आदेश को ठेंगा बताते हुए अपना प्रभुत्व स्थापित करने का प्रयास किया, यह प्रकार से सत्ता का दुरुपयोग ही था। वह निर्णय क्या था? इसकी जड़ में 1971 में हुए लोकसभा चुनाव था, जिसमें उन्होंने अपने मुख्य प्रतिद्वंद्वी राजनारायण को पराजित किया था, लेकिन चुनाव परिणाम आने के चार साल बाद राज नारायण ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय में चुनाव परिणाम को चुनौती दी। 12 जून 1975 को इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश जगमोहन लाल सिन्हा ने इंदिरा गांधी का चुनाव निरस्त कर उन पर छह साल तक चुनाव न लड़ने का प्रतिबंध लगा दिया और उनके मुकाबले हारे और श्रीमती गांधी के चिर प्रतिद्वंद्वी राजनारायण सिंह को चुनाव में विजयी घोषित कर दिया था। राजनारायण सिंह की दलील थी कि इंदिरा गांधी ने चुनाव में सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग किया, तय सीमा से अधिक पैसा खर्च किया और मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए गलत तरीकों का इस्तेमाल किया। न्यायालय ने इन आरोपों को सही ठहराया था। इसके बावजूद श्रीमती गांधी ने प्रधानमंत्री पद से त्यागपत्र देने से इनकार कर दिया और देश में आपातकाल घोषित कर दिया। इलाहाबाद उच्च न्यायालय के निर्णय के साथ ही गुजरात में चिमनभाई पटेल के विरुद्ध विपक्षी जनता मोर्चे को भारी विजय मिली। इस दोहरी चोट से इंदिरा गांधी बौखला गईं। इन्दिरा गांधी ने न्यायालय के इस निर्णय को मानने से इनकार करते हुए सर्वोच्च न्यायालय में अपील करने की घोषणा की और 26 जून को आपातकाल लागू करने की घोषणा कर दी गई। इंदिरा गांधी का यह कदम न्यायालय के आदेश का अपमान करने वाला ही था। आपातकाल के नाम पर केवल उन्हीं लोगों को जेल में जबरदस्ती बंद किया था, जो सरकार के विरोधी थे। देश भर में इंदिरा शासन के विरुद्ध जबरदस्त आंदोलन खड़ा किया। आपातकाल में शासन, प्रशासन ने लोकनायक जयप्रकाश के नेतृत्व में चल रहे आंदोलन में हिस्सा लेने वाले हर उस व्यक्ति को प्रताड़ना दी, जो लोकतांत्रिक तरीके सरकार के विरोध में आवाज उठा रहे थे। विपक्षी राजनेताओं ने देश में केन्द्र सरकार के विरोध में ऐसा वातावरण बनाया कि इंदिरा गांधी को अपना सिंहासन हिलता हुआ दिखाई दिया। जॉर्ज फर्नांडीज को लोहे की जंजीरों से बांधकर यातनाएं दी गईं। देश के जितने भी बड़े नेता थे, सभी के सभी सलाखों के पीछे डाल दिए गए। एक तरह से जेलें राजनीतिक पाठशाला बन गईं। जिन लोगों ने यह दृश्य देखा, उनका यही कहना था कि ऐसा दृश्य तो अंग्रेजों के शासनकाल में भी नहीं दिखा। कहने का आशय यही है कि इंदिरा गांधी ने देश के लोकतंत्र का पूरी तरह से अपहरण कर लिया। इस दौरान जनता के सभी मौलिक अधिकारों को स्थगित कर दिया गया था। सरकार विरोधी भाषणों और किसी भी प्रकार के प्रदर्शन पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया गया। आपातकाल के दौरान सत्ताधारी कांग्रेस आम आदमी की आवाज को कुचलने की निरंकुश कोशिश की। इसका आधार वो प्रावधान था जो धारा-352 के तहत सरकार को असीमित अधिकार देती थी। मीसा और डीआईआर के तहत देश में एक लाख से ज्यादा लोगों को जेलों में ठूंस दिया गया। आपातकाल के खिलाफ आंदोलन के नायक जय प्रकाश नारायण की कैद के दौरान किडनी खराब हो गई थी। कर्नाटक की मशहूर अभिनेत्री डॉ. स्नेहलता रेड्डी जेल से बीमार होकर निकलीं, बाद में उनकी मौत हो गई। उस काले दौर में जेल-यातनाओं की दहला देने वाली कहानियां भरी पड़ी हैं। इसलिए आज कभी-कभी कांग्रेस लोकतंत्र बचाने की बात ऐसे करती है, जैसे लोकतंत्र के मायने केवल कांग्रेस ही समझती है और कोई नहीं जानता। सत्य यह है कि आज स्वयं कांग्रेस के अंदर ही लोकतंत्र नहीं है, केवल परिवार तंत्र है। इसलिए कांग्रेस से लोकतंत्र की उम्मीद करना बेमानी ही कहा जाएगा।

आज का कार्टून।

गन कल्चर पर सख्ती

लेखक-सिद्धार्थ शंकर /ईएमएस

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने शनिवार को पिछले कुछ दशकों के काफी अहम माने जा रहे बंदूक हिंसा रोधी विधेयक पर हस्ताक्षर कर दिए। इस विधेयक को डेमोक्रेटिक और रिपब्लिकन दोनों राजनीतिक दलों का समर्थन मिला। टेक्सास में एक प्राथमिक विद्यालय में एक बंदूकधारी की ओर से 19 छात्रों और दो शिक्षकों की हत्या किए जाने की घटना के बाद देश में हथियार खरीदने संबंधी एक कड़े कानून के लिए सरकार पर दबाव था। स्कूल की घटना सहित हाल में हुई गोलीबारी की सिलसिलेवार घटनाओं से पहले इस तरह के किसी विधेयक को अकल्पनीय माना जा रहा था। बाइडेन ने विधेयक पर हस्ताक्षर करने के बाद व्हाइट हाउस में कहा, इससे लोगों के जीवन की रक्षा होगी। गोलीबारी की घटनाओं में मारे गए लोगों के परिजनों का संदेश था कि हम कुछ करें। आज हमने यह कर दिया। गुरुवार को इस विधेयक को अमेरिकी संसद के उच्च सदन सीनेट से और शुक्रवार को निचले सदन प्रतिनिधि सभा से मंजूरी मिल गई थी। अब बाइडेन के हस्ताक्षर करने के साथ ही यह विधेयक एक कानून बन गया है। बाइडेन ने यूरोप में दो शिखर सम्मेलनों के लिए वाशिंगटन से रवाना होने से ठीक पहले विधेयक पर हस्ताक्षर किए। 13 अरब डॉलर के इस विधेयक के तहत कम उम्र के बंदूक खरीदारों की पृष्ठभूमि की कड़ी जांच की जाएगी और राज्यों को खतरनाक समझे जाने वाले लोगों से हथियार वापस लेने का अधिकार दिया जाएगा। इसके अलावा विद्यालयों की सुरक्षा, मानसिक स्वास्थ्य और हिंसा की रोकथाम के स्थानीय कार्यक्रमों को निधि मुहैया कराई जाएगी। अमेरिका को हिलाकर रख देने वाली गोलीबारी की घटनाओं के परिप्रेक्ष्य में यह कानून अत्यंत महत्वपूर्ण है। देश में बंदूक हिंसा के खिलाफ उठाया गया सांसदों का पिछले कुछ दशकों में यह सबसे बड़ा कदम है। रिपब्लिकन पार्टी हथियारों की बिक्री पर रोक लगाने के डेमोक्रेटिक प्रयासों को सालों से बाधित कर रही थी, लेकिन न्यूयॉर्क और टेक्सास में हुई गोलीबारी की घटनाओं के मद्देनजर डेमोक्रेटिक पार्टी के अलावा कुछ रिपब्लिकन सांसदों ने इस बार फैसला किया कि इस संबंध में संसद की निष्क्रियता अब स्वीकार्य नहीं है। दो सप्ताह तक चली बातचीत के बाद दोनों दलों के सांसदों के एक समूह ने यह विधेयक पेश करने संबंधी समझौता किया, ताकि बंदूक हिंसा को रोका जा सके। गोलीबारी की सिलसिलेवार घटनाओं के बाद अमेरिका के गन कल्चर पर बहस शुरू हो गई थी। अमेरिका का गन कल्चर उतना ही पुराना है जितना कि अमेरिका का संविधान। 1791 में अमेरिका के दूसरे संविधान संशोधन में सभी नागरिकों को बंदूक रखने का अधिकार दे दिया गया था। अमेरिकी संविधान में कहा गया है कि देश की स्वाधीनता सुनिश्चित रखने के लिए हथियार रखना और उसे लेकर चलना नागरिकों का अधिकार है। इस वजह से 18 साल से ऊपर के हर अमेरिकी नागरिक को अपने पास बंदूक रखने की छूट खुद संविधान ने दी है बशर्ते वो मानसिक रूप से बीमार ना हो। अमेरिका में इस कल्चर की शुरूआत तब हुई थी, जब वहां अंग्रेजों का शासन था। उस समय वहां स्थायी सिक्योरिटी फोर्स नहीं थी, इसीलिए लोगों को अपनी और परिवार की सुरक्षा के लिए हथियार रखने का अधिकार दिया गया। अमेरिका में गन कल्चर दुनिया में सबसे ज्यादा कुख्यात है। माना जाता है कि यहां बंदूक खरीदना सब्जी और फल खरीदने जैसा है। अमेरिका में सैकड़ों ऐसे स्टोर, शॉपिंग आउटलेट और छोटी-छोटी दुकानें हैं, जहां बंदूकें बेची जाती हैं। पूरे अमेरिका में हर वीकेंड पर बंदूकों की प्रदर्शनी लगती है। वहां बंदूकें वॉलमॉर्ट जैसी बड़ी कंपनियों के स्टोर से लेकर छोटी दुकानों पर बिकती हैं। अमेरिका में कोई आम आदमी आसानी से बंदूक खरीद सकता है। हथियारों के इस खुले लेन-देन में कोई जांच-पड़ताल नहीं होती। जांच केवल दुकान से बंदूक खरीदने पर ही होती है।

आशा निराशा

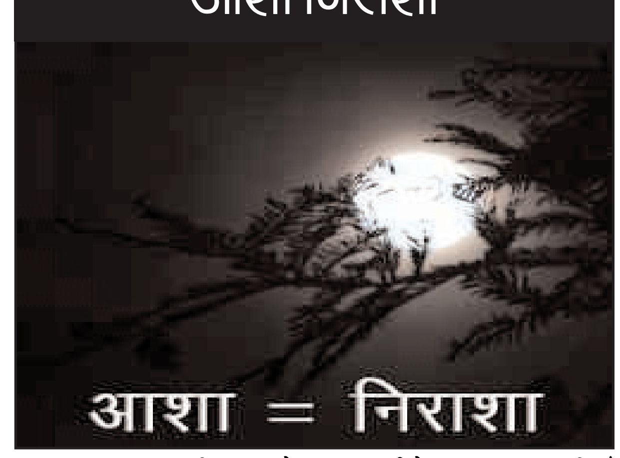

एक मछुआरा था । उस दिन सुबह से शाम तक नदी में जाल डालकर मछलियाँ पकड़ने की कोशिश करता रहा , लेकिन एक भी मछली जाल में न फँसी। जैसे -जैसे सूरज डूबने लगा, उसकी निराशा गहरी होती गयी । भगवान का नाम लेकर उसने एक बार और जाल डाला । पर इस बार भी वह असफल रहा। पर एक वजनी पोटली उसके जाल में अटकी । मछुआरे ने पोटली निकला और टटोला तो झुंझला गया और बोला -' हाय ये तो पत्थर है !' फिर मन मारकर वह नाव में चढा। बहुत निराशा के साथ कुछ सोचते हुए वह अपने नाव को आगे बढ़ता जा रहा था और मन में आगे के योजनाओं के बारे में सोचता चला जा रहा था । सोच रहा था 'कल दुसरे किनारे पर जाल डालूँगा। सबसे छिपकर ...उधर कोई नही जाता ....वहां बहुत सारी मछलियाँ पकड़ी जा सकती है ... ।' मन चंचल था तो फिर हाथ कैसे स्थिर रहता ? वह एक हाथ से उस पोटली के पत्थर को एक -एक करके नदी में फेंकता जा रहा था । पोटली खाली हो गयी । जब एक पत्थर बचा था तो अनायास ही उसकी नजर उसपर गयी तो वह स्तब्ध रह गया । उसे अपने आँखों पर यकीन नही हो रहा था , यह क्या ! ये तो 'नीलम ' था । मछुआरे के पास अब पछताने के अलावा कुछ नही बचा था . नदी के बीचोबीच अपनी नाव में बैठा वह सिर्फ अब अपने को कोस रहा था । प्रकृति और प्रारब्ध ऐसे ही न जाने कितने नीलम हमारी झोली में डालता रहता है जिन्हें पत्थर समझ हम ठुकरा देते हैं।

दुनिया का दस्तूर है, यहां किसी को नहीं पड़ी होती किसी की?

लेखक-नरेन्द्र भारती (ईएमएस)

एक विद्वान ने कहा था कि दुनिया का दस्तूर है,यहां किसी को नहीं पड़ी होती किसी की। यह एक सच्चाई है। कौन जी रहा है,कौन मर रहा है किसी को कोई सरोकार नहीं है। संवेदनहीन समाज व बेरहम लोग हैं। विद्वान का यह कथन सौ फीसदी सच साबित हो रहा है। आज मतलबी लोगों का जमावड़ा बढ़ता ही जा रहा है। आज मतलब निकल जाने पर कोई नहीं पहचानता है। कौन दोस्त ,कौन दुश्मन पहचान मुश्किल होती जा रही है। विश्वासघात किए जा रहे हैं। आधुनिकता के रंग में रंगता इंसान अहसान फरामोष होता जा रहा है। आधुनिक इंसान इंटरनैट की दुनिया में मस्त है। सुबह से षाम तक इंटरनैट पर व्यस्त है। चौबीस घंटे भी कम पड़ते जा रहे है। आज मां-बाप के अहसानों को भूला दिया जाता है। मानवता आज मर चुकी है चारों तरफ अन्धेर मचा हुआ है। एक दूसरे को नीचा दिखा रहे है। चंद कागज के टुकड़ों व सोने के सिक्कौं के कारण आज मानव इतना अभिमान करता है कि दूसरे आदमी का अनादर करने में गर्व महसूस करता है। आदमी भले ही कितना बड़ा बन जाए अतीत की परछाईयां उसका दामन नहीं छोड़ती मरते दम तक साथ रहती हैं। कहते है कि हाथ से छिना जा सकता है मगर भाग्य को नहीं छिना जा सकता। जो भाग्य में है वह जरुर मिलेगा। देर जरुर है मगर सच ही पुरस्कृत होता है। आज कुछेक लोग तिगड़म करके ऐसे पदों पर विराजमान है जिसके वे काबिल नहीं है लेकिन सिफारिष के बलबूते स्थान हासिल करने वालों को एक दिन वक्त जरुर धूल चटाता है जब वह प्रतिभा के आगे नहीं टिकता । कुछ लोग आत्मकेन्द्रित होते हैं बस अपना काम हो जाए दुनिया भाड़ में जाए। समाज में ऐसे लोग घातक होते है। आज भूखी जुएं अपनी औकात भूलकर ऐसे इतराती है कि जैसे खानदानी रईस हो पर वक्त के पास हर आदमी का लेखा-जोखा है कि कौन रईस था और कौन दाने-दाने को मोहताज था। किसी को छोटा नहीं समझना चाहिए हर आदमी से समानता का व्यवहार करना चाहिए। कभी भी भेदभाव नहीं करना चाहिए। वक्त बदलते देर नहीं लगती भाग्य किसी को भी अर्ष पर ले जाता है और किसी को फर्ष पर ले जाता है इसलिए मानव को मयार्दा में रहकर ही हर काम करना चाहिए। आदमी को किसी के साथ भी धोखा नहीं करना चाहिए। किसी के साथ विश्वासघात नहीं करना चाहिए। क्योंकि एक बार विश्वास टूट जाता तो फिर से कायम कर पाना मुश्किल हो जाता है। ऐसे मानव का जीवन व्यर्थ है जो दूसरों को दुख देता है। गरीब आदमी को कभी नहीं सताना चाहिए अगर गरीब की बददुआ लग जाए तो बड़े से बड़ा धराषायी हो जाता है इसलिए हर मानव को हमेषा मानव के लिए अच्छे कार्य करने चाहिए। मानव को ऐसे काम करने चाहिए कि मरने के बाद भी उसे सदियों तक एक अच्छे इन्सान के रुप में हमेषा याद किया जा सके। भूखे को रोटी और प्यासे को पानी पिलाना चाहिए। आज का मानव पैसों से बैंक के खातों को तो भर रहा है मगर उपर का खाता खाली है इसलिए प्रत्येक साधन-संपन्न मानव को लाचार व गरीब लागों को दान पुण्य करना चाहिए। मानव को एकजुट होकर हर मानव का काम करना चाहिए, कहते है कि एकता में बड़ा बल होता है। प्रत्येक मानव को पता है कि एक दिन सबको मौत आनी है तो फिर मानव क्यों नहीं समझ रहा है। मानव जब कोई चीज बनाता है तो वह उसकी गांरटी तय करता है मगर उसकी अपनी कोई गांरटी नहीं है कि कब प्राण निकल जाएं। रात दिन अवैध तरीकों से जायदाद जोड़ रहा है मगर किसके लिए आज तक कोई उठा कर नहीं लेकर गया तो फिर यह मोह माया क्यों है। मानव को नीच कर्मो को छोड़ देना चाहिए अच्छे कर्म करने चाहिए। मानव जीवन एक बार ही मिलता है बार-बार नहीं मिलता। प्रकृति से उपर कोई नहीं है। ईश्वर की चक्की जब चलती है तो वह पाप और पापी को पिस के रख देती है। यह एक षाश्वत सत्य है आधुनिक समाज का मानव आज दानवों से भी घिनौने कर्म कर रहा है। ऐसे कर्म करती बार वह न तो दुनिया से डरता है और न ही भगवान से डरता है मगर कहतें हैं जब ईश्वर की लाठी पड़ती है तो उसमें आवाज नहीं होती। मानव को उसके बुरे कर्मो की सजा जरुर मिलती है। भगवान के घर देर जरुर है मगर अन्धेर नहीं है। मानव आज दानवों की श्रेणी में आता जा रहा है। मंदिरों में कुकृत्य कर रहा है ऐसे कर्मो से वसुंधरा कांप रही है। मानवता आज मर चुकी है चारों तरफ अन्धेर मचा हुआ है। एक दूसरे को नीचा दिखा रहे है। चंद कागज के टुकड़ों व सोने के सिक्कौं के कारण आज मानव इतना अभिमान करता है कि दूसरे आदमी का अनादर करने में गर्व महसूस करता है। मगर पैसा तो एक वेश्या के पास भी होता है। वक्त का पहिया जब घूमता है तो कंगाल होने में देर नहीं लगती। मानव झूठ-फरेब करके अमीरी का लबादा पहन रहा है मगर झूठ के पांव नहें होते। कभी न कभी झूठ लड़खडा सकता है मगर जो सच्चाई के पथ पर चलता है उसका बाल तक बांका नहीं होता तभी तो कहते है कि सांच को आंच नहीं आती। राजा को रंक बनने में एक पल भी नहीं लगता । आज ईमानदार लोगों की कद्र नहीं है जबकि बेईमानों को पूजा जा रहा है मगर यह सर्वमान्य है कि हमेषा ईमानदारी की जीत हुई है बेईमानी औंधे मुंह गिरी है। बेइमानी की सदा हार हुई है। मानव आज मानव से नफरत कर रहा है। दूसरों का बुरा कर रहा है उनके जीवन में अन्धकार कर रहा है पर अगर खुदा को रोषनी हो मंजूर तो आंधियों में भी चिराग जलते हैं। आज हालात ऐसे हैं कि लोग अपने निजि स्वार्थो के लिए दूसरों को नुक्सान पहुचाने से भी नहीं चुकते जब अल्लाह की आंधी जुल्मों के खिलाफ चलती है तो पापियों का सर्वनाष होता है। चिथड़े उड़ जातें है उस फितरती मानव के जो नराधम बन कर लोगों का दमन करता है। मानव को हमेषा अतीत का आईना देखते रहना चाहिए ताकि अहसास होता रहे कि ऐसे भी दिन थे दिन एक जून की रोटी नसीब नहीं होती थी आज जब समय बदला तो अपना गुजरा हुआ वक्त भूल रहा है। आदमी भले ही कितना बड़ा बन जाए अतीत की परछाईयां उसका दामन नहीं छोड़ती मरते दम तक साथ रहती हैं। कहते है कि हाथ से छिना जा सकता है मगर भाग्य को नहीं छिना जा सकता।

प्रसंगतः सेवा की भावना

जर्मनी का महान समाजसेवी ओबरलीन एक बार अपनी यात्रा के दौरान मुसीबतों से घिर गया। तेज आंधी-तूफान और ओलों ने उसे बुरी तरह परेशान कर दिया। वह मदद के लिए चिल्लाता रहा, लेकिन सबको अपनी जान बचाने की पड़ी थी, सो उसकी पुकार कौन सुनता? वह बेहोशी की हालत में नीचे गिर पड़ा। कुछ देर बाद उसे अहसास हुआ कि किसी व्यक्ति ने उसे थामा हुआ है और उसे सुरक्षित जगह पर ले जाने की कोशिश कर रहा है। होश में आने पर ओबरलीन ने देखा कि एक गरीब किसान उसकी सेवा में जुटा हुआ है। ओबरलीन ने किसान से कहा कि वह उसकी सेवा करने के एवज में उसे इनाम देगा। फिर उसने किसान से उसका नाम जानना चाहा। यह सुनकर किसान मुस्कराया और बोला, 'मित्र! बताओ, बाइबिल में कहीं किसी परोपकारी का नाम लिखा है। नहीं न। तो फिर मुझे भी अनाम ही रहने दो। आप भी तो निःस्वार्थ सेवा में विश्वास रखते हो। फिर मुझे इनाम का लालच क्यों दे रहे हो? वैसे भी पुरस्कार का लालच किसी को भी निःस्वार्थ सेवा करने के लिए मजबूर नहीं कर सकता। सेवा की भावना तो हमारे अंदर से उत्पन्न होती है। इसे न ही पैदा किया जा सकता है और न ही मिटाया जा सकता है।' ओबरलीन उस निर्धन किसान की बातें सुनकर दंग रह गया। वह मन ही मन सोचने लगा कि आज उसे इस किसान ने एक पाठ पढ़ाया है। सेवा जैसा भाव तो अनमोल है। उसकी कोई कीमत नहीं लगाई जा सकती और सेवा के लिए कोई भी पुरस्कार अधूरा है। यह किसान कितना महान है जो बिना किसी स्वार्थ के परोपकार करने में विश्वास करता है। आज कितने ऐसे लोग हैं जो इस निर्धन किसान की परोपकार की भावना का मुकाबला कर सकते हैं। ओबरलीन को इस बात के लिए अफसोस हुआ कि उसने किसान को इनाम देने की बात कही। ओबरलीन ने किसान से कहा, 'अगर आपके जैसे इंसान हर जगह हों तो कहीं पर दुराचार शेष नहीं रहेगा।'

DELHI CRIME 28 june 2022:Layout 1 6/27/2022 6:23 PM Page 3

स्वास्थ्य विभाग के एनएचएम कर्मचारी की तीन दिवसीय हडताल शुरू

जींद, (हि.स.)। नागरिक अस्पताल में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) में कार्यरत एनएचएम कर्मचारियों ने सोमवार को अपनी मांगों को लेकर तीन दिवसीय हडताल शुरू की। एनएचएम कर्मचारियों की हडताल से आमजन को कोई परेशानी न हो, इसे लेकर स्वास्थ्य विभाग ने पुख्ता प्रबंध पहले ही कर लिए थे। जिसके चलते न तो एंबुलेंस सेवा और न ही जनरल ओपीडी सहित अन्य कार्य प्रभावित हुए। इस दौरान हडतालरत कर्मियों ने मांगों को लेकर नारेबाजी की। कर्मियों का कहना था कि सरकार उनकी मांगों की लगातार अनदेखी कर रही है। अब तानाशाही दिखाते हुए फाइनेंस विभाग द्वारा जारी सेवा नियम समाप्त करने का पत्र भेज दिया गया है। जिसे तुरंत प्रभाव से वापस लिया जाना चाहिए। इसके अलावा एनएचएम कर्मियों को सातवें वेतन आयोग का लाभ तुरंत प्रभाव से दिया जाना चाहिए। एनएचएम कर्मियों के नेता संदीप कुंडू, गौरव सहगल, सुनील रेढू ने कहा कि पांच दिन पहले फाइनेंस विभाग के सचिव की तरफ से कर्मचारियों के सेवा नियम समाप्त कर फिक्स सैलरी करने का पत्र मिशन निदेशक को भेजा है, जिससे कर्मचारियों को रोष है। उन्होंने कहा कि एनएचएम कर्मचारी पिछले काफी समय से अपनी मांगों को लेकर रोष जता रहें है। मांगों को लेकर कई बार सरकार व अधिकारियों के साथ बैठक भी हासे चुकी है लेकिन उनकी मांगों की तरफ कोई संज्ञान नहीं लिया जा रहा है। अब कर्मचारियों को मिल रहे लाभ को भी छीनने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि एनएचएम कर्मचारी विभागीय कार्य के अलावा एंबुलेंस सेवा, जच्चा-बच्चा टीकाकरण, गर्भवती महिलाओं का टीकाकरण, महिलाओं की प्रसूति सेवा, स्कूल हेल्थ, तपेदिक स्वास्थ्य सेवाएं, कोविड टीकाकरण और सैंपलिंग आदि का कार्य करते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि गेस्ट अध्यापकों की तर्ज पर सेवा सुरक्षा प्रदान की जाए। तमिलनाडू व मणिपुर की तर्ज पर रेग्यूलर पॉलिसी बनाई जाए। आकस्मिक मृत्यु पर 20 लाख रुपये की आर्थिक सहायता व आश्रित को नौकरी दी जाए। एनएचएम कर्मियों की मांग है कि फाइनेंस विभाग द्वारा जारी सेवा नियम समाप्त करने के पत्र की वापस किया जाए। सातवें वेतन का लाभ तुरंत प्रभाव से कर्मियों को दिया जाए। सेवा नियम में संशोधन किया जाए।

भिवानी की राधिका तंवर ने जीते दो मेडल

भिवानी, (हि.स.)। दुनिया भर में भिवानी के महिला व पुरूष मुक्केबाजों ने नाम कमाया, जिसकी बदौलत भिवानी को मिनी क्यूबा का नाम मिला। अब यहां की बेटियां मुक्केबाजी के साथ निशानेबाजी में भी धूम मचाने लगी हैं। जिसके बाद उम्मीद है कि भिवानी को आने वाले चंद सालों में शूटरों के शहर से जाना जाए। इसका ताजा उदाहरण स्थानीय रोहतक गेट स्थित गुरू द्रोणाचार्य शूटिंग अकेडमी की खिलाड़ी राधिका तंवर है। राधिका तंवर ने खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में सिल्वर व कुमार सुरेंद्र शूटिंग चैंपियनशिप (केएसएस) में ब्रांज मैडल जीतकर ना केवल जिला, बल्कि प्रदेश को गौरवांवित करने का काम किया है। बता दें कि हाल ही में 10 से 24 जून तक मध्यप्रदेश के भोपाल में आयोजित हुई कुमार सुरेंद्र शूटिंग चैंपियनशिप (केएसएस) का आयोजन किया गया था, जिसमें देश के विभिन्न राज्यों से शूटिंग खिलाड़ी जुटे थे। इनमें गुरू द्रोणाचार्य शूटिंग अकेडमी की राधिका तंवर ने ब्रांज मैडल हासिल कर भिवानी का नाम रोशन किया। इसके अलावा राधिका ने खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में भी सिल्वर पदक जीता था। अब उनका लक्ष्य कॉमनवेल्थ गेम है। कोच सुरेश कुमार ने बताया कि उनका लक्ष्य आने वाले समय में भिवानी को मिनी क्यूबा के साथ शूटरों का शहर बनाना है। उन्होंने कहा कि यह भिवानी के लिए गर्व की बात है कि यहां की बेटियां शूटिंग खेल में भी राष्ट्रीय स्तर पर मैडल ला रही है तथा खेल नगरी भिवानी का नाम और ऊंचा कर रही है। कोच ने बताया कि राधिका अब ओलंपिक खेलों के लिए तैयारी कर रही है तथा उनका उद्देश्य अंतराष्ट्रीय खेलो में देश को स्वर्ण पदक दिलाना है और देश व भिवानी का नाम रोशन करना है।

एनएचएम कर्मचारियों ने शुरू की तीन दिवसीय हड़ताल, स्वास्थ्य सेवाएं हुई प्रभावित

फतेहाबाद, (हि.स.)। प्रदेश सरकार द्वारा 2018 में एनएचएम कर्मचारियों को दिए गए सेवा नियम वापस लेने के विरोध में एवं 7वां वेतन आयोग का लाभ देने व अन्य लंबित मांगों को लेकर जिलेभर में नेशनल हैल्थ मिशन के तहत स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत कर्मचारी आज से तीन दिवसीय हड़ताल पर चले गए हैं। फतेहाबाद में एनएचएम कर्मचारियों ने हड़ताल करते हुए नागरिक अस्पताल के बाहर धरना दिया और प्रदेश सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी कर वायदाखिलाफी पर रोष जताया। एनएचएम कर्मचारियों के हड़ताल पर जाने के कारण जिले में स्वास्थ्य सेवाओं पर काफी असर पड़ा है। हड़ताल के कारण अस्पताल में आए मरीजों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। एमरजेंसी वार्ड, एम्बुलेंस, लेबर रूम, न्यू बॉर्न केयर यूनिट, टीबी यूनिट में कामकाज प्रभावित हुआ। धरने की अध्यक्षता कर्मचारी नेता दलीप सिहाग ने की व मुख्य वक्ता के तौर पर स्वास्थ्य कर्मचारी संघ हरियाणा संबंधित भारतीय मजदूर संघ के प्रदेशाध्यक्ष विपिन शर्मा ने भाग लिया। एनएचएम कर्मचारियों ने कहा कि तीन दिवसीय हड़ताल के बाद भी अगर प्रदेश सरकार ने उनकी मांगों को पूरा नहीं किया तो आगामी समय में आंदोलन को ओर तेज किया जाएगा। इस अवसर पर डॉ. विष्णु मित्तल, सुरेश, सुलतान, भीम सिंह, खेताराम, डॉ. अनिल, जितेन्द्र भदौरिया, इन्द्र सिंह, परमजीत, सोनप्रीत, कमलजीत, विनोद, अमन, सुषमा, परमजीत, सुनील कुमार सहित सैंकड़ों एनएचएम कर्मचारी मौजूद रहे। धरने को संबोधित करते हुए विपिन शर्मा ने कहा कि सीएम द्वारा 2 नवम्बर 2021 को एनएचएम कर्मचारियों को कोविड जैसी वैश्विक महामारी में उत्कृष्ट कार्य करने व सर्वशिक्षा अभियान की तर्ज पर सातवें वेतनमान की घोषणा की थी परंतु इतना समय बीत जाने के बाद भी यह घोषणा केवल कागजों में ही सिमट कर रह गई है, जिससे एनएचएम कर्मचारियों में भारी रोष है। इसको लेकर कर्मचारियों द्वारा आंदोलन चलाकर कई बार सरकार के संज्ञान में इस मामले को लाया गया लेकिन अब तक कोई सकारात्मक कार्यवाही नहीं हुई। प्रदेशभर के एनएचएम कर्मचारियों ने एक बार फिर आंदोलन का रास्ता अपनाते हुए 27 से 29 जून तक तीन दिवसीय हड़ताल पर जाने का निर्णय लिया है। इसके बाद भी अगर सरकार संघ के प्रतिनिधिमंडल को बुलाकर वित्त विभाग द्वारा जारी किए गए तुगलकी फरमान को रद्द कर अन्य जायज मांगों को पूरी नहीं करती तो एनएचएम कर्मचारी अनिश्चितकालीन हड़ताल करने पर विवश होंगे।

कांग्रेसियों ने पूर्व विधायिका पर लगाया अनुशासहीनता का आरोप

-सत्याग्रह पर पूर्व विधायकि द्वारा लगाए गए अपने फोटो के बैनर से बढ़ा मामला

फरीदाबाद, (हि.स.)। बल्लभगढ़ में हुए सत्याग्रह कार्यक्रम में पूर्व विधायिका शारदा राठौर द्वारा अपना फोटो लगा बैनर लगाने से कांग्रेस कार्यकताओं में रोष व्याप्त हो गया। इस मुद्दे को लेकर कांग्रेसियों ने पूर्व विधायिका पर अनुशासनहीनता का आरोप लगाते हुए उनकी हाईकमान से शिकायत करने की बात कही। हरियाणा कांग्रेस के स्टेट सोशल मीडिया इंचार्ज मनोज अग्रवाल ने पूर्व विधायक शारदा राठौर द्वारा की गई अनुशासनहीनता पर तंज कसते हुए कहा कि आज जिस जिनके पास कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता तक नहीं है, वो लोग राहुल गांधी और एआईसीसी के दिशा-निदेर्शों का सरेआम उल्लंघन कर रहे हैं। आज का सत्याग्रह कांग्रेस पार्टी के सामुहिक नेतृत्व में होना था लेकिन पूर्व विधायिका ने पार्टी प्रोटोकॉल तोड़ते हुए धरना स्थल पर लगाए गए टेंट में अपनी तस्वीर लगाने का शर्मनाक काम किया है। हमें उनकी तस्वीर से नहीं बल्कि उनकी विचारधारा से आपत्ति है। कांग्रेस पार्टी द्वारा यह निर्धारित किया गया था कि धरना पर सिर्फ और सिर्फ राहुल गांधी की तस्वीर लगेगी लेकिन पूर्व विधायिका ने अहंकार की पराकाष्ठा को पार करते हुए पार्टी के अनुशासन को तार-तार करने का काम किया है। पूरी बल्लभगढ़ कांग्रेस एकजुटता से इसकी शिकायत पार्टी आलाकमान से करेगी और हम यह मांग करेंगे की पार्टी को बार-बार धोखा देने वाली इस नेत्री पर कड़ी से कड़ी कार्यवाही हो। हम कांग्रेस पार्टी के सच्चे सिपाही हैं और पार्टी हित में हम आवाज उठाते रहेंगे। इस दौरान कांग्रेस सेवादल के प्रदेश उपाध्यक्ष संजय त्यागी, महिला कांग्रेस सचिव प्रियंका अग्रवाल, महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष सोनू चौधरी, सेवादल सचिव सगीरन खान, एनएसयूआई जिलाध्यक्ष सन्नी बादल, युवा कांग्रेस नेता शुभम कसाना, महिला कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष अनिता शर्मा, महिला कांग्रेस सचिव नसीमा खान, प्रताप शर्मा, जयकिशन पंडित, राजकुमार नेताजी, धर्मवती, राहुल गुप्ता, राजेश शर्मा सहित सैकड़ों कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

विद्यार्थी परिषद फतेहाबाद जिले में लगाएगी 3 हजार पौधे

फतेहाबाद, (हि.स.)। छात्र संगठन अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा पर्यावरण के प्रति लोगों को जागरूक करने व पर्यावरण संरक्षण को लेकर देशभर में पौधारोपण अभियान चलाने का निर्णय लिया है। इस कड़ी में एबीवीपी द्वारा पूरे देश में 1 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है। छात्र नेता एवं विद्यार्थी परिषद के आयाम स्टूडेंट फॉर सेवा के प्रदेश सह संयोजक संदीप समैण ने इस अभियान बारे में बताया कि विद्यार्थी परिषद द्वारा पर्यावरण संरक्षण के लिए एवं प्रकृति को हरा भरा बनाने के उद्देश्य से यह पौधारोपण अभियान शुरू किया जा रहा है, जिसके तहत पूरे देश भर में एक करोड़ पौधे लगाए जाएंगे वहीं हरियाणा प्रदेश में 138500 पौधे लगाए जाएंगे। इस अभियान के तहत एबीवीपी कार्यकताओं ने फतेहाबाद जिले में 3000 पौधे लगाने का निर्णय लिया है। उन्होंने बताया कि छात्र नेता बलविंद्र ढकरवाल को वृक्ष मित्र अभियान का जिला संयोजक नियुक्त किया गया है। बलविन्द्र ढकरवाल भूना नगर के छात्र नेता हैं और लम्बे समय से विद्यार्थी परिषद में सक्रिय हैं। इस अभियान को सफल बनाने की लिए सभी महाविद्यालयों व विद्यालयों में छात्रों से संपर्क कर उन्हें इस अभियान से जोड़ा जाएगा।

अग्निपथ पर बवाल, कांग्रेसी सड़कों पर उतरे

भिवानी, (हि.स.)। भिवानी में सोमवार को कांग्रेसी नेताओं द्वारा भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के बैनर तले, युवाओं के समर्थन में अग्नीपथ योजना का विरोध किया। लघु सचिवालय के सामने सांकेतिक धरना दिया गया अग्निपथ योजना वापस लेने की मांग की। प्रदर्शन कर रहे नेताओं ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए लघु सचिवालय के सामने धरना दिया गया। इस दौरान उनका कहना था कि यह योजना युवाओं और देश के हित में नहीं है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार हर बार देश को बर्बाद करने वाली योजना लेकर आती है।चाहे कृषि कानून हो या अग्निपथ। उन्होंने कहा कि सरकार इस योजना को जल्द से जल्द वापस ले ,नहीं तो देश का युवा बड़ा आंदोलन खड़ा करेगा

एचएयू के सात विद्यार्थियों को मदर डेयरी में मिली प्लेसमेंट

हिसार, (हि.स.)। हिसार स्थित हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सात विद्यार्थियों का विश्व प्रसिद्ध मदर डेयरी कंपनी में चयन हुआ है। इन विद्यार्थियों को कंपनी की मूलभूत सुविधा भत्तों के अलावा पांच लाख रूपए सालाना का सेलरी पैकेज दिया गया है। विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय के अंतर्गत छात्र परामर्श एवं नियोजन इकाई द्वारा उपरोक्त कंपनी के सहयोग से कैंपस प्लेसमेंट का आयोजन किया गया। इस प्लेसमेंट प्रक्रिया में ऑनलाइन लिखित परीक्षा, ग्रुप डिसकशन और साक्षात्कार में 37 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया, जिनमें से अक्षय कुमार, राहुल राज भारती, सचिन, कुमारी सुप्रिया, शिवेंदर धीमन, प्रियंका नारंग और आनंद नामक छात्र-छात्राओं का चयन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज ने सोमवार को इस उपलब्धि पर इन विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य कामना की तथा उन्हे जीवन में सफलता पाने के लिए ईमानदारी से कार्य करने और निरंतर मेहनत करते रहने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर विशेष कार्य अधिकारी डॉ. अतुल ढींगड़ा, छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेन्द्र सिंह दहिया और छात्र परामर्श एवं नियोजन इकाई के सह निदेशक डॉ. अनिल ढ़ाका उपस्थित थे।

50 प्रतिशत सब्सिडी के लाभ के साथ शुरू कर सकते हैं भेड़ व बकरी पालन का बड़ा व्यवसाय

भिवानी, (हि.स.)। पशुपालन विभाग ने भेड़-बकरी, सूअर पालन पर करोंड़ों रुपए की लागत से शुरू होने वाले प्रोजेक्ट पर 50 प्रतिशत की सब्सिडी देकर लोगों को सुनहरा अवसर प्रदान किया है। इस व्यवसाय को व्यक्तिगत, समूह, एफपीओ और स्वयं सहायता समूह द्वारा किया जा सकता है। इसके अलावा इन प्रोजेक्ट पर होने वाले खर्च को व्यक्ति स्वयं या बैंक से ऋण के माध्यम से भी कर सकता है। पशुपालन विभाग द्वारा खर्च संबंधित सारी औपचारिकताओं को सत्यापित किया जाएगा, जिसके आधार पर सब्सिडी प्रदान की जाएगी। कृषि एवं पशुपालन मंत्री जेपी दलाल के निदेर्शानुसार पशुपालन विभाग द्वारा गांवों में जनसंपर्क अभियान चलाकर पशुपालकों से इन योजनाओं के माध्यम से व्यवसाय शुरू करने की अपील की जा रही है। उल्लेखनीय है कि कृषि एवं पशुपालन मंत्री जेपी दलाल द्वारा किसानों के साथ-साथ पशुपालकों की आमदनी बढ़ाने के लिए नई-नई योजनाएं लागू की जा रही हैं। इनमें पशुपालन को विशेषतौर पर बढावा दिया जा रहा। अब लाखों रुपए से शुरू होने वाले पशुपालन के बड़े व्यवसाय पर 50 प्रतिशत तक की सब्सिडी प्रदान की गई है, जो कि पशुपालकों के लिए सुनहरा मौका है। विभाग के अनुसार इन व्यवसायों को शुरू कर लोग लाखों रुपए की आमदनी कर सकते हैं। पशुपालन विभाग के पशु चिकित्सा अधिकारी गांवों में पशुपालकों को इन योजनाओं की जानकारी दे रहें और पशुपालकों को इन योजनाओं का लाभ उठाने की अपील कर रहे हैं। विभाग के अनुसार पशुपालन हेतू आवेदन के लिए इच्छुक लोग विभाग के पोर्टल डबलूडबलूडबलूडोटडीएएचडीडोटएनआईसीडोटइन पर ऑन लाइन आवेदन करें। इस बारे में पशुपालन विभाग के कार्यवाहक उप निदेशक डॉ. प्रदीप कालीरामण ने बताया कि कृषि एवं पशुपालन मंत्री जेपी दलाल द्वारा बड़े स्तर के पशुपालन के लिए बहुत ही महत्वाकांक्षी योजनाएं शुरू की हैं, जिन पर विभाग द्वारा 50 प्रतिशत तक की सब्सिडी का प्रावधान किया है। इन योजनाओं के बारे में पशुपालकों को जानकारी दी जा रही है ताकि लोग इन व्यवसाय को अपनाएं। उन्होंने बताया कि इन प्रोजेक्ट पर स्वयं या बैंक से लोन के माध्यम से दोनों तरह से खर्च किया जा सकता है, लेकिन खर्च को विभाग सत्यापित करेगा, उसके बाद ही सब्सिडी का लाभ दिया जाएगा।

रतिया में मकान के ताले टूटे, हजारों की नगदी व जेवरात चोरी

फतेहाबाद, (हि.स.)। चोरों ने रतिया के वार्ड नंबर-2 स्थित एक मकान में घुसकर वहां से हजारों की नगदी के अलावा सोने व चांदी के जेवरात चोरी कर लिए। इस बारे सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई और अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। पुलिस को दी शिकायत में वार्ड नं. 2 रतिया निवासी लीलाराम ने कहा है कि उसका हनुमान चौक के समीप मकान है। गत दिवस दोपहर को वह मकान को ताला लगाकर परिवार सहित बाहर गया था। रविवार देर शाम को जब वह वापस घर आया तो उसने देखा कि घर में सारा सामान बिखरा पड़ा था और अंदर पड़ी अलमारी व पेटी का ताला व ऊपर वाले कमरे का ताला टूटा पड़ा था। जब उसने सामान की जांच की तो पाया कि अज्ञात चोर उसके मकान से दो तोले सोने व 28 तोले चांदी के जेवरात के अलावा 50 हजार रुपये की नगदी चोरी कर ले गए हैं।

इस पर पहले उसने आसपास पूछताछ की लेकिन जब चोरों बारे कुछ पता नहीं चला तो उसने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई और अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सीनियर टेनिस खिलाड़ी योगेश कोहली ने जीती हरियाणा स्टेट टेनिस चैंपियनशिप

हिसार, (हि.स.)। करनाल में आयोजित हरियाणा स्टेट टेनिस चैंपियनशिप में सीनियर टेनिस खिलाड़ी हिसार निवासी योगेश कोहली ने शानदार जीत हासिल की है। फाइनल मुकाबले में योगेश कोहली ने यमुनानगर के राजेंद्र गुप्ता को शिकस्त देकर ट्राफी पर कब्जा किया। हिसार टेनिस एसोसिएशन के प्रधान सतेंद्र सिंह व अन्य पदाधिकारियों ने योगेश कोहली को इस शानदार उपलब्धि के लिए बधाई व शुभकामनाएं दीं। इस प्रतियोगिता में प्रदेश भर से अनेक सीनियर खिलाडिय़ों ने भाग लिया जिसमें अपने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए योगेश कोहली ने चैंपियनशिप जीत कर हिसार का नाम पूरा हरियाणा में रोशन किया। योगेश कोहली सीनियर रैंक के टेनिस खिलाड़ी हैं। भारत में सीनियर रैंकिंग में योगेश कोहली का 5वें स्थान पर हैं वहीं वर्ल्ड सीनियर रैंकिंग में उनका बेस्ट रैंक 141 है। इससे पूर्व गत माह में भी वे इंटरनेशनल टेनिस फैडरेशन सीनियर (आईटीएफ) द्वारा जिरकपुर में आयोजित आईटीएफ सीनियर्स टेनिस चैंपियनशिप में शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए उपविजेता रहे तथा अन्य अनेक प्रतियोगिताओं में भी उन्होंने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। योगेश कोहली ने कहा कि टेनिस उनका जुनून है तथा उनका सपना इस खेल में अपना सर्वश्रेष्ठ देते हुए अंतर्राष्ट्रीय पटल पर देश का नाम रोशन करने का है। उन्होंने सरकार से मांग की कि टेनिस के खेल को बढ़ावा देने के लिए सरकार खिलाडिय़ों को प्रोत्साहन दे व उन्हें सुविधाएं उपलब्ध करवाए।

स्टार्टअप में जापान से आगे है भारतः कुलपति प्रो. अनायत

-स्टार्ट अप क्षेत्र में देश लिखेगा नया इतिहास

-स्टार्ट अप से बनेगा देश आत्मनिर्भर

सोनीपत, (हि.स.)। दीनबंधु छोटू राम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मुरथल के कुलपति प्रो.राजेंद्र कुमार अनायत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सांनिंध्य में भारत में केंद्र सरकार द्वारा स्टार्ट अप पर सुखद परिणाम आने शुरू हो गए हैं। स्टार्ट अप में वैश्विक स्तर पर हमारा भारत देश जापान से आगे हैं। स्टार्ट अप हम अपने देश को आत्मनिर्भर बनाएंगे।कुलपति प्रो.अनायत ने इंक्यूबेशन सेंटर ऑन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एण्ड इंटरनेट ऑफ थिंग्स बेस्ड रोबोटिक्स एण्ड ऑटोमेशन का उद्घाटन किया। सेंटर को प्रारंभ करने का श्रेय स्वर्गीय प्रो.पवन दहिया को जाता है, जिनके प्रयास, दूर द्दष्टिकोण व परिश्रम के कारण ही यह सब संभव हो पाया है। विश्वविद्यालय को इंक्यूबेशन सेंटर दिलाने का श्रेय भी प्रो.दहिया को जाता है। अनायत ने कहा कि हाई टेक लाइफ साइकिल में इवेंशन, इनोवेशन व एंटरप्रन्योरशिप शामिल होते हैं। इनोवेशन व एंटरप्रन्योरशिप की ओर रुझान बढेंगे। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, इंटरनेट ऑफ थिंग्स व रोबोटिक्स पर खास ध्यान देना होगा।

स्टार्ट अप शुरू करने वाले रोजगार प्रदान करने वाले बनेंगे। इजराइल के स्टार्टअप ब्लिंक संगठन की ओर से जारी की गई सालाना स्टार्ट अप इकोसिस्टम रिपोर्ट में बताया गया है कि स्टार्ट अप के क्षेत्र में देश के पहली बार देश के पांच शहर विश्व के शीर्ष के 100 शहरों में शामिल हुए हैं। भविष्य में हमारा देश स्टार्ट अप में विश्व के टॉप 10 देशों में शामिल होगा। भारत स्टार्ट अप में नया इतिहास लिखेगा। उन्होंने कहा कि पूर्व छात्रों को इंक्यूबेशन सेंटर से जोड़ा जाएगा तथा उनसे हर प्रकार का सहयोग लिया जाएगा, ताकि हमारे विद्यार्थी भी वैश्विक स्तर पर प्रदेश व देश का नाम रोशन कर सकें। कार्यक्रम में मंच संचालन इंक्यूबेशन सेंटर की प्रिंसिपल इन्वेस्टिगेटर प्रो.सुमन सांगवान ने किया। प्रो.अनिता सिंग्रोहा, इंक्यूबेशन सेंटर के निदेशक प्रो.सुरेंद्र दहिया, प्रो.सुखदीप सिंह सांगवान, इंक्यूबेशन सेंटर प्रिंसिपल इन्वेस्टिगेटर प्रो.सुमन सांगवान, को प्रिंसिपल इन्वेस्टिगेटर विकास नेहरा, कोडीर्नेटर डा.अजमेर सिंह व डा.रोहतास धीमान, डा. पूनम श्योराण व डा.गीता सिंह भी उपस्थित थी।

आंगनवाड़ी केन्द्र पुनः अमन नगर में स्थापित किया जाएः मनोज राठी

हिसार, (हि.स.)। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व जिला पार्षद प्रतिनिधि मनोज राठी ने जिला प्रशासन एवं नगर निगम प्रशासन से मांग की है कि हिसार के मिलगेट स्थित अमन नगर से हटाकर तीन किलोमीटर दूर स्थापित किए गए आंगनवाड़ी केन्द्र को पहले वाले स्थान पर ही रखा जाए। उन्होंने कहा कि आंगनवाड़ी केन्द्र को दूर शिफ्ट कर दिए जाने से गर्मी के मौसम में छोटे-छोटे बच्चों को आने-जाने में परेशानी होती है, या फिर ऐसे बच्चों के लिए प्रशासन वाहन का प्रबंध करें। मनोज राठी ने सोमवार को क्षेत्र के लोगों द्वारा जिला कार्यक्रम अधिकारी को लिखा वो पत्र भी दिखाया, जिसमें आंगनवाड़ी केन्द्र को अमन नगर या श्रीनगर कॉलोनी में ही रखे जाने की मांग की गई है। पत्र का हवाला देते हुए मनोज राठी ने बताया कि वार्ड 9 की आंगनवाड़ी वर्कर स्नेहलता की मृत्यु होने के बाद डाटा गांव से समायोजन करवाकर आई आंगनवाड़ी वर्कर गायत्री ने गत 08 जून को क्षेत्र के लोगों से बातचीत किए बिना ही क्षेत्र के आंगनवाड़ी केन्द्र को लगभग तीन किलोमीटर दूर वन विभाग के सरकारी स्कूल में शिफ्ट करवा दिया है। आंगनवाड़ी केन्द्र को दूर शिफ्ट कर दिए जाने से बच्चों व गर्भवती महिलाओं को आने–जाने में दिक्कत होती है।

मामूली सी तकरार में पेट्रोल छिड़ककर फूंका ठेका

नारनौल, (हि.स.)। नारनौल शहर में बाइक सवार हमलावरों ने सोमवार तड़के एक शराब ठेके में पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दी। ठेके के अंदर मौजूद सेल्समैन आगजनी में बुरी तरह झुलस गया, जिसे इलाज के लिए रेवाड़ी के एक प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है, लेकिन अभी हमलावर पकड़े नहीं गए हैं। मिली जानकारी के अनुसार, यूपी के औरिया निवासी अरविंद और नंगली बलदेव निवासी दीपक दोनों नारनौल के गांव ढाणी बाठोठा स्थित शराब ठेके पर बतौर सेल्समैन कार्यरत हैं। कैंटर की बॉडी में बने इस शराब ठेके की छत पर अरविंद सोया हुआ था और दीपक ठेके के अंदर ही था। रात करीब 1 बजकर 15 मिनट पर 3 बाइकों पर 9 लड़के सवार होकर ठेके पर पहुंचे। पहले आरोपियों ने जोर-जोर से खड़काया और फिर शराब ठेका खोलने की बात की। दीपक उठ गया और उसने शराब ठेका खोलने से मना कर दिया। हमलावरों ने शराब की एक बोतल मांगी तो दीपक ने पैसे मांगे। आरोपियों ने कैश होने से मना कर दिया और फोन-पे से पैसे डालने की बात की। दीपक ने कहा कि उसके पास फोन-पे सिस्टम नहीं है। इसी बात को लेकर हमलावरों में शामिल एक युवक ने बोतल में लिया पेट्रोल ठेके पर छिड़क दिया। दूसरे युवक ने आग लगा दी। ठेके के अंदर शराब की पेटियां रखी होने से आग भड़क गई। वारदात के बाद हमलावर फरार हो गए। छत पर सो रहे अरविंद ने बड़ी मुश्किल से आग बुझाई, लेकिन तब तक दीपक बुरी तरह झुलस चुका था। उसे पहले नारनौल अस्पताल में भर्ती कराया और फिर गंभीर अवस्था में अब रेवाड़ी के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं शराब ठेकेदार की शिकायत पर पुलिस ने हमलावरों पर केस तो दर्ज कर लिया है, लेकिन हमलावर अभी पकड़े नहीं गए हैं।

DELHI CRIME 28 june 2022:Layout 1 6/27/2022 6:23 PM Page 4

कोलंबिया में बुलरिंग में ग्रैंड स्टैंड ढहा, दो महिलाओं समेत चार की मौत, 30 घायल

बोगोटा, (हि.स.)। कोलंबिया में रविवार को एक कार्यक्रम के दौरान बुलरिंग में ग्रैंडस्टैंड के ढह जाने से चार लोगों की मौत हो गई और 30 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। कार्यक्रम में लोग छोटे सांडों से भिड़ गए थे। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। तोलिमा विभाग के गवर्नर जोस रिकार्डो ओरोज्को ने स्थानीय रेडियो को बताया है- 'हादसे में चार लोगों की मौत हो गई है। इसमें दो महिलाएं, एक पुरुष और एक बच्चा शामिल है। सोशल मीडिया पर वायरल तस्वीरों और वीडियो के मुताबिक, दर्शकों से खचाखच भरे लकड़ी के स्टैंड का एक पूरा तीन मंजिला खंड ढह गया। इससे कई लोग जमीन पर गिर गए। कुछ लोग स्टैंड से भागने की कोशिश की। एक सांड अखाड़े में घूमता रहता है। ओरोज्को ने कहा- 'लगभग 30 लोग गंभीर रूप से घायल हैं। यह प्रारंभिक रिपोर्ट है।' स्थानीय नागरिक सुरक्षा अधिकारी लुइस फर्नांडो वेलेज के मुताबिक यह आयोजन सैन पेड्रो उत्सव के आसपास के समारोहों का हिस्सा था। यह इस क्षेत्र में सबसे लोकप्रिय है। कोलंबिया के निवर्तमान राष्ट्रपति इवान ड्यूक ने मृतकों को श्रद्धांजलि दी है। ओरोज्को ने कहा कि विभागीय सरकार तथाकथित ऐसे 'कार्यक्रम' पर प्रतिबंध लगाने के लिए आगे बढ़ेगी। ऐसे कार्यक्रमों में जानवरों का दुरुपयोग होता है।

यूक्रेन पर हमले के खिलाफ हमें एकजुट रहना होगा : बाइडेन

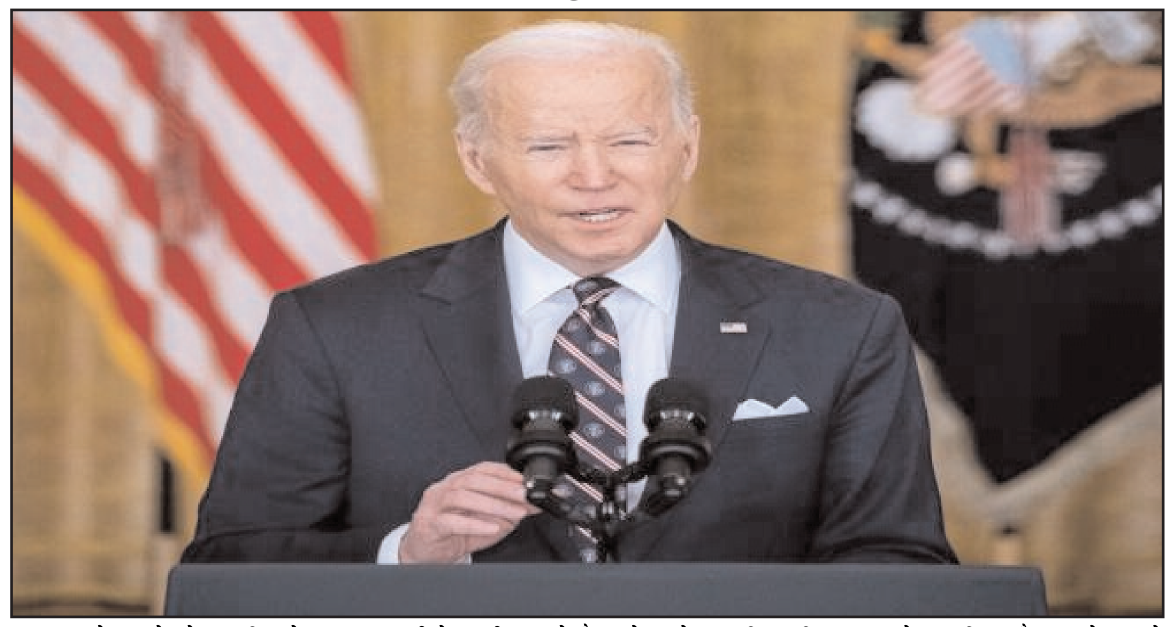

एलमौ, (हि.स.)। यूक्रेन पर हमले के खिलाफ और रूस से मुकाबला करने के लिए जी-7 देशों के एकता की अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने रविवार को प्रशंसा की है। बाइडेन और जी-7 समूह के अन्य नेताओं ने यूक्रेन पर रूसी आक्रमण को लेकर रूस को अलग-थलग करने के लिए दबाव बनाए रखने की रणनीति पर चर्चा की। बाइडेन और उनके समकक्ष नेता ने ऊर्जा आपूर्ति को सुरक्षित करने और मुद्रास्फीति से निपटने के तरीके के साथ रूस को दंडित करने के लिए चर्चा की और गठबंधन को युद्ध के परिणामों से बचाने पर भी जोर दिया गया।

विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के समूह जी-7 देश रूस से सोने के आयात पर नए प्रतिबंधों की घोषणा करने की तैयारी में हैं। यह यूक्रेन पर आक्रमण को लेकर रूस को आर्थिक रूप से अलग-थलग करने की दिशा में सबसे ताजा प्रतिबंध है। जी-7 समूह के नेता एक नई वैश्विक बुनियादी ढांचा साझेदारी के लिए भी एकजुट हो रहे हैं ताकि विकासशील देशों में रूसी और चीनी निवेश का विकल्प प्रदान किया जा सके। जर्मन चांसलर ओलाफ स्कोल्ज के साथ शिखर सम्मेलन से पहले की एक बैठक के दौरान बाइडेन ने कहा कि हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हम सभी एक साथ रहें। बाइडेन ने कहा कि हमें एकसाथ रहना होगा, क्योंकि पुतिन को शुरू से ही यह उम्मीद है कि किसी तरह नाटो और जी-7 में फूट पड़ जाएगी, लेकिन वह नहीं हुआ और हम यह नहीं होने देंगे। ओलाफ स्कोल्ज वर्तमान में जी-7 के अध्यक्ष हैं और इस शिखर सम्मेलन की मेजबानी कर रहे हैं। स्कोल्ज ने कहा कि अच्छा संदेश यह है कि हम सभी ने इसे एकजुट रहने के लिए बनाया है, जिसकी पुतिन ने कभी उम्मीद नहीं की थी। इस शिखर सम्मेलन की औपचारिक शुरूआत से कुछ घंटे पहले, रूस ने रविवार को यूक्रेन की राजधानी कीव पर मिसाइल हमले शुरू किए और कम से कम दो आवासीय भवनों को निशाना बनाया। बाइडेन ने रूस की कार्रवाइयों की निंदा की और इसे बर्बरता करार दिया। अन्य नेताओं ने गठबंधन की एकता की बाइडेन द्वारा प्रशंसा किए जाने का स्वागत किया।

नासा ने ऑस्ट्रेलिया से पहला रॉकेट लॉन्च किया

कैनबरा, (हि.स.)। नेशनल एयरोनॉटिक्स ऐंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (नासा) ने 27 साल में पहली बार ऑस्ट्रेलिया की धरती से सोमवार को पहला राकेट प्रक्षेपित किया। द ऑस्ट्रेलियन ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन के मुताबिक बारिश और हवा के कारण प्रक्षेपण में विलंब के बाद सोमवार तड़के नादर्न टेरिटोरी में अर्नहेम स्पेस सेंटर से सबऑर्बिटल साउंडिंग रॉकेट ने सफलतापूर्वक उड़ान भरी। वर्ष 1995 के बाद यह पहला मौका है जब अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने ऑस्ट्रेलिया से रॉकेट लॉन्च किया है। विदेशी धरती पर एक वाणिज्यिक लॉन्चपैड से इसका पहला प्रक्षेपण किया गया है। नासा ने कहा कि रॉकेट, एनटी से उड़ान भरने वाले तीन में से पहला, दक्षिणी गोलार्ध में केवल खगोल भौतिकी अध्ययन करने के लिए अंतरिक्ष में लगभग 300 किलोमीटर की यात्रा करेगा। नादर्न टेरिटोरी की मुख्यमंत्री नताशा फाइल्स ने इस प्रक्षेपण को ऑस्ट्रेलिया के लिए बेहद गर्व का क्षण बताया है। अर्नहेम स्पेस सेंटर का स्वामित्व और संचालन इक्वेटोरियल लॉन्च ऑस्ट्रेलिया (ईएलए) करता है। जिसका लक्ष्य 2024 तक प्रतिवर्ष 50 लॉन्च की मेजबानी करना है। अगला लॉन्च 04 जुलाई को होगा। उल्लेखनीय है कि नासा एक सरकारी अमेरिकी अंतरिक्ष संस्थान है। इसका गठन 1 अक्टूबर 1958 को किया गया था। नासा का मुख्यालय वॉशिंगटन में है। नासा का गठन द नेशनल एडवाइजरी कमेटी फॉर एयरोनॉटिक्स के स्थान पर किया गया था। नासा अब तक कई बड़े मिशन को अंजाम दे चुका है। अपोलो प्रोग्राम के तहत नासा 1969-1972 के बीच 12 लोगों को चंद्रमा पर भेज चुका है। मानवरहित यान वॉयजर वन को नासा ने 5 सितंबर, 1977 को अंतरिक्ष में छोड़ा था। तब से लेकर अब तक यह अंतरिक्ष के गहरे रहस्यों को सामने ला चुका चुका है। नासा ने दिसंबर 2017 में इसके इंजन को 37 साल बाद चालू किया था। नासा 'अपोलो 8' के तहत दिसंबर 1968 में अंतरिक्ष वैज्ञानिकों को चांद के आसपास की कक्षा में भेज चुका है। नासा इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन में भी सहयोगी है। नासा ने 24 अप्रैल, 1990 को अंतरिक्ष में हबल टेलीस्कोप भेजा था। यह टेलीस्कोप अरबों किलोमीटर दूर तारों की साफ तस्वीरें पृथ्वी पर भेजता है। पृथ्वी पर घने वातावरण के कारण ऐसा करना संभव नहीं है।

50 से अधिक देशों में मंकीपॉक्स का प्रकोप, करीबी नजर रखने की जरूरत : डब्ल्यूएचओ

लंदन(ईएमएस)। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने कहा है कि 50 से अधिक देशों में मंकीपॉक्स के बढ़ते प्रकोप पर करीबी नजर रखी जानी चाहिए, लेकिन फिलहाल इसे वैश्विक स्वास्थ्य आपातकाल की स्थिति घोषित करने की आवश्यकता नहीं है। डब्ल्यूएचओ की आपातकालीन समिति ने एक बयान जारी कर कहा कि प्रकोप के कई पहलू असामान्य थे और माना कि मंकीपॉक्स के खतरों पर वर्षों से गौर नहीं किया गया है। हालांकि, समिति ने कहा कि मंकीपॉक्स कुछ अफ्रीकी देशों में अब महामारी नहीं रह गया है। बयान के मुताबिक, 'कुछ सदस्यों ने अलग-अलग विचार व्यक्त किए हैं। हालांकि, समिति ने डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक को सर्वसम्मति से यह सुझाव देने का निर्णय लिया है कि मंकीपॉक्स को इस स्तर पर 'वैश्विक आपातकाल की स्थिति' नहीं घोषित करना चाहिए।' हालांकि, डब्ल्यूएचओ ने प्रकोप की 'आपातकालीन प्रकृति' की तरफ इशारा किया है और कहा है कि इसके प्रसार को नियंत्रित करने के लिए 'तेजी से कदम उठाने' की जरूरत है। समिति ने कहा कि प्रकोप पर 'करीबी नजर रखने और कुछ हफ्तों के बाद स्थिति की समीक्षा किए जाने की आवश्यकता है।' उसने यह भी कहा अगर कुछ नए घटनाक्रम सामने आते हैं- जैसे कि यौनकर्मियों के बीच प्रसार, अन्य देशों में या उन देशों में संक्रमण का फैलना, जहां पहले से ही मंकीपॉक्स के मामले हैं, मामलों की गंभीरता में वृद्धि या प्रसार की बढ़ती दर तो वह फिर से स्थिति का मूल्यांकन करने की सिफारिश करेगी। डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक टेड्रोस अधोनोम घेब्रेयेसस ने उन देशों में मंकीपॉक्स के प्रसार को लेकर चिंता जताने के बाद आपातकालीन समिति की बैठक बुलाई थी, जहां पहले इस महामारी की सूचना नहीं थी। डब्ल्यूएचओ प्रमुख ने कहा, 'वर्तमान प्रकोप विशेष रूप से नए देशों और क्षेत्रों में तेजी से फैल रहा है और संवेदनशील आबादी के बीच इसके प्रसार का जोखिम बढ़ गया है, जिसमें कमजोर प्रतिरक्षा वाले लोग, गर्भवती महिलाएं और बच्चे शामिल हैं। मंकीपॉक्स के कारण मध्य और पश्चिम अफ्रीका में दशकों से लोग संक्रमित हुए हैं, लेकिन पिछले महीने तक एक ही समय में कई देशों में या प्रभावित मुल्कों की यात्रा न करने वाले लोगों में इस संक्रमण के मामले सामने नहीं आए थे।

ब्रिटेन, अमेरिका, जापान और कनाडा में रूसी सोने के आयात पर पाबंदी

लंदन, (हि.स.)। यूक्रेन पर हमले के बाद से रूस पर प्रतिबंधों की सिलसिला जारी है। ताजा घटनाक्रम में जर्मनी में जी-7 शिखर सम्मेलन में रविवार को नए कठोर नियमों पर सहमति बनने के बाद ब्रिटेन, अमेरिका, कनाडा और जापान में रूसी सोने के आयात की अब अनुमति नहीं होगी। इस कदम का उद्देश्य यूक्रेन संकट को लेकर रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर दबाव बढ़ाना है। सोना, रूसी निर्यात का एक बड़ा हिस्सा है, जिसने 2021 में रूस की अर्थव्यवस्था में 12.6 अरब पौंड का योगदान दिया था। रूसी अभिजात्य वर्ग के लिए इसका महत्व हाल के महीनों में और बढ़ गया है क्योंकि पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों के वित्तीय प्रभाव से बचने के लिए धनी वर्ग द्वारा सोने की छड़ों की खरीदारी बढ़ गई है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने कहा कि आज हमने जिस उपाय की घोषणा की है वह पुतिन द्वारा छेड़े गए युद्ध को सीधे तौर पर प्रभावित करेगा। उन्होंने कहा कि पुतिन अपने तेजी से कम हो रहे संसाधनों को निरर्थक और बर्बर युद्ध में झोंक रहे हैं। वह यूक्रेनी और रूसी नागरिकों की कीमत पर अपने अहम को संतुष्ट कर रहे हैं। हमें पुतिन सरकार को होने वाले वित्तपोषण को रोकने की जरूरत है। ब्रिटेन और हमारे सहयोगी देश यही कर रहे हैं। लंदन सोने के व्यापार का एक बड़ा केंद्र है और ब्रिटिश प्रतिबंधों के बाद इसका, धन जुटाने की पुतिन की कोशिश पर भारी असर पड़ेगा। यह प्रतिबंध रूस के खिलाफ लागू किया जाने वाला विश्व का अपनी तरह का पहला प्रतिबंध होगा। ब्रिटेन के वित्त मंत्री ऋषि सुनक ने कहा कि रूसी मूल के सोने पर यह आयात प्रतिबंध, रूस से होने वाले हमारे आयात के 13.5 अरब पौंड को अपने दायरे में लेगा।

ईरान ने परमाणु वार्ता की सहमति के बीच रॉकेट लॉन्च किया

तेहरान, (हि.स.)। ईरान ने परमाणु वार्ता एक बार फिर से शुरू होने की सहमति के बीच रविवार को रॉकेट लॉन्च किया। इसकी घोषणा ईरान के सरकारी चैनल ने की है। तेहरान ने उपग्रह कैरियर के साथ यह रॉकेट प्रक्षेपित किया है। रॉकेट का प्रक्षेपण कब किया गया है इसका पता नहीं चला है। रॉकेट प्रक्षेपण की तैयारी से जुड़ी तस्वीरें सामने आने के बाद सरकारी टीवी ने इसकी घोषणा करते हुए दावा किया कि रॉकेट प्रक्षेपण सफल रहा। ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर वार्ता में आए गतिरोध को दूर करने के लिए यूरोपीय संघ (ईयू) की विदेश नीति प्रमुख जोसेप बोरेल की तेहरान यात्रा के बाद यह खबर आई है। बोरेल ने शनिवार को घोषणा की थी कि ईरान और अमेरिका आने वाले दिनों में अप्रत्यक्ष रूप से वार्ता बहाल करेंगे। उल्लेखनीय है कि पूर्व में ईरान द्वारा किए गए रॉकेट प्रक्षेपण पर अमेरिका ने आपत्ति जताई थी और कहा था कि इस तरह के उपग्रह प्रक्षेपण संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के संकल्पों का उल्लंघन है। हालांकि ईरान कहता रहा है कि वह परमाणु हथियारों का इच्छुक नहीं है।

प्रिंस चार्ल्स ने कतर के नेता से 8 करोड़ रुपयों से भरा सूटकेस लिया था, खुलासे से ब्रिटेन में बवाल

दोहा(ईएमएस)। प्रिंस चार्ल्स ने कतर के एक विवादित राजनेता से पैसों से भरा एक सूटकेस लिया था जिसमें 1 मिलियन यूरो कैश था। रिपोर्ट्स में इसकी जानकारी दी गई है। जानकारी के मुताबिक यह पैसा उन 3 मिलियन यूरो का तीसरा हिस्सा था जो प्रिंस ऑफ वेल्स को शेख हमद बिन जसीम बिन जबेर अल थानी से 2011 से 2015 के बीच मिले थे। क्लेरेंस हाउस के मुताबिक पैसे को तत्काल प्रिंस की एक चैरिटी को दे दिया गया था। रिपोर्ट के मुताबिक कतर के पूर्व प्रधानमंत्री शेख, जिन्हें एचबीजे भी कहा जाता है, ने चार्ल्स के साथ प्राइवेट बैठकों में उन्हें भारी मात्रा में कैश दिया था। एक मीटिंग के दौरान उन्होंने एक कैरियर बैग में 1 मिलियन यूरो प्रिंस को दिए थे। 2015 में क्लेरेंस हाउस में एक और वन-टू-वन मीटिंग के दौरान चार्ल्स ने 1 मिलियन यूरो कैश से भरा एक और बैग स्वीकार किया था। शाही घराने के दो सलाहकारों ने कैश की गिनती की थी। कहा जाता है कि यह रकम बंद हो चुके 500 यूरो के नोटों में थी। जानकारी के मुताबिक प्राइवेट बैंक कॉउट्स ने पैलेस के सहयोगियों के अनुरोध पर चार्ल्स के लंदन स्थित घर से सूटकैस रिसीव किया था। यह रकम प्रिंस ऑफ वेल्स के चैरिटेबल फंड में जमा की गई थी। यह एक लो-प्रोफाइल संस्था है जो स्कॉटलैंड में प्रिंस के पेट प्रोजेक्ट और देश में उनकी प्रॉपर्टी को कंट्रोल करती है। रॉयल गिफ्ट पॉलिसी के तहत शाही परिवार के सदस्य गिफ्ट के तौर पर पैसे स्वीकार नहीं कर सकते। वे किसी चैरिटी के संरक्षक के रूप में या उसकी ओर से चेक स्वीकार कर सकते हैं। शेख के साथ प्रिंस चार्ल्स की मीटिंग कोर्ट सर्कुलर, शाही परिवार के लोगों के आधिकारिक कार्यों की सूची, में शामिल नहीं थीं। अब रिपोर्ट के दावों ने प्रिंस चार्ल्स पर कई तरह के सवाल खड़े कर दिए हैं। पैसे लेने के बाद प्रिंस चार्ल्स कई बार कतर गए, इनमें एचबीजे के प्रधानमंत्री कार्यकाल के दौरान की उनकी यात्रा भी शामिल है। हालांकि ये भुगतान अवैध थे, इसके कोई सबूत नहीं हैं।

आज का इतिहास 28 जून

1797 फ्रांस ने यूनान के इयोनियम द्वीप पर कब्जा कर लिया.
1838 बंकिमचंद चट्टोपाध्याय का जन्म हुआ.
1839 पंजाब के राजा रणजीत सिंह का निधन.
1881 न्यूजीलैंड के आव्रजन कानून में जापानियों के आवागमन पर रोक लगायी गयी.
1942 द्वितीय विश्व युद्ध में ब्रिटिश सैनिक उत्तर अफ्रीका में पीछे हटे.
1942 जर्मन सैनिकों ने खाकोव क्षेत्र में सोवियत फौजों पर जवाबी हमले किए.
1950 उत्तर कोरिया ने सोल पर कब्जा कर लिया.
1956 पोलैंड में श्रमिकों के दंगे में अनेक लोग हताहत हुए.
1986 पश्चिम यूरोपीय देशों के नेताओं ने नीदरलैंड्स बैठक में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ प्रतिबंध लगाने का फैसला ठंडे बस्ते में डाल दिया.
1991 यूगोस्लाविया सेना ने संघर्ष विराम की घोषणा की जिससे स्लोवनिया उससे अलग नहीं हो.
1994 रूस के दक्षिणी शहर में तीन बंदूकधारियों ने एक बस के चालीस यात्रियों को बंधक बना लिया.
1997 फिल्म समीक्षक संपतलाल पुरोहित का निधन.
1999 सियाचीन में एक सैनिक कार्रवाई में 15 पाकिस्तानी सैनिक मारे गये.
2007 यूनेस्को विश्व धरोहर समिति की बैठक में विश्व विरासत स्थल के रूप में लाल किला को चूना गया.
2007 करोड़ों रुपए के फर्जी स्टाम्प पेपर घोटाले मुख्य आरोपी अब्दुल करीम तेलगी को अदालत ने 13 साल के सश्रम कारावास और 102 करोड़ रुपये जुर्माने की सजा सुनाई.

सुरक्षित ठिकानों की ओर बढ़ रही है यूक्रेन की सेना

कीव (ईएमएस)। कई सप्ताह से जारी भीषण लड़ाई के बाद यूक्रेन की सेना ने देश के पूर्वी हिस्से में तबाह हो चुके इलाकों को छोड़कर अपने गढ़ माने जाने वाले इलाकों की ओर लौटना शुरू कर दिया है। यूक्रेन की सेना के एक क्षेत्रीय अधिकारी ने यह जानकारी दी। यूक्रेन के लुहांस्क क्षेत्र के प्रशासनिक केंद्र माने जाने वाले सिविएरोदोनेत्स्क शहर पर रूसी सेना की भीषण बमबारी के कारण औद्योगिक शहर के अधिकतर इलाके तबाह हो चुके हैं। रूसी हमले से पहले शहर की आबादी करीब 10 लाख थी, जो अब घटकर मात्र 10 हजार रह गई है। बड़ी संख्या में लोग शहर से पलायन कर चुके हैं। सिविएरोदोनेत्स्क शहर के बाहरी इलाके में बने विशाल अजोत रासायनिक कारखाने की ओर लौटने से पहले यूक्रेन के सैनिकों ने रूसी सेना का डटकर मुकाबला किया। यूक्रेन के सैनिकों ने शहर के भूमिगत ठिकानों में रहकर रूसी सेना का मुकाबला किया। इन ठिकानों में करीब 500 आम लोगों ने भी शरण ली हुई थी। हाल के दिनों में यूक्रेनी सेना को घेरने के प्रयास में रूसी सैनिकों ने सिविएरोदोनेत्स्क और पड़ोसी शहर लिसिचन्स्क के अधिकतर इलाकों पर कब्जा कर लिया है। रूस ने पूरे डोनबास क्षेत्र पर कब्जा करने के उद्देश्य से सिविएरोदोनेत्स्क और लिसिचन्स्क शहर को प्रमुख रूप से निशाना बनाया था और इन दोनों ही शहरों पर भीषण हमले हुए थे। डोनबास के लुहांस्क क्षेत्र का 95 प्रतिशत इलाका रूस के कब्जे में आ चुका है। इसके अलावा, डोनबास के दूसरे प्रांत दोनेत्स्क के आधे हिस्से पर भी रूसी सेना और अलगाववादियों का अधिकार हो चुका है।

कोविडरोधी टीके से पहले साल दो करोड़ लोग सुरक्षित हुए

लंदन (ईएमएस)। महामारी कोरोना के जानलेवा वायरस के दंश ने दुनिया के कई लोगों को काल के गाल में सुला दिया। ब्रिटेन में हुए एक शोध में दावा किया गया है कि कोविड-19 टीकों ने पहले साल के दौरान करीब दो करोड़ लोगों की जान बचाई। अगर समय से टीकों की आपूर्ति हो जाती तो इससे भी ज्यादा मौतों को रोका जा सकता था। इंग्लैंड में आठ दिसंबर 2020 को एक सेवानिवृत्त कर्मचारी को वैक्सीन की पहली खुराक दी गई थी, जिसके बाद वैश्विक टीकाकरण अभियान शुरू हुआ। अगले 12 से ज्यादा महीने में दुनिया में 4.3 अरब लोगों ने कोविड वैक्सीन की खुराक ली। शोधकताओं ने 185 देशों के आंकड़ों का इस्तेमाल करके अनुमान लगाया कि टीकों ने भारत में कोविड-19 से 42 लाख मौतों को रोका, अमेरिका में 19 लाख, ब्राजील में 10 लाख, फ्रांस में 6.31 लाख और ब्रिटेन में 5.07 लाख लोगों की जान बचाई। मॉडल आधारित अध्ययन का नेतृत्व करने वाले इम्पीरियल कॉलेज, लंदन के ओलिवर वाटसन ने कहा कि टीकों की आपूर्ति को लेकर लगातार असमानताओं के बावजूद बड़े पैमाने पर मौतों को रोका जा सका। उन्होंने कहा कि टीके नहीं होने पर खतरनाक नतीजे होते। वाटसन ने कहा कि निष्कर्ष यह बताते हैं कि अगर हमारे पास ये टीके नहीं होते तो महामारी कितनी बदतर हो सकती थी। शोध पत्रिका लांसेट इंफेक्शियस डिजीज में गुरुवार को प्रकाशित अध्ययन के अनुसार यदि विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने 2021 के अंत तक 40 प्रतिशत टीकाकरण कवरेज का लक्ष्य पूरा कर लिया होता, तो अतिरिक्त छह लाख मौतों को रोका जा सकता था। अध्ययन के मुताबिक 1.98 करोड़ लोगों की जान बच गई। यह परिणाम इस अनुमान पर आधारित है कि समय अवधि के दौरान सामान्य से कितनी अधिक मौतें हुईं।

2030 तक चंद्रमा पर न्यूक्लियर रिएक्टर स्थापित करेगा नासा

वाशिंगटन (ईएमएस)। अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा ने साल 2030 तक चंद्रमा पर एक न्यूक्लियर रिएक्टर स्थापित करने की योजनाओं की घोषणा की है ताकि चंद्रमा को एक ऑर्बिटिंग पावर स्टेशन में बदला जा सके। नासा ने पावर सिस्टम के लिए तीन डिजाइन कॉन्सेप्ट प्रपोजल्स को चुना है जिसे 2030 के अंत तक लॉन्च किया जा सकेगा। इसके बाद अंतरिक्ष यात्री इसकी जांच करेंगे जो स्पेस एजेंसी के आर्टेमिस प्रोग्राम के तहत चंद्रमा पर भेजा जाएगा। आर्टेमिस प्रोग्राम के तहत 2025 तक न सिर्फ इंसान 50 से अधिक साल बाद चंद्रमा पर वापसी कर रहा है बल्कि पहली महिला भी चांद पर कदम रखेगी। नासा की योजना 40 किलोवाट के न्यूक्लियर पावर स्टेशन लगाने की है जो चंद्रमा के वातावरण में कम से कम 10 साल तक टिक पाए। इसे इस उम्मीद के साथ स्थापित किया जाएगा कि एक दिन यह चंद्रमा पर मानव की स्थायी उपस्थिति में सहयोग कर सके, साथ ही मंगल और उसके आगे के मानव मिशनों में भी अपना समर्थन दे सके। अगर नासा को चंद्रमा की सतह पर एक बेस स्थापित करना है तो सबसे बड़ी समस्या यह होगी कि इस तरह की लैब को ऊर्जा कहां से मिलेगी। रिसर्च के लिए भेजे जाने वाले रोवर्स को ऊर्जा देने के लिए सोलर पैनल पर्याप्त होते हैं, लेकिन ह्यूमन बेस को ऊर्जा के निरंतर और विश्वसनीय स्त्रोत की आवश्यकता होगी। नासा के विशेषज्ञ न्यूक्लियर फ्यूजन को इसके जवाब के रूप में देख रहे हैं क्योंकि इस टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल पृथ्वी पर बड़े पैमाने पर किया गया है। दूसरे पावर सिस्टम की तुलना में फ्यूजन सिस्टम छोटा और हल्का होता है। स्पेस एजेंसी के मुताबिक फ्यूजन सिस्टम विश्वसनीय होते हैं और लोकेशन, धूप और अन्य प्राकृतिक पर्यावरणीय परिस्थितियों से प्रभावित हुए बिना लगातार ऊर्जा देने में सक्षम होते हैं।

इक्वेडोर में राष्ट्रपति गुलेरमो लासो की नीतियों के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए लोग। (फोटो-ईएमएस)

विदेशी निवेशकों ने शेयर बाजार से जून में अब तक निकाले 46 हजार करोड़ रुपये

नई दिल्ली(ईएमएस)। भारतीय शेयर बाजार से विदेशी निवेशक पिछले कई महीनों से लगातार अपना शेयर निकाल रहे हैं। रिजर्व बैंक और अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा सख्त मौद्रिक नीति, तेल की ऊंची कीमतों और रुपये में उतार-चढ़ाव के बाद इस महीने अब तक विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार से करीब 46,000 करोड़ रुपये निकाले हैं। इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज एंड यस सिक्योरिटीज के लीड एनालिस्ट हितेश जैन ने बताया कि डिपॉजिटरी के आंकड़ों से पता चलता है कि 2022 में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों द्वारा इक्विटी से नेट आउटफ्लो अब तक 2.13 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। यूएस फेड और अन्य प्रमुख केंद्रीय बैंकों द्वारा पॉलिसी नॉर्मलाइजेशन को देखते हुए उच्च तेल की कीमतों और अस्थिर रुपये के साथ, एफपीआई के उभरते बाजार की संपत्ति से दूर रहने की संभावना है। उन्होंने कहा कि एफपीआई का फ्लो तब फिर से शुरू होगा, जब अमेरिका में बॉन्ड यील्ड पीक पर हो और फेड रेट में बढ़ोतरी न हो। वहीं, जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के चीफ इन्वेस्टमेंट स्ट्रैटेजिस्ट वीके विजयकुमार ने कहा कि इसके अलावा अगर डॉलर और बॉन्ड यील्ड का मौजूदा रुझान बना रहता है, तो एफपीआई के अधिक बिकने की संभावना है। आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी निवेशकों ने जून में इक्विटी से 45,841 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की है। एफपीआई द्वारा बड़े पैमाने पर बिक्री जून में जारी रही। वे अक्टूबर 2021 से भारतीय इक्विटी से लगातार पैसा निकाल रहे हैं। वहीं, जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के विजयकुमार कहते हैं कि अमेरिका में बढ़ते डॉलर और बॉन्ड यील्ड की सराहना एफपीआई के आउटफ्लो को ट्रिगर करने वाले प्रमुख कारक हैं। फाइनेंशियल सर्विस टैक्स, बीडीओ इंडिया के पार्टनर और लीडर मनोज पुरोहित ने कहा कि आरबीआई की मौद्रिक नीति को सख्त करने और वैश्विक कमोडिटी की कीमतों में बढ़ोतरी ने मुख्य रूप से घरेलू बाजारों को पिछले कुछ महीनों के दौरान इक्विटी बाजारों से पर्याप्त नकदी के आउटफ्लो के लिए प्रेरित किया है। इस तरह की निकासी की गति आखिरी बार तब देखी गई थी, जब 2020 की पहली तिमाही में महामारी बढ़ी थी। पुरोहित ने कहा कि वैश्विक स्तर पर यूक्रेन और रूस के बीच चल रहे सैन्य संघर्ष, बढ़ती खाद्य दरों और महामारी के प्रकोप की वापसी ने इसमें इजाफा किया है। बीडीओ इंडिया के पुरोहित का मानना है कि भारत अभी भी अन्य वैश्विक बाजारों की तुलना में बेहतर स्थिति में है। भारत के अलावा, ताइवान, दक्षिण कोरिया, फिलीपींस, इंडोनेशिया और थाईलैंड जैसे अन्य उभरते बाजारों में एफपीआई भारी बिक्री कर रहे हैं।

जीएसटी परिषद की 47वीं बैठक चंडीगढ़ में 28 जून से, कई बड़े फैसले संभव

- केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण करेंगी अध्यक्षता

नई दिल्ली, (हि.स.)। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) परिषद की दो दिवसीय 47वीं बैठक 28 जून से चंडीगढ़ में होगी। केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में होने वाली परिषद की बैठक 11 बजे शुरू होगी। 29 जून को इसका समापना होगा। वित्त मंत्रालय ने सोमवार को ट्वीट कर यह जानकारी दी। वित्त मंत्रालय के मुताबिक बैठक में वित्त राज्यमंत्री एमपीपी चौधरी के अलावा सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के वित्त मंत्री और केंद्र सरकार और राज्यों के वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल होंगे। इस बैठक का आयोजन श्रीनगर में होना था। मगर छह माह बाद होने वाली यह बैठक चंडीगढ़ में होगी। जीएसटी दरों को युक्तिसंगत बनाने और टैक्स स्लैब में बदलाव और छूट सहित अन्य पर विचार करने और इस पर फैसले इस बैठक में लिए जाने की संभावना है। श्रीनगर में साल 2017 में जीएसटी लागू होने पहले परिषद की 14वीं बैठक हुई थी। उल्लेखनीय है कि देश में मौजूदा जीएसटी दरों को युक्ति संगत बनाने की मांग लंबे समय से की जा रही है। फिलहाल जीएसटी की चार दरें हैं, जबकि कुछ वस्तुओं पर अधिभार भी लगाया जा रहा है। इससे पहले जीएसटी टैक्स स्लैब को युक्तिसंगत बनाने पर राज्यों के वित्त मंत्रियों (जीओएम) के समूह की हुई बैठक में आम सहमति नहीं बन सकी थी।

क्रिप्टो मार्केट में डॉगक्वाइन ने लगाया 'हाई जम्प', ट्रॉन में भी उछाल

नई दिल्ली (ईएमएस)। क्रिप्टोकरेंसी बाजार पर एक बार फिर से लाल रंग छाया है। पिछले 24 घंटों के दौरान ज्यादातर बड़ी करेंसीज में गिरावट दर्ज की गई है। भारतीय समयानुसार सोमवार सुबह 9:35 बजे तक ग्लोबल क्रिप्टोकरेंसी मार्केट कैप 1.09 फीसदी की गिरावट के साथ 950.62 बिलियन डॉलर पर है। क्वाइनमार्केटकैप के आंकड़ों के हिसाब से खबर लिखे जाने के समय तक बिटकॉइन 1.20 फीसदी गिरकर 21,165.53 डॉलर पर है। पिछले एक सप्ताह में हालांकि यह 5.70 प्रतिशत बढ़त बनाए हुए है। दूसरे सबसे बड़े कॉइन इथेरियम का प्राइस पिछले 24 घंटों में 1.08 फीसदी गिरावट के साथ 1,219.86 डॉलर पर पहुंच गया है। एक सप्ताह में यह भी 12.77 फीसदी बढ़ी हुई है। बिटकॉइन का बाजार प्रभुत्व 42.4 फीसदी है तो इथेरियम का प्रभुत्व 15.5 फीसदी है। मार्केट कैप के लिहाज से टॉप 20 करेंसीज की बात करें डोजकॉइन पिछले 24 घंटों में 10.07 फीसदी उछाल के साथ 0.07478 डॉलर पर है। पिछले 7 दिनों की बात करें तो इसकी कीमत में 27.76 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। वहीं, पॉलिगॉन में पिछले 24 घंटों के दौरान गिरावट आई है, लेकिन एक सप्ताह में यह 55.89 फीसदी तक उछाल दिखा रही है। इसी तरह शिबा इनु में भी आज गिरावट दर्ज की गई है, लेकिन एक हफ्ते में 44.81% ऊपर है।

निंजा 400 को बीएस 6 इंजन के साथ फिर से उतारा

नई दिल्ली (ईएमएस)। ऑटोमोबाइल क्षेत्र की कंपनी कावासाकी इंडिया अपनी नई बाइक निंजा 400 को लॉन्च करने जा रही है। निंजा 400 को देश में अपडेट बीएस 6 इंजन के साथ फिर से उतारा जा रहा है। इससे पहले उत्सर्जन नियमों की वजह से मॉडल को अप्रैल 2020 में बंद कर दिया गया था। कावासाकी नींजा 400 को पहले भारत में सीमित संख्या में बेचा जाता था। नए 2022 मॉडल को भी विशेष रूप से उपलब्ध कराया जाएगा। यह भारत में 400 सीसी से कम इंजन वाली स्पोर्ट बाइक जैसे नई केटीएम आरसी 390 और टीवीएस अपाचे आरआर 310 को टक्कर देगी। नई निंजा 400 में बीएस-6 399सीसी का पैरेलल-ट्विन, लिक्विड-कूल्ड इंजन दिया गया है। यह इंजन उत्सर्जन मानदंडों को पूरा करता है। कावासाकी ने पावरट्रेन में कोई अन्य बदलाव नहीं किया है। इस इंजन का आउटपुट 44 बीएचपी और 37 एनएम का पीक टॉर्क है। पिछले बीएस 4-स्पेक इंजन की तुलना में कुल बिजली उत्पादन समान है, लेकिन टॉर्क 1 एनएम कम हो गया है। ट्रांसमिशन वही 6-स्पीड यूनिट है जो स्लिपर क्लच मैकेनिज्म के साथ भी आता है। इंजन के अलावा बाइक की बाकी विशेषताओं में कोई बदलाव नहीं किया गया है। इसमें फास्ट ट्विन-पॉड हेडलाइट और फेयरिंग-इंटीग्रेटेड फ्रंट टर्न इंडिकेटर के साथ निंजा एच2-इंस्पायर्ड स्टाइल फीचर्स मिलता है। नई निंजा 400 की कीमत 5 लाख रुपये से ज्यादा होने की उम्मीद है। कंपनी ने हाल ही में भारत में निंजा 300 का नया वर्जन लॉन्च किया है। बाइक की शुरूआती कीतम 3.37 लाख (एक्स-शोरूम) रुपये है। नई कावासाकी निंजा 300 में कई बदलाव किए गए हैं। नए मॉडल में ग्राफिक्स लेवल पर कई बदलाव देखने को मिलेंगे।अन्य बाहरी हाइलाइट्स में इसकी स्प्लिट-स्टाइल सीट, मस्कुलर 14-लीटर फ्यूल टैंक, स्पोर्टी पेंट लिवरी और डुअल-टोन फिनिश के साथ साइड-स्लंग एग्जॉस्ट शामिल हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस बाइक को दो पेंट ऑप्शन में खरीदा जा सकता है। इसमें लाइम ग्रीन विद एबोनी (केआरटी एडिशन) और मेटैलिक कार्बन ग्रे के साथ मेटैलिक मैट कार्बन ग्रे का ऑप्शन शामिल है।

जुलाई में 14 दिन बंद रहेंगे बैंक, जाने के पहले देख लें कहीं बैंक बंद तो नहीं

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश की बड़ी जनसंख्या अभी भी बैंक जाकर अपने वित्तीय कामकाज निपटाने में विश्वास रखती है और और कई काम ऑनलाइन नहीं हो पाते हैं, तो ग्राहकों को बैंक का रुख करना पड़ता है। इसलिए बैंकों की छुट्टियों की जानकारी होना जरूरी है। जुलाई 2022 में 14 दिन बैंकों में कामकाज नहीं होगा यानी कि करीब आधे महीने बैंक बंद रहेंगे। ऐसी स्थिति में अगर आपको भी बैंक में कोई काम है तो, बैंकों में होने वाले अवकाश की जानकारी जरूर ले लें। कहीं ऐसा न हो कि आपने जिस दिन बैंक जाकर अपना आवश्यक काम निपटाने का प्रोग्राम बनाया हो, उसी दिन बैंक बंद हो। गौर करने वाली बात यह है कि देश भर के सभी बैंक जुलाई में 14 दिन बंद नहीं रहेंगे। ऐसा इसलिए है क्योंकि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा जो अवकाश तय किए जाते हैं, उनमें से कुछ क्षेत्रीय हैं। अलग-अलग राज्यों की छुट्टियों की लिस्ट भी अलग-अलग है। छुट्टियां त्योहार या खास अवसरों पर निर्भर करती हैं। इसका मतलब यह हुआ कि छुट्टियां सभी राज्यों में लागू नहीं होतीं हैं, बल्कि संबंधित राज्यों में होने वाले त्योहार या दिवस पर ही निर्भर करती हैं। इसलिए कुछ खास दिन महज कुछ राज्यों में ही बैंक बंद रहेंगे लेकिन अन्य राज्यों में सभी बैंकिंग कार्य आम दिनों की तरह ही होते रहेंगे। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) हर साल बैंक अवकाश कैलेंडर जारी करता है, जिसमें हर राज्य में होने वाली बैंक छुट्टी की जानकारी होती है। इस कैलेंडर में उन बैंकों के बारे में बताया गया है, जिनकी ब्रांच राज्यों में विशेष तारीखों पर बंद रहेंगी। हर दूसरे और चौथे शनिवार और सभी रविवार को देश भर में बैंक बंद रहते हैं। इसके अलावा गैजेटेड हॉलिडे पर भी सभी बैंकों में अवकाश होता है। बैंकों के कैलेंडर के अनुसार 1 जुलाई को कांग (रथजात्रा)/रथ यात्रा के अवसर पर भुबनेश्वर और इंफाल में बैंक बंद रहेंगे। 3 जुलाई को रविवार होने की वजह से साप्ताहिक अवकाश रहेगा। 7 जुलाई को खर्ची पूजा के अवसर पर अगरतला में बैंक बंद रहेंगे। 9 जुलाई को महीने का दूसरा शनिवार पड़ रहा है, ईद-उल-अजहा (बकरीद) भी है। 10 जुलाई को रविवार होने की वजह से साप्ताहिक अवकाश रहेगा। 11 जुलाई को ईज-उल-अजहा के अवसर पर जम्मू और श्रीनगर में बैंक बंद रहेंगे। 13 जुलाई को भानू जयंती के अवसर पर गंगटोक में बैंक बंद रहेंगे। 14 जुलाई को बेन डिएनखलाम के अवसर पर शिलांग में बैंक बंद रहेंगे। 16 जुलाई को हरेला की वजह से देहरादून में बैंक बंद रहेंगे। जबकि, 17 जुलाई को रविवार है और इस दिन साप्ताहिक अवकाश होने की वजह से बैंक बंद रहेंगे। 23 जुलाई को महीने का चौथा शनिवार पड़ेगा। इसके अगले दिन 24 जुलाई को रविवार होने की वजह से साप्ताहिक अवकाश रहेगा। 26 जुलाई को केर पूजा होने की वजह से अगरतला में बैंक बंद रहेंगे। इसके बाद 31 जुलाई रविवार के दिन साप्ताहिक अवकाश होने की वजह से बैंक बंद रहेंगे।

माइक्रो एसयूवी कैस्पर भी लॉन्च करेगी ह्यूंदै

-टाटा पंच और सिट्रोएन सी3 से होगा मुकाबला

नई दिल्ली (ईएमएस)। ह्यूंदै मोटर इंडिया कंपनी अगले कुछ महीनों में एक माइक्रो एसयूवी कैस्पर भी लॉन्च कर सकती है, जिसका मुकाबला टाटा पंच और मारुति इग्निस के साथ ही अपकमिंग सिट्रोएन सी3 जैसी कारों से होगा। चलिए, आपको बताते हैं कि ह्यूंदै कैस्पर देखने में कैसी होगी और इनकी संभावित कीमत और खासियत देखें। अपकमिंग माइक्रो एसयूवी ह्यूंदै केस्पर 3,595 एमएम लंबी, 1,595एमएम चौड़ी और 1,575एमएम ऊंची होगी। कैस्पर को के1 कॉम्पैक्ट कार प्लैटफॉर्म पर डिवेलप किया जाएगा और यह ह्यूंदै वेन्यू से काफी इंस्पायर्ड होगी। कैस्पर के इंजन और पावर की बात करें तो इसमें 1.1 लीटर का नेचरली एस्पिरेटेड पेट्रोल इंजन देखने को मिलेगा, जो कि 69 पीएस तक की पावर जेनरेट कर सकेगा। वहीं, 1.2 लीटर नेचरली एस्पिरेटेड पेट्रोल इंजन 82बीएचपी तक की पावर जेनरेट कर सकेगा। ह्यूंदै कैस्पर को 5 स्पीड मैनुअल और ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन ऑप्शन के साथ पेश किया जा सकता है। ह्यूंदै की अपकमिंग माइक्रो एसयूवी कैस्पर के लुक और फीचर्स की बात करें तो इसके फ्रंट में सिंगल स्लेट ग्रिल, राउंड शेप हेडलैंप के साथ ही एलईडी डीआरएल और लोअर बंपर में एलईडी रिंग देखने को मिलेंगे। कैस्पर में ज्यादा अग्रेसिव बंपर, सिल्वर फिनिश स्किड प्लेट और वाइड एयर डैम है।

ह्यूंदै कैस्पर में डुअल टोन रूफ टेल्स, स्क्वैरिश व्हील आर्चेज, मल्टी स्पोक अलॉय व्हील्ज के साथ ही ब्लैक प्लास्टिक क्लैडिंग देखने को मिलेंगी। वहीं, फीचर्स की बात करें तो इसमें डुअल टोन इंटीरियर, एंड्रॉइड ऑटो और एप्पल कार प्ले सपोर्ट वाला 8 इंच का टचस्क्रीन इन्फोटेनमेंट सिस्टम, मल्टीफंक्शनल स्टीयरिंग व्हील, अडजस्टेबल हैंडरेस्ट, कनेक्टेड कार टेक्नॉलजी, रिवर्स पार्किंग कैमरा, डुअल एयरबैग्स और कीलेस एंट्री समेत कई स्टैंडर्ड और सेफ्टी फीचर्स होंगे। बता दें कि ह्यूंदै मोटर इंडिया ने बीते दिनों अपनी कॉम्पैक्ट एसयूली वेन्यू का फेसलिफ्टेड मॉडल लॉन्च किया, जो कि काफी सारे कॉस्मेटिक बदलावों के साथ ही लेटेस्ट फीचर्स से लैस है। आने वाले समय में वह अपनी बेस्ट सेलिंग एसयूली क्रेटा का भी फेसलिफ्टेड वर्जन लॉन्च करेगी।

एसी डबल डेकर ई-बसें शुरू होगी 7 अगस्त से

-इस दिन बृहन्मुंबई इलेक्ट्रिक सप्लाई एंड ट्रांसपोर्ट का स्थापना दिवस भी

मुंबई (ईएमएस)। यात्री सुविधाओं के मददेनजर मुंबई में पहली इलेक्ट्रिक एयर कंडीशंड एसी डबल डेकर बस प्रारंभ होने वाली है। संभवत्तः यह बस अगस्त के पहले सप्ताह से शुरू की जाएगी। इस सेवा का उद्घाटन समारोह 7 अगस्त को होगा। इत्तेफाक से सात अगस्त को बृहन्मुंबई इलेक्ट्रिक सप्लाई एंड ट्रांसपोर्ट का स्थापना दिवस भी है। बता दें कि पिछले साल अक्टूबर में महाराष्ट्र के पर्यावरण मंत्री आदित्य ठाकरे ने कहा था कि बेस्ट फ्लीट में शामिल होने वाली हर बस इलेक्ट्रिक होगी और पूरे बेड़े को 2028 तक इलेक्ट्रिक बसों में बदल दिया जाएगा। इस संबंध में बेस्ट के जनरल मैनेजर लोकेश चंद्र ने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक डबल डेकर बसों के प्रोटोटाइप ब्लूप्रिंट को अंतिम रूप दे दिया गया है और अब कॉन्ट्रेक्टर बाॅडी बनाने का काम करेंगे। नई डबल डेकर ई-बसों में एक के बजाय दो सीढ़ियां होंगी, क्योंकि यह वर्तमान में चल रहे वाहनों में भी मौजूद है। चंद्रा ने कहा कि दो सीढ़ियां बस में चढ़ते या उतरते समय यात्रियों की आवाजाही को आसान बनाएंगी। नई बसें पूरी तरह से नॉइसलेस होंगी और इसमें ज्यादा लोग सवारी कर सकेंगे। BEST बसों का उपयोग करने वाले दैनिक यात्रियों की संख्या वर्तमान में 31 लाख है और आने वाले वर्षों में इस संख्या में 1से 2 लाख और इजाफा होने की उम्मीद है। रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रत्येक नई एसी डबल डेकर ई-बस में लगभग 78-90 यात्री बैठ सकेंगे। इलेक्ट्रिक डबल-डेकर बसों की शुरूआत को डबल-डेकर बेड़े को पुनर्जीवित करने के रूप में देखा जा रहा है, जिसमें पिछले दो वर्षों में 60 प्रतिशत की गिरावट आई थी। नॉन-एसी डबल डेकर बसों की संख्या 2019 में 120 से गिरकर 2022 में 48 हो गई। चंद्रा ने आगे कहा कि एक बार डबल डेकर बसों का साइज बढ़ने के बाद मुंबई के व्यस्त मार्गों पर और बसें तैनात की जाएंगी। उन्होंने बताया कि 900 इलेक्ट्रिक डबल डेकर बसों के कॉन्ट्रेक्ट को पहले ही मंजूरी दे दी गई है। 225 बसों की पहली खेप साल के अंत तक तैयार होने की उम्मीद है, जबकि 225 बसों का अगला जत्था मार्च 2023 तक और 445 का अंतिम जत्था जून 2023 तक तैयार हो जाएगा। इन बसों से मुंबई के 16 विभिन्न मार्गों पर सैकड़ों यात्रियों सफर करते हैं। सीएसएमटी से नरीमन प्वाइंट, कोलाबा से वर्ली और कुर्ला से सांताक्रूज जैसे मार्गों पर सवारियां काफी अधिक हैं।

दैनिक पंचांग

28 जून 2022 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

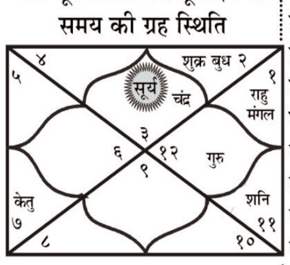

मंगलवार 2022 वर्ष का 179 वां दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2079 **शक संवत्** 1944
मास आषाढ़ (दक्षिण भारत में ज्येष्ठ)
पक्ष कृष्ण **तिथि** चतुर्दशी 05.53 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** मृगशीर्ष 19.05 बजे को समाप्त। **योग** गण्ड 07.47 बजे को समाप्त। **करण** शकुनि 05.53 बजे तदनन्तर चतुष्पद 19.07 बजे को समाप्त।

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन में	कर्क	06.41 बजे से
चंद्र	मिथुन में	सिंह	08.57 बजे से
मंगल	मेष में	कन्या	11.09 बजे से
बुध	वृष में	तुला	13.20 बजे से
गुरु	मीन में	वृश्चिक	15.35 ब.से
शुक्र	वृष में	धनु	17.51 बजे से
शनि	कुंभ में	मकर	19.56 बजे से
राहु	मेष में	कुंभ	21.42 बजे से
केतु	तुला में	मीन	23.15 बजे से
राहुकाल		मेष	00.46 बजे से
3.00 से 4.30 बजे तक		वृष	02.26 बजे से
		मिथुन	04.24 बजे से

चन्द्रायु 24.5 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 23° 17'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1871293
जूलियन दिन 2459758.5
कलियुग संवत् 5123
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2548
हिजरी सन् 1443
महीना जिल्काद
तारीख 28
विशेष दर्श अमावस्या, अन्वाधान।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

महिंद्रा एक्सयूवी 700 बनीं ग्राहकों की पहली पंसंद

- मिड साइज एसयूवी कारों की बिक्री में इजाफा

नई दिल्ली (ईएमएस)। दुनिय भर में महिंद्रा एक्सयूवी 700 ग्राहकों की पहली पंसंद बनकर उभरी है। मई 2022 के बिक्री चार्ट के मुताबिक महिंद्रा एक्सयूवी 700 की 5,069 यूनिट बेची गई हैं। इस महीने कार की बिक्री में 12.79 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। इसे पिछले साल सितबंर में लॉन्च किया गया था। महिंद्रा एक्सयूवी 700 ने बिक्री के मामले में अपने सभी प्रतिद्वंदियों को पीछे छोड़ दिया है। महिंद्रा एक्सयूवी 700 की बिक्री उसके कॉम्पेटिटर टाटा हेरियर और सफारी की संयुक्त बिक्री से अधिक हुई है। मई 2022 में सभी गाड़ियों के 11,738 यूनिट्स बिके। इनमें से अकेले महिंद्रा एक्सयूवी 700 ने 5069 यूनिट बेचे। इसके बाद हरियर और सफारी ने मिलकर 5036 यूनिट बेचे, जबकि हेक्टर और हेक्टर प्लस के 1633 यूनिट ही बिक सके। वहीं मई 2021 में सभी कंपनियों ने 4,127 यूनिट्स बेचे थे। इनमें से हेरियर और सफारी के 2896 यूनिट शामिल हैं। इस दौरान हेक्टर और हेक्टर प्लस ने 1231 यूनिट बेचे थे। वहीं अप्रैल 2022 में सभी कंपनियों ने कुल मिलाकर 10,798 यूनिट्स बेचे थे। इस दौरान महिंद्रा एक्सयूवी 700 के 4,494 यूनिट बिके, जबकि हैरियर और सफारी के कुल 4856 यूनिट बिके। अप्रैल में बेचे गए वाहनों में महिंद्रा एक्सयूवी 700 की हिस्सेदारी 41.62 प्रतिशत थी। मई 2022 में भले ही महिंद्रा एक्सयूवी 700 की टाटा हैरियर और सफारी की संयुक्त बिक्री से सिर्फ 33 यूनिट ज्यादा बिकी हों। लेकिन ये हैरियर और सफारी द्वारा मई 2021 में बेची गई 2,896 ज्वाइंट यूनिट की तुलना में 73.90 प्रतिशत अधिक थीं। गौरतलब है कि अप्रैल 2022 में हैरियर और सफारी की 4,856 यूनिट बिकी थीं। अगर सिर्फ हैरियर की बात करें को, मई 2022 में हैरियर की 2,794 यूनिट की बिक्री हुई थी, जो मई 2021 में बेची गई 1,360 यूनिट की तुलना में 10544 प्रतिशत ज्यादा है। कंपनी ने अप्रैल 2022 में 2,785 यूनिट बेची थीं, जो मई 2022 में हुई बिक्री से 0.32 प्रतिशत अधिक है। दूसरी ओर सफारी की बिक्री पिछले महीने 2,242 यूनिट रही, जो मई 2021 में बेची गई 1,536 यूनिट के तुलना में की तुलना में 45.96 प्रतिशत की वृद्धि है। कंपनी अप्रैल 2022 में 2,071 यूनिट बेची थी और बाजार में इसकी 19.10 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। बता दें कि वर्तमान में दुनिय भर में मिड-साइज एसयूवी सेगमेंट की लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है। लोग मिज साइज एसयूवी खरीदने में काफी रुचि दिखा रहे हैं।

आज का राशिफल

शुभ संवत 2079, शाके 1944, सौम्य गोष्ठ, आषाढ कृष्ण पक्ष, वर्षा ऋतु, गुरु उदय पूर्वे तथा शुक्रोदय पूर्वे तिथि 30, मंगलवासरे, मृगशिरा नक्षत्रे, गंड योगे, चतुष्यकरणे, मिथुन की चंद्रमा, श्राद्ध अमावस्या रोगी स्नान मुर्हूत, पंचक समाप्त दिन में 10/20 सर्वार्थ सिद्ध योग, तथापि पश्चिम दिशा की यात्रा शुभ होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल........

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमानी, चपल, चतुर, चंचल, स्वाभिमानी, उत्तम वृत्ति वाला, योगी-भोगी, धनीमानी, कुशल व्यवसायी होगा।

मेष राशि :- उन्नति सिद्ध, वाहन भय, शरीर कष्ट, प्रयास से सफलता मिल सकती है, ध्यान दें।
वृष राशि :- खर्च, सिद्धी, शुभ कार्य, कष्ट, मानसिक कार्य एवं सफलता के योग, ध्यान दें।
मिथुन राशि :- राज से हानि, विरोध, अपव्यय, लेखन कार्य में रुकावट अवश्य होगी।
कर्क राशि :- संतान कष्ट, आर्थिक कष्ट, खर्च, शुभ व्यय, धार्मिक एवं शुभ कार्यो के योग हैं।
सिंह राशि :- सफलता, हर्ष, भय, विवाद, कुछ प्रसन्नता के योग, पारिवारिक सुख होगा।
कन्या राशि :- हानि, अपव्यय का योग, रोग, मातृ कष्ट, शिक्षा जगत में संतोष रहेगा।
तुला राशि :- लाभ, संतान सुख, रोगभय, झुंझलाहट, लेखन कार्य सामान्य प्रगतिकारक होगा।
वृश्चिक राशि :- अभीष्ट सिद्धी, स्वजन कार्य सिद्धी, धन लाभ, सामाजिक कार्य व्यावधान के साथ सफल होगा।
धनु राशि :- राजभय, स्त्री कष्ट, कार्य सिद्धी, धन लाभ, सामाजिक कार्यो में व्यवधान एवं सफलता।
मकर राशि :- विवाद, कष्ट, बाधा, हानि, घरु कष्ट, नौकरी की स्थिति सामान्य अवश्य ही रहेगी।
कुंभ राशि :- यश, शुभ कार्य, मुकदमे से लाभ, धार्मिक तथा कुछ अच्छे कार्य भी हो सकते हैं।
मीन राशि :- रोगभय, अभीष्ट सिद्धी, अल्प हानि, नौकरी में अनबन बन सकती है, ध्यान दें।

DELHI CRIME 28 june 2022:Layout 1 6/27/2022 6:23 PM Page 6

दिल्ली जोनल बैडमिंटन चैंपियनशिप 2022 का आयोजन करेगा डीसीबीए

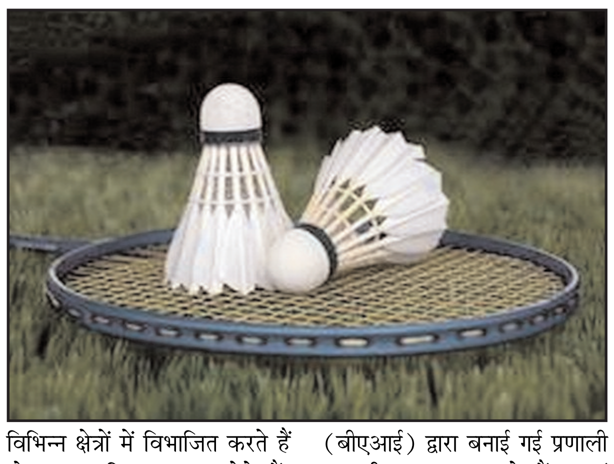

नई दिल्ली, (हि.स.)। दिल्ली कैपिटल बैडमिंटन एसोसिएशन (डसीबीए) 2 जुलाई से 4 जुलाई, 2022 तक राज्य के 11 क्षेत्रों में दिल्ली जोनल बैडमिंटन चैंपियनशिप 2022 का आयोजन करेगा। यह चैंपियनशिप 13, 15, 17 और 19 साल से कम उम्र के लड़कों और लड़कियों और सभी श्रेणियों में मास्टर्स सहित वरिष्ठ पुरुष और महिलाओं के लिए आयोजित की जाएगी। इस जोनल चैंपियनशिप का आयोजन डीसीबीए अध्यक्ष डॉ अमीता सिंह के दूरदर्शी नेतृत्व में किया जा रहा है जो खुद एक पूर्व अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन खिलाड़ी हैं। डॉ अमीता ने एक बयान में कहा, "खेल और चैंपियन बनने के लिए दो चीजें महत्वपूर्ण हैं, एक प्रतियोगिता के अवसरों की एक बड़ी संख्या और दूसरे नंबर पर प्रतियोगिता के अवसर की नियमित संख्या, दूसरा पहलू यह है कि जब आप एक राज्य-स्तरीय टूर्नामेंट करते हैं जो हमने हाल ही में किया है तो हमेशा एक व्यक्ति होता है जो बाहर खड़ा होता है या पहले तीन-चार बच्चे बाहर खड़े होते हैं जो विजेता बनते हैं लेकिन जब आप टूर्नामेंट को विभिन्न क्षेत्रों में विभाजित करते हैं तो आप अधिक अवसर देते हैं। बच्चों को विजेता बनने के लिए जो बेहतर बैडमिंटन खेलने और एक आकांक्षी भविष्य की ओर देखने के लिए एक बड़ा प्रोत्साहन है।" डीसीबीए अध्यक्ष ने आगे कहा कि टूर्नामेंट को विभिन्न क्षेत्रों में विभाजित करने से उन्हें प्रतिभा को पहचानने का अधिक मौका मिलता है। उन्होंने कहा, "इसे विभिन्न क्षेत्रों में डालकर हम भागीदारी के अधिक अवसर दे रहे हैं, हम खेल को और अधिक लोकप्रियता दे रहे हैं, हम जीत का अधिक प्रोत्साहन दे रहे हैं और हम बैडमिंटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया (बीएआई) द्वारा बनाई गई प्रणाली का भी पालन कर रहे हैं। जहां आपके पास पहले जोनल है फिर स्टेट्स और फिर नेशनल हैं।" उन्होंने कहा, "इसलिए, इन टूर्नामेंटों के आयोजन से ये सभी कवर हो जाते हैं। भविष्य में और भी बहुत सारी गतिविधियां होने जा रही हैं ताकि बच्चों को प्रतिस्पर्धा का यह मौका मिले और यही चैंपियनशिप की सफलता का एकमात्र मूल है।" पूर्ण पारदर्शिता के लिए, 1 जुलाई, 2022 को ड्रा ऑनलाइन आयोजित किया जाएगा, और प्रत्येक प्रतिभागी टूर्नामेंट को वास्तविक समय में ड्रा देख सकता है।

भारत ने पहले टी-20 में आयरलैंड को 7 विकेट से हराया, दीपक हुड्डा और हार्दिक पांड्या ने खेली आतिशी पारी

डबलिन, (हि.स.)। दीपक हुड्डा (नाबाद 47) और कप्तान हार्दिक पांड्या (12 गेंदों पर 24) की धमाकेदार पारियों की बदौलत भारतीय टीम ने पहले टी-20 मुकाबले में आयरलैंड को सात विकेट से हराकर दो मैचों की श्रृंखला में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली। यहां हो रही भारी बारिश के कारण मैच को 12-12 ओवरों का कर दिया गया। पावरप्ले एक से चार ओवर का था जिसमें केवल तीन गेंदबाज थे जो दो ओवर फेंक सकते थे और दो गेंदबाज तीन ओवर फेंक सकते थे। इस मुकाबले में भारत ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण करने का फैसला किया। आयरलैंड ने हैरी टेक्टर के नाबाद 64 और टकर के 18 रनों की पारी की बदौलत 12 ओवर में 4 विकेट पर 108 रन बनाए। भारत की तरफ से भुवनेश्वर कुमार, हार्दिक पांड्या, आवेश खान और युजवेंद्र चहल ने 1-1 विकेट लिया। 109 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम को दीपक हुड्डा और ईशान किशन ने तेज शुरूआत दिलाई। विशेष रूप से किशन काफी तेज थे उन्होंने 11 गेंदों पर 26 रनों की तेज पारी खेली और 3 चौके और 2 छक्के लगाए। हालांकि तीसरे ओवर में 30 के कुल स्कोर पर क्रेग यंग ने उन्हें बोल्ड कर दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आए सूर्यकुमार यादव कुछ खास नहीं कर सके और बिना खाता खोले यंग के दूसरे शिकार बने। कप्तान हार्दिक पांड्या ने इसके बाद हुड्डा के साथ मिलतक तेजी से स्कोर को आगे बढ़ाया। 8वें ओवर में 94 के कुल स्कोर पर हार्दिक 12 गेंदों पर 24 रन की तेज पारी खेलकर जोशुआ लिटिल का शिकार बने। इसके बाद हुड्डा और कार्तिक ने कोई और नुकसान नहीं होने दिया और 9.2 ओवर में 111 रन बनाकर भारतीय टीम को 7 विकेट से जीत दिला दी। हुड्डा 47 और कार्तिक 5 रन बनाकर नाबाद लौटे। आयरलैंड के लिए क्रेग यंग ने 2 और जोशुआ लिटिल ने 1 विकेट लिया। दोनों टीमों के बीच दूसरा और अंतिम टी-20 मंगलवार को खेला जाएगा।

गेंदबाजी करने में मजा आया : भुवनेश्वर कुमार – भारतीय तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार ने कहा कि उन्हें आयरलैंड के खिलाफ पहले टी20 मुकाबले में गेंदबाजी करने में मजा आया, क्योंकि गेंद में काफी स्विंग थी। यहां हो रही भारी बारिश के कारण मैच को 12-12 ओवरों का कर दिया गया। पावरप्ले एक से चार ओवर का था जिसमें केवल तीन गेंदबाज थे जो दो ओवर फेंक सकते थे और दो गेंदबाज तीन ओवर फेंक सकते थे। दीपक हुड्डा (नाबाद 47) और कप्तान हार्दिक पांड्या (12 गेंदों पर 24) की धमाकेदार पारियों की बदौलत भारतीय टीम ने पहले टी-20 मुकाबले में आयरलैंड को सात विकेट से हराकर दो मैचों की श्रृंखला में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली। भुवनेश्वर कुमार ने तीन ओवर के पूरे स्पेल में एक विकेट लिया और 16 रन दिए। मैच के बाद भुवनेश्वर ने कहा, "हां, मुझे गेंदबाजी में मजा आया। नई गेंद के साथ थोड़ा सा स्विंग था। 4-5 ओवर के बाद बल्लेबाजी करना काफी बेहतर था। कोई फर्क नहीं पड़ता कि यह किस प्रारूप में है, अगर आपको इस तरह के विकेट मिलते हैं तो यह हमेशा अच्छा होता है।" पहले टी20 में, तेज गेंदबाज उमरान मलिक ने अपनी पहली टीम इंडिया कैप अर्जित की। भुवनेश्वर को लगता है कि टी20 एक ऐसा प्रारूप है, जिससे कई क्रिकेटर सामने आते हैं। उन्होंने कहा, "उमरान ने पदार्पण किया, कुछ और अभी बाकी हैं, इसलिए हमारे पास बहुत रोमांचक प्रतिभा है। यह इस तरह का प्रारूप है जो कई क्रिकेटरों को पैदा करता है। हमारी टीम के बारे में सबसे अच्छी बात यह है कि हम जहां भी जाते हैं लोग हमारा समर्थन करने के लिए बाहर आते हैं।"

भुवनेश्वर कुमार ने टी-20 क्रिकेट में बनाया रिकॉर्ड, पावरप्ले में सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज बने

नई दिल्ली, (हि.स.)। आयरलैंड के खिलाफ पहले टी-20 मुकाबले में भारतीय तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार ने एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल कर ली है। वह टी20 प्रारूप में पावरप्ले में सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं। भुवनेश्वर ने रविवार को यहां मलाहाइड क्रिकेट क्लब ग्राउंड में पारी की पांचवीं गेंद पर आयरलैंड के कप्तान एंड्रयू बालबर्नी को आउट कर यह उपलब्धि हासिल की। भुवनेश्वर ने बालबर्नी के रूप में पावरप्ले में अपना 34वां विकेट लिया। इस विकेट के साथ, भारतीय तेज गेंदबाज ने वेस्टइंडीज के पूर्व स्पिनर सैमुअल बद्री और न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज टिम साउथी को पीछे छोड़ दिया, जिन्होंने पावरप्ले में 33-33 विकेट लिए हैं। बता दें कि इस मुकाबले में भारत ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण करने का फैसला किया।

आयरलैंड ने हैरी टेक्टर के नाबाद 64 और टकर के 18 रनों की पारी की बदौलत 12 ओवर में 4 विकेट पर 108 रन बनाए। भारत की तरफ से भुवनेश्वर कुमार, हार्दिक पांड्या, आवेश खान और युजवेंद्र चहल ने 1-1 विकेट लिया। 109 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम ने दीपक हुड्डा (47), ईशान किशन (26) और हार्दिक पांड्या (24) की बेहतरीन पारियों की बदौलत 9.2 ओवर में 111 रन बनाकर 7 विकेट से जीत हासिल कर ली। दोनों टीमों के बीच दूसरा और अंतिम टी-20 मंगलवार को खेला जाएगा।

पूर्व कोच ने बताये रणजी जीत के फायदे

-रजत जैसे खिलाड़ियों पर होंगी चयन समिति की नजरें

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच लालचंद राजपूत ने पहली बार रणजी चैम्पियन बनी मध्यप्रदेश टीम और उसके कोच चंद्रकांत पंडित को बधाई दी है। साथ ही बताया कि रणजी जीत से क्या लाभ होते हैं। पूर्व कोच ने कहा, रणजी ट्रॉफी फाइनल जीतना बहुत बड़ी बात होती है। मध्य प्रदेश ने 41 बार की चैंपियन टीम मुंबई को हराया। इसके लिए टीम के कप्तान और कोच को बधाई है। उन्होंने साथ ही एमपी टीम के स्टार खिलाड़ी रजत पाटीदार की जमकर सराहना की है। लालचंद ने कहा, रजत पर चयनकताओं की नजरें पड़ी होंगी क्योंकि उन्होंने रणजी में शतक लगाने से पहले आईपीएल में भी आक्रामक पारियां खेली थीं। साथ ही कहा कि युवा खिलाड़ियों के लिए काफी अवसर हैं क्योंकि अनुभवी खिलाड़ियों विराट कोहली, रोहित शर्मा, चेतेश्वर पुजारा की उम्र बढ़ती जा रही है और ये अब लंबे समय तक नहीं खेलेंगे। इन हालातों में युवाओ के लिए टीम में अच्छे अवसर हैं।

इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें टेस्ट मैच में रोहित की जगह मयंक अग्रवाल होंगे भारतीय टीम में शामिल

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारतीय बल्लेबाज मयंक अग्रवाल इंग्लैंड के खिलाफ आगामी पांचवें टेस्ट के लिए कप्तान रोहित शर्मा के स्थान पर भारतीय टीम में शामिल होने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। रोहित शर्मा शनिवार को किए गए रैपिड एंटीजन टेस्ट (आरएटी) के बाद कोरोना संक्रमित निकले थे। ईएसपीएनक्रिकइंफो के अनुसार, अग्रवाल आज इंग्लैंड के लिए उड़ान भरेंगे। नवीनतम सरकारी नियमों के अनुसार, अग्रवाल को किसी भी संगरोध से गुजरने की आवश्यकता नहीं होगी, और वह आवश्यकता पड़ने पर तुरंत खेलने के लिए उपलब्ध होंगे। इससे पहले, अग्रवाल को मई में नामित एजबेस्टन टेस्ट के लिए भारतीय टीम से बाहर कर दिया गया था, लेकिन केएल राहुल की चोट और रोहित शर्मा के कोरोना पॉजिटिव आने के बाद उन्हें मौका मिला। अग्रवाल ने अपना आखरी टेस्ट मैच मार्च में श्रीलंका के खिलाफ खेला था, जहां उन्होंने दो मैचों में 19.66 की औसत से केवल 59 रन बनाए थे। बाद में, उन्होंने आईपीएल 2022 में पंजाब किंग्स की कप्तानी की और 14 मैचों में 16.33 के औसत और 122.5 के स्ट्राइक रेट से केवल 196 रन ही बना सके। पांचवें टेस्ट में भारत और इंग्लैंड के बीच एक जुलाई को बर्मिंघम के एजबेस्टन क्रिकेट ग्राउंड में एकमात्र टेस्ट मैच खेला जाएगा। यह टेस्ट मैच पिछले साल की पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का एक हिस्सा है, जिसे भारतीय शिविर में कोरोना के प्रकोप के कारण चौथे टेस्ट के बाद स्थगित करना पड़ा था।

कॉमनवेल्थ गेम्स बर्मिंघम 2022 से पहले नेशनल कैंप में लौटी भारतीय पुरुष हॉकी टीम

नई दिल्ली, (हि.स.)। यूरोप में अपने प्रभावशाली प्रदर्शन के बाद,भारतीय पुरुष हॉकी टीम राष्ट्रीय शिविर में वापस आ गई है। जो आज साई सेंटर, बेंगलुरु में शुरू हुआ। हॉकी इंडिया ने इंग्लैंड के बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों के लिए टीम के प्रस्थान से पहले 23 जुलाई को समाप्त होने वाले शिविर के लिए 31 खिलाड़ियों की घोषणा की। मनप्रीत सिंह के नेतृत्व में भारत 31 जुलाई को घाना के खिलाफ अपने अभियान की शुरूआत करेगा। राउंड रोबिन लीग मैचों में भारत का सामना पूल बी में मेजबान इंग्लैंड, कनाडा और वेल्स से भी होगा। शिविर के बारे में बात करते हुए, मुख्य कोच ग्राहम रीड ने कहा, "खिलाड़ियों को यूरोप में एफआईएच प्रो लीग मैचों के बाद अपने परिवार के साथ समय बिताने के लिए छह दिन का संक्षिप्त ब्रेक मिला। मेरा मानना है कि इस ब्रेक ने खिलाड़ियों को मानसिक और शारीरिक रूप दोनों तरह से तरोताजा महसूस करने में मदद की है।" उन्होंने कहा,"अगले तीन सप्ताह, हम एफआईएच प्रो लीग में अपने प्रदर्शन को बेहतर बनाने पर ध्यान केंद्रित करने जा रहे हैं, जहां हमें दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों के खिलाफ खेलने का अवसर मिला है।

मैंने कुछ क्षेत्रों को पहचाना है जहां हम और बेहतर कर सकते हैं। यह कुछ ऐसा है जिस पर हम आगामी सप्ताहों में बेंगलुरू में काम करेंगे। राष्ट्रमंडल खेल एक मेगा इवेंट है जिसमें विश्व रैंकिंग अंक दांव पर हैं इसलिए निश्चित रूप से हम बर्मिंघम में एक अच्छे प्रदर्शन के लिए होड़ करेंगे।"

शिविर में शामिल खिलाड़ी इस प्रकार हैं- श्रीजेश परत्तु रवींद्रन, पवन, सुरेंद्र कुमार, हरमनप्रीत सिंह, वरुण कुमार, अमित रोहिदास, जुगराज सिंह, जरमनप्रीत सिंह, मनप्रीत सिंह, हार्दिक सिंह, शमशेर सिंह, विवेक सागर प्रसाद, आकाशदीप सिंह, नीलकांत शर्मा, गुरजंत सिंह, मनदीप सिंह, दिलप्रीत सिंह, सुखजीत सिंह, ललित कुमार उपाध्याय, अभिषेक, गुरसाहिबजीत सिंह, मनदीप मोर, संजय, मोहम्मद राहील मूसीन, सुमित, मोइरंगथेम रबीचंद्र सिंह, गुरिन्दर सिंह, जस्करन सिंह, आशीष कुमार टोपनो, कृष्ण बी पाठक, शिलानंद लाकड़ा।

अमेरिकी ओपन में तटस्थ ध्वज के बैनर तले उतरेंगे अमेरिकी और बेलारुसी खिलाड़ी

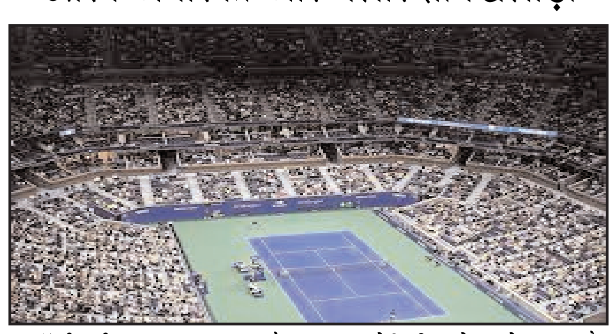

न्यूयॉर्क (ईएमएस)। रूस और बेलारूस के टेनिस खिलाड़ी भी 29 अगस्त से शुरू अमेरिकी ओपन में नजर आयेंगे हालांकि ये खिलाड़ी इसमें तटस्थ ध्वज के बैनर तले उतरेंगे। अमेरिकी ओपन के आयोजकों ने कहा कि सरकारों के फैसलों के लिए खिलाड़ियों को दोष नहीं दिया जा सकता। इससे पहले रुस के यूक्रेन पर हमले के बाद से ही रुस और बेलारूस के खिलाड़ियों को विभिन्न खेल स्पधाओं से प्रतिबंधित कर दिया गया था। इसी कारण विम्बलडन ने भी इन देशों के खिलाड़ियों को प्रतिबंधित कर दिया गया था पर अमेरिकी ओपन में रूस और बेलारूस के खिलाड़ी खेलते दिखेंगे। अमेरिकी टेनिस संघ के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और कार्यकारी निदेशक लियू शेर ने में कहा कि यूएसटीए बोर्ड ने रूस और बेलारूस के खिलाड़ियों को टूर्नामेंट में प्रवेश देने का फैसला किया है क्योंकि व्यक्तिगत खिलाड़ियों को उनकी सरकारों के कार्यों और फैसलों के लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। लियू ने कहा कि रूस और बेलारूस के खिलाड़ी तटस्थ ध्वज के तले दुनिया भर में अलग-अलग टेनिस टूर्नामेंट में इसी तरह खेल रहे हैं।

सुनील छेत्री ने कोच स्टिमक को सराहा

कोलकाता (ईएमएस)। भारतीय फुटबॉल टीम के कप्तान सुनील छेत्री ने टीम के कोच इगोर स्टिमक की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह सर्वश्रेष्ठ रणनीतिकारों में से एक हैं। पूर्व क्रोशियाई खिलाड़ी स्टिमक का भारतीय कोच के तौर पर करार सितंबर में खत्म हो रहा है। छेत्री ने कहा कि वह और उनकी टीम स्टिमक के मार्गदर्शन में खेलने को लेकर सहज रही है। छेत्री ने यहां कहा, मैंने जितने लोगों के मार्गदर्शन में खेला है उनमें वह सबसे शानदार प्रबंधकों में से एक है। खिलाड़ी उनके साथ काफी सहज रहते हैं। उनसे आसानी से संपर्क किया जा सकता है और सभी के साथ उनका व्यवहार और बातचीत अच्छी रहती है। छेत्री ने कहा, उन्होंने शीर्ष स्तर पर खेला है, इसलिए खिलाड़ियों की मानसिकता समझते हैं। वह ड्रेसिंग रूम के माहौल को जानते हैं और उन्हें पता है कि युवाओं का मनोबल कैसे बढ़ाया जाता है। इस मामले में वह काफी बेहतर हैं। वहीं एशियाई कप 2023 से पहले टीम में सुधार की जरूरतों के बारे में पूछे जाने पर छेत्री ने कहा, हमें काफी सुधार करना है। बहुत सारे मैच खेलने होंगे, लंबे शिविर में रहना होगा। हम जिन प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ खेलेंगे उनके खिलाफ पूरी योजना बनानी होगी तभी टीम को जीत मिलेगी।

हार्दिक पांड्या ने की हैरी टेक्टर की तारीफ, कहा- उन्होंने कुछ शानदार शॉट खेले

डबलिन, (हि.स.)। आयरलैंड के खिलाफ पहले टी 20 मैच में सात विकेट से जीत दर्ज करने के बाद भारतीय कप्तान हार्दिक पांड्या ने मैच में शानदार बल्लेबाजी के लिए प्रतिद्वंद्वी बल्लेबाज हैरी टेक्टर की जमकर तारीफ की है। दीपक हुड्डा (नाबाद 47) और कप्तान हार्दिक पांड्या (12 गेंदों पर 24) की धमाकेदार पारियों की बदौलत भारतीय टीम ने पहले टी-20 मुकाबले में आयरलैंड को सात विकेट से हराकर दो मैचों की श्रृंखला में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली। इससे पहले पहली पारी में, हैरी टेक्टर की 33 गेंदों में नाबाद 64 रनों की पारी की बदौलत आयरलैंड ने भारत के खिलाफ 12 ओवरों में 4 विकेट पर 108 रनों का स्कोर बनाया। हार्दिक ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, "उन्होंने कुछ शानदार शॉट खेले, और जाहिर है, वह 22 साल के हैं, मैंने उन्हें एक बल्ला भी दिया है, इसलिए हो सकता है कि वह कुछ और छक्के लगा सकें और शायद एक आईपीएल अनुबंध प्राप्त कर सकें, मैं उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं देता हूं। उन्होंने कहा, "यह हमेशा क्रिकेट के बारे में नहीं है; यह आपकी पूरी जीवनशैली को समझने के बारे में है और अगर आप इसे प्रबंधित कर सकते हैं, तो मुझे यकीन है कि न केवल आईपीएल में बल्कि दुनिया की सभी लीगों में अपनी छाप छोड़ेंगे।" टीम इंडिया ने पहले टी20 में अपने नियमित सलामी बल्लेबाज रुतुराज गायकवाड़ की जगह दीपक हुड्डा का उतारा। साथ गई थी। हार्दिक ने खुलासा किया कि गायकवाड़ कॉल्फ इंजरी थी, जिसकी वजह से हुड्डा को सलामी बल्लेबाज के रूप में भेजा गया। बता दें कि इस मुकाबले में भारत ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण करने का फैसला किया। आयरलैंड ने हैरी टेक्टर के नाबाद 64 और टकर के 18 रनों की पारी की बदौलत 12 ओवर में 4 विकेट पर 108 रन बनाए। भारत की तरफ से भुवनेश्वर कुमार, हार्दिक पांड्या, आवेश खान और युजवेंद्र चहल ने 1-1 विकेट लिया। 109 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम ने दीपक हुड्डा (47), ईशान किशन (26) और हार्दिक पांड्या (24) की बेहतरीन पारियों की बदौलत 9.2 ओवर में 111 रन बनाकर 7 विकेट से जीत हासिल कर ली। दोनों टीमों के बीच दूसरा और अंतिम टी-20 मंगलवार को खेला जाएगा।

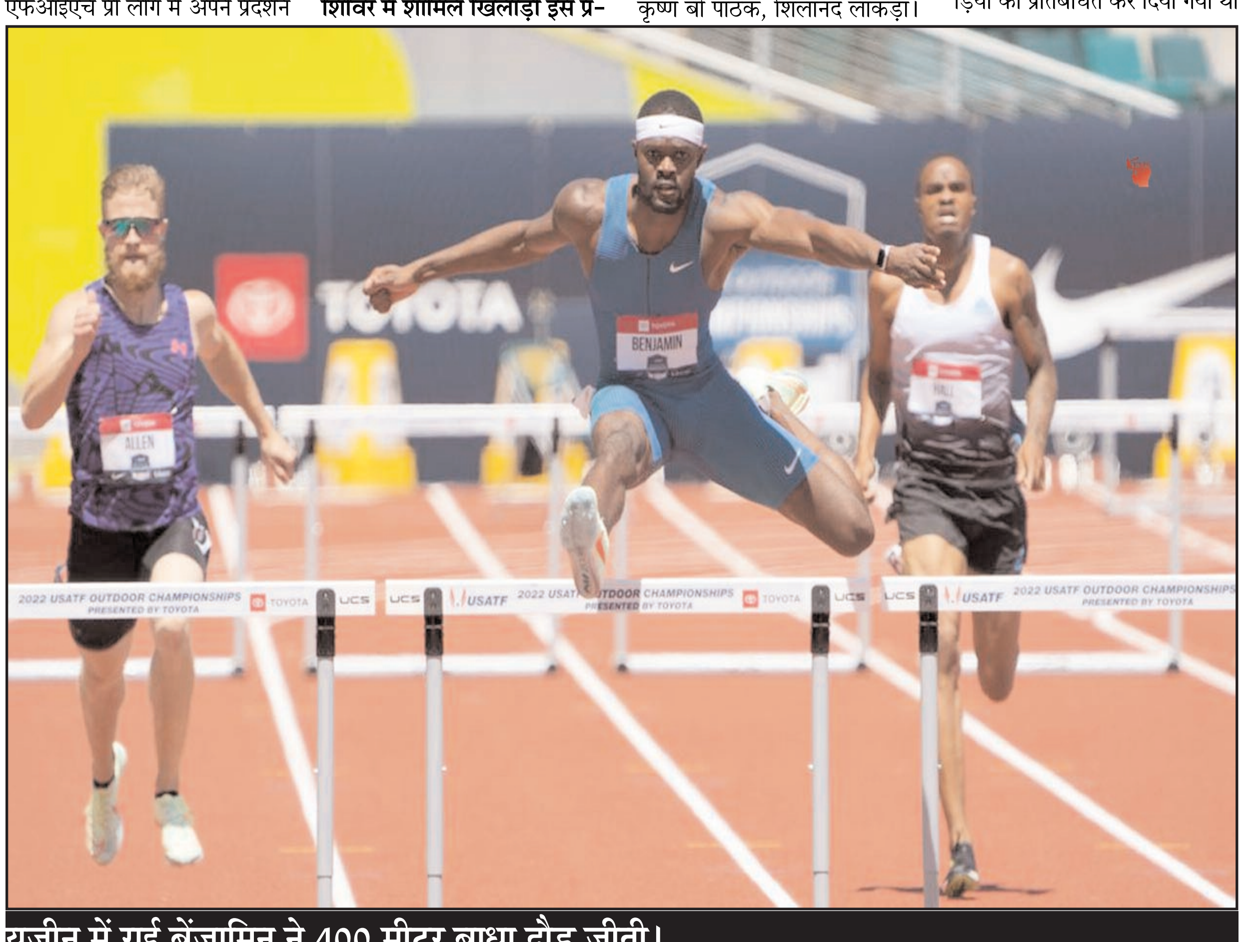

यूजीन में राई बेंजामिन ने 400 मीटर बाधा दौड़ जीती।

(फोटो-ईएमएस)

गले दो साल तक चेन्नईयिन एफसी के साथ रहेंगे मिडफील्डर रफीक

चेन्नई (ईएमएस)। फुटबॉल क्लब चेन्नईयिन एफसी ने इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) विजेता टीम में शामिल रहे मोहम्मद रफीक से अगले दो साल के लिए अनुबंध किया है। यह 31 वर्षीय मिडफील्डर रफीक ने एक दशक के लंबे अपने पेशेवर करियर में 153 मैच खेले हैं। रफीक ने आईएसएल के पहले सत्र में इंजरी टाइम में विजयी गोल करने के साथ ही एटलेटिको डि कोलकाता को खिताब दिलाया था। इसमें दो मैत्री मैच भी शामिल रहे है। उन्होंने एक अंतरराष्ट्रीय गोल भी किया है। इसके अलावा वह 2018 में इंटर कॉन्टिनेंटल कप और 2017 में तीन देशों की श्रृंखला में विजेता रही भारतीय टीम में शामिल रहे हैं।

कोरोना संक्रमण के कारण इंग्लैंड टीम से बाहर हुए फोक्स, बिलिंग्स शामिल

लंदन (ईएमएस)। न्यूजीलैंड और इंग्लैंड के बीच हो रहे तीसरे टेस्ट में इंग्लैंड के विकेटकीपर बेन फोक्स कोरोना को मैच के बीच ही कोरोना संक्रमण के कारण बाहर होना पड़ा है। इस कारण उनकी जगह पर सैम बिलिंग्स को टीम में रखा गया है। फोक्स के कमर में दर्द था, ऐसे में वह शनिवार को विकेटकीपिंग नहीं कर पाए थे। उनकी जगह जॉनी बेयरस्टॉ ने विकेटकीपिंग की थी पर बाद में वह कोविड टेस्ट में पॉजिटिव पाये गये। गौरतलब है कि आईसीसी के अगर किसी मैच के दौरान कोई खिलाड़ी पॉजिटिव पाया जाता है तो उसे बदला जाता है। इसी नियम के तहत ही बिलिंग्स को अंतिम ग्यारह में जगह मिली। बिलिंग्स इस समय काउंटी मैच खेल रहे थे पर टीम की जरुरत को देखते हुए उन्हें बुलाया गया। इंग्लैंड क्रिकेट ने अपने एक बयान में कहा है कि फोक्स के अलावा अन्य खिलाड़ियों की भी जांच हुई पर सभी निगेटिव पाए गए हैं और किसी में भी कोविड के कोई लक्षण नहीं पाये गये हैं। इंग्लैंड टीम के लिए फोक्स का संक्रमित होना एक बड़ा झटका है क्योंकि उसे 1 जुलाई से भारत के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच खेलना है। वहीं भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा भी कोरोना संक्रमित पाये गये हैं। इससे साफ है कि दोनो ही टीमों के लिए यह मैच आसान नहीं रहेगा।

मायावती अब दलितों के साथ ही मुस्लिमों पर भी डाल रहीं डोरे

-बसपा अध्यक्ष ने आजमगढ़ चुनाव में मेहनत के लिए कार्यकर्ताओं को शाबासी दी
-मायावती ने इशारों में कहा- अल्पसंख्यकों को गुमराह होने से रोकना बहुत जरूरी

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश में दो लोकसभा सीटों पर हुए उपचुनाव में केवल एक सीट आजमगढ़ में प्रत्याशी उतारने वाली बसपा प्रमुख मायावती की पार्टी भले तीसरे पायदान पर रही हो लेकिन उन्होंने अपने कार्यकताओं की पीठ थपथपाने में देरी नहीं कीं। मायावती ने कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों के साथ ही उम्मीदवार की सराहना की है। साथ ही इस जज्बे को लोकसभा के आम चुनावों तक बनाए रखने का हौसला भी बढ़ाया है। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) का आमतौर पर उपचुनाव से दूरी बनाकर रखने का ही रिकार्ड रहा है। इस बार बसपा ने दो लोकसभा सीटों में से केवल एक सीट आजमगढ़ में चुनाव लड़ने का फैसला किया। बहुतायत में मस्लिम और यादव मतदाताओं के होने की वजह से आजमगढ़ को सपा का गढ़ माना जाता रहा है। सपा के पक्ष में यहां परिणाम भी आते रहे हैं। बसपा ने आजमगढ़ से ही मुसलमान चेहरा शाह आलम उर्फ गुड्डू जमाली को उम्मीदवार बनाया। वह परखना चाह रही थीं कि 2014, 2017, 2019 और 2022 में सपा की हार के बाद क्या प्रदेश का मुसलमान बसपा का साथ देने को मन बना चुका है। दरअसल वह इस बात को भी बार-बार याद दिलाती रहीं हैं कि बसपा ही भाजपा को हरा सकती है। बसपा की रणनीति है कि मुस्लिम, दलित गठजोड़ के साथ अन्य वर्गों का कुछ वोट हासिल कर सत्ता में आया जा सकता है। उनका यह प्रयोग तो आजमगढ़ में असफल रहा। जानकारों का मानना है कि इसका लाभ भाजपा को जरूर मिल गया। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि बसपा को आगे की रणनीति में बदलाव करना होगा। तब ही वह चुनाव में मजबूती से उपस्थिति दर्ज करा सकेगी। पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने सोमवार को ट्वीट कर अपने कार्यकताओं की पीठ थपथपाई। उन्होंने कहा कि बसपा के सभी छोटे-बड़े कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों और

पार्टी प्रत्याशी शाह आलम उर्फ गुड्डू जमाली ने आजमगढ़ लोकसभा उपचुनाव जिस संघर्ष एवं दिलेरी के साथ लड़ा है, उसे आगे 2024 के लोकसभा आमचुनाव तक जारी रखने के संकल्प के तहत चुनावी मुस्तैदी यथावत बनाये रखना भी जरूरी। बसपा को बखूबी पता है कि पिछले कई चुनावों से उसका जादू नहीं चल पा रहा है। 2012 में यूपी की सत्ता से खिसकने के बाद से बसपा उबर नहीं पाई है। वह चाहे 2014 का लोकसभा चुनाव हो या फिर 2017 का विधानसभा, 2019 का लोकसभा, 2022 का विधानसभा चुनाव और अब आजमगढ़ लोकसभा का उपचुनाव ही क्यों न हो। बसपा करीब-करीब हर चुनाव में नीचे ही खिसकती गयी है। 2019 के लोकसभा को छोड़कर जिसमें सपा के साथ गठबंधन कर बसपा को 10 लोकसभा सीटों पर सफलता मिली थी। यही वजह है कि मायावती अब दलितों के साथ ही मुसलमानों पर डोरे डाल रही हैं। वह इस समुदाय को समझाने का प्रयास कर रही हैं कि भाजपा को केवल बसपा ही हरा सकती है। दरअसल यह माना जाता रहा है कि मुसलमान भाजपा के विरोध में ही वोट करेगा। हालांकि अब यह मिथक भी कई सीटों पर टूटता हुआ दिखाई दे रहा है। रामपुर लोकसभा सीट पर ही देखिए। आजम खान के गढ़ को भाजपा प्रत्याशी घनश्याम लोधी ने ढहा दिया है। बसपा अध्यक्ष मायावती अपने दूसरे ट्वीट में लिखती हैं कि सिर्फ आजमगढ़ ही नहीं बल्कि बसपा की पूरे यूपी में 2024 लोकसभा आमचुनाव के लिए जमीनी तैयारी को वोट में बदलने के लिए भी संघर्ष और प्रयास लगातार जारी रखना है। इस क्रम में एक समुदाय विशेष को आगे होने वाले सभी चुनावों में गुमराह होने से बचाना भी बहुत जरूरी है। मायावती का यह समुदाय विशेष कोई और नहीं बल्कि मुस्लिम समाज ही है जिसे वह अपने पाले में बुलाना चाह रही हैं।

भूमि घोटाले में शिवसेना प्रवक्ता संजय राऊत को ईडी का नोटिस

-पूछताछ के लिए ईडी के मुंबई कार्यालय में मंगलवार को पेश होने का निर्देश

मुंबई, (हि.स.)। महाराष्ट्र में सियासी संकट के बीच प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सोमवार को शिवसेना प्रवक्ता संजय राऊत को भूमि घोटाले के मामले में पूछताछ के लिए नोटिस भेजा। उनको मंगलवार (28 जून) को ईडी के मुंबई आफिस में उपस्थित रहने के लिए कहा गया है। ईडी इस मामले में संजय राऊत से पहले भी पूछताछ कर चुकी है और दादर स्थित उनका घर जब्त कर चुकी है। ईडी के नोटिस पर राऊत ने कहा कि उन्हें अभी तक कोई नोटिस नहीं मिला है और अगर मिलेगा भी तो वे पूर्व निर्धारित कार्यक्रमों की वजह से मंगलवार को ईडी दफ्तर नहीं जाएंगे, वकील के जरिए पत्र भेजकर समय की मांग करेंगे। सूत्रों के मुताबिक राऊत से अलीबाग में जमीन खरीद मामले में हुए घोटाले के बारे ईडी को

पूछताछ करना है। इस बारे राऊत कह चुके हैं कि यह जमीन उन्होंने अपनी मेहनत की कमाई से तकरीबन 20 साल पहले खरीदी है। इसी मामले में ईडी मंगलवार को राऊत से फिर से मनी लॉन्ड्रिंग के एंगल से पूछताछ करेगी। उल्लेखनीय है कि मुंबई में गोरेगांव स्थित पत्राचाल घोटाले में ईडी ने संजय राऊत और उनकी पत्नी से पूछताछ कर चुकी है। इस मामले में आरोपित के बैंक खाते से संजय राऊत की पत्नी के बैंक खाते में 50 लाख रुपये ट्रांसफर किए जाने का आरोप लगाया गया था। संजय राऊत ने कहा था कि यह पैसा उन्होंने दादर स्थित घर खरीदने के लिए कर्ज के रूप में लिया था, जिसे बाद में लौटा दिया था। हालांकि इसके बाद ईडी ने दादर स्थित संजय राऊत का घर जब्त कर लिया था।

आईआरएस अधिकारी नितिन गुप्ता सीबीडीटी के अध्यक्ष नियुक्त

नई दिल्ली, (हि.स.)। केंद्र सरकार ने भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) अधिकारी नितिन गुप्ता को केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) का अध्यक्ष नियुक्त किया है। केंद्र सरकार की कैबिनेट नियुक्ति समिति ने सोमवार को अधिसूचना जारी कर यह जानकारी दी है। भारत सरकार की कैबिनेट नियुक्ति समिति की सचिव दीप्ति उमाशंकर की ओर से आज इस संबंध में अधिसूचना जारी की गई। नितिन गुप्ता मौजदा सीबीडीटी अध्यक्ष का पदभार संभाल रही 1986 बैच की आईआरएस अधिकारी संगीता सिंह की जगह लेंगे, जो 30 अप्रैल से सीबीडीटी

प्रमुख पद का अतिरिक्त कार्यभार संभाल रही हैं। उल्लेखनीय है कि नितिन गुप्ता 1986 बैच के वरिष्ठ आईआरएस अधिकारी हैं। नितिन गुप्ता कंप्टीशन कमीशन ऑफ इंडिया के डीजी के तौर पर भी काम कर चुके हैं। वर्तमान में सीबीडीटी में संगीता सिंह समेत चार सदस्य कार्यरत हैं।

मूसेवाला हत्याकांडः लॉरेंस बिश्नोई के पिता पहुंचे सुप्रीम कोर्ट, 11 जुलाई को सुनवाई

नई दिल्ली, (हि.स.)। पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला की हत्या के मामले में गिरफ्तार गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के पिता ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की है। उन्होंने कहा है कि लारेंस विश्नोई को पंजाब पुलिस ने गैरकानूनी तरीके से हिरासत में लिया है। बिश्नोई के पिता ने कहा कि पंजाब के मानसा में वकील बिश्नोई का केस भी नहीं लड़ रहे हैं। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आरोपित को विधिक सहायता कमेटी से वकील मिल सकता है। बाकी पहलुओं पर सुप्रीम कोर्ट में 11 जुलाई को सुनवाई होगी। गौरतलब है कि बिश्नोई के वकील विशाल चोपड़ा ने आरोप लगाया है कि पंजाब पुलिस मेडिकल जांच कराने से बचना चाह रही है। ऐसा करना बिश्नोई के अधिकारों का उल्लंघन है। पंजाब पुलिस लॉरेंस को थर्ड डिग्री का टॉर्चर कर रही है। उसे मारा पीटा जा रहा है और पुलिस खुद ही डॉक्टर बुलाकर मनमाना मेडिकल करवा रही है। चोपड़ा का दावा है कि पंजाब पुलिस की हिरासत में लॉरेंस की जान को खतरा है। ऐसे मामले में पूछताछ की वीडियोग्राफी होनी चाहिए, जो नहीं की जा रही है।

विपक्ष की ओर से घोषित राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार सिन्हा के पास है 17 दलों का समर्थन : खड़गे

नई दिल्ली, (हि.स.)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि विपक्ष की ओर से राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार यशवंत सिन्हा के पास 17 दलों का समर्थन है। इस लिए सिन्हा और सत्ता पक्ष के उम्मीदवार के बीच कांटे की टक्कर रहेगी। खड़गे ने सोमवार को राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार यशवंत सिन्हा के नामांकन में शामिल होने के दौरान मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि यशवंत सिन्हा को ऐसे नेता भी संपर्क कर रहे हैं जिन्हें विपक्ष की ओर से संपर्क नहीं किया गया था। इस लिए अब शायद सभी पार्टियों के मिल जाने के बाद

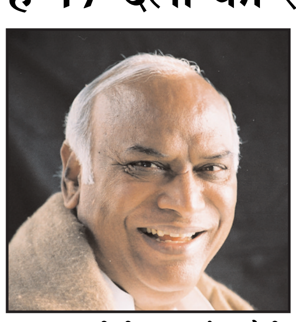

एक नजदीकी लड़ाई रहेगी। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रपति चुनाव में विपक्ष के उम्मीदवार यशवंत सिन्हा ने आज नामांकन दाखिल किया। इस अवसर पर उनके साथ कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) प्रमुख शरद पवार समेत विभिन्न विपक्षी दलों के प्रमुख नेता उपस्थित रहे। संसद भवन स्थित राज्यसभा सचिवालय में महासचिव पीसी मोदी के समक्ष सिन्हा ने अपना नामांकन दाखिल किया। राष्ट्रपति चुनाव के लिए 18 जुलाई को मतदान होना है और मतगणना 21 जुलाई को होगी। सिन्हा का मुकाबला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू से है। मुर्मू ने गत 24 जून को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और एनडीए के घटक दलों के प्रमुख नेताओं की मौजूदगी में नामांकन दाखिल किया था।

राष्ट्रपति चुनावः विपक्ष के उम्मीदवार यशवंत सिन्हा ने नामांकन दाखिल किया

नई दिल्ली, (हि.स.)। राष्ट्रपति चुनाव में विपक्ष के उम्मीदवार यशवंत सिन्हा ने सोमवार को नामांकन दाखिल किया। इस अवसर पर उनके साथ कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) प्रमुख शरद पवार समेत विभिन्न विपक्षी दलों के प्रमुख नेता उपस्थित रहे। संसद भवन स्थित राज्यसभा सचिवालय में महासचिव पीसी मोदी के समक्ष सिन्हा ने अपना नामांकन दाखिल किया। उन्होंने नामांकन पत्रों के चार सेट राज्यसभा महासचिव पीसी मोदी को सौंपे। मोदी राष्ट्रपति चुनाव में पीठासीन अधिकारी हैं। केंद्र सरकार में वित्त और विदेश मंत्री रहे सिन्हा के नामांकन के अवसर पर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, एनसीपी प्रमुख शरद पवार, राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष

मल्लिकार्जुन खरगे, समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव, कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश, पूर्व केंद्रीय मंत्री सिन्हा के नामांकन दाखिल करने के मौके पर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रमुख शरद पवार, राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, नेशनल कांफ्रेंस के फारूक अब्दुल्ला, कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश, समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव, डीएमके के वरिष्ठ नेता ए. राजा, समेत विभिन्न विपक्षी दलों के प्रमुख नेता शामिल रहे। विपक्षी दलों ने सिन्हा को गत 21 जून को अपना संयुक्त उम्मीदवार घोषित किया था। राष्ट्रपति चुनाव के लिए 18 जुलाई को मतदान होना है और मतगणना 21 जुलाई को होगी। सिन्हा का मुकाबला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू से है। मुर्मू ने गत 24 जून को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और एनडीए के घटक दलों के प्रमुख नेताओं की मौजूदगी में नामांकन दाखिल किया था। कांग्रेस के मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि सिन्हा को 17 विपक्षी दलों का समर्थन प्राप्त है। उन्होंने कहा कि विपक्षी दलों के एकजुट होने के बाद चुनाव में नजदीकी मुकाबला होगा।

पुलिस कमिश्नरेट में तैनात वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के कार्यक्षेत्र में बदलाव

लखनऊ, (हि.स.)। राजधानी लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट में तैनात वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के कार्यक्षेत्र में सोमवार को बदलाव किया गया है। कार्यक्षेत्र में बदलाव के क्रम में शिवासिम्पी चन्नपा को पुलिस उपायुक्त उत्तरी को वहां से हटाकर पुलिस उपायुक्त, पश्चिमी बनाया है। एसएम कासिम आब्दी को अपर पुलिस उपायुक्त, पूर्वी से कार्यवाहक पुलिस उपायुक्त, उत्तरी, प्राची सिंह को अपर पुलिस उपायुक्त, उत्तरी से कार्यवाहक पुलिस उपायुक्त, पूर्वी, अपर्णा गौतम को पुलिस उपायुक्त, मध्य के साथ ही साथ यूपी-112 का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। इनके अलावा सैयद अली अब्बास को सहायक पुलिस आयुक्त अलीगंज के साथ ही साथ अपर पुलिस उप आयुक्त पूर्वी और पुलिस लाइन का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। अनिल यादव को सहायक पुलिस आयुक्त बाजार खाला अपर पुलिस उपायुक्त उत्तरी,सुनील कुमार शर्मा को सहायक पुलिस आयुक्त कानून एवं व्यवस्था से सहायक पुलिस आयुक्त बाजारखाला, विजयराज सिंह को सहायक पुलिस आयुक्त मोहन लालगंज से सहायक पुलिस आयुक्त अलीगंज,धर्मेन्द्र सिंह रघुवंशी को सहायक पुलिस आयुक्त अपराध से सहायक पुलिस आयुक्त मोहन लालगंज और पंकज श्रीवास्तव को सहायक पुलिस आयुक्त अपराध के अलावा पुलिस लाइन का भी अतिरिक्त प्रभार मिला है।

रेड लाइन में देरी से चल रही है मेट्रो, स्टेशनों के बाहर लगी लोगों की लंबी कतारें

नई दिल्ली(ईएमएस)। दिल्ली में मेट्रो की रेड लाइन के यात्रियों को देर से ट्रेनें चलने के कारण काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जिससे सुबह से ही स्टेशन के बाहर लोगों की लंबी कतारें लग गई हैं। दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) ने एक बयान जारी करते हुए कहा है कि रेड लाइन पर इंद्रलोक और पीतमपुरा के बीच सेवाओं में देरी हो रही है। अन्य सभी लाइनों पर सेवाएं सामान्य हैं। रेड लाइन में 29 स्टेशन हैं। यह मेट्रो लाइन 34.55 किमी की दूरी तय करती है। रेड लाइन के एक यात्री अक्षय जोशी ने कहा गाजियाबाद से आने वाली मेट्रो कश्मीरी गेट से पहले कई बार रुक चुकी है। डीएमआरसी को समस्या का समाधान करना चाहिए। कई यात्रियों ने लगातार व्यवधानों पर नाराजगी व्यक्त करते हुए सोशल मीडिया पर अपना दर्द बयां किया। दूसरे यात्री गौरव गौतम ने कहा कि रेड लाइन ठीक से काम नहीं कर रही है। मैंने रिठाला मेट्रो

स्टेशन पर 15 मिनट तक मेट्रो के गेट खुलने का इंतजार किया। तीसरे यात्री रवि आर्यन ने कहा कि उनके जैसे लोगों को रिठाला से शहीद स्थल की ओर जाने में काफी देरी हो रही है। रिठाला मेट्रो स्टेशन पर यात्रियों को मेट्रो कर्मचारियों के साथ बहस करते हुए देखा गया। इससे पहले जून में यात्रियों को कई बार ब्लू लाइन मेट्रो पर दिक्कतों का सामना करना पड़ा है। पिछले हफ्ते गुरुवार को, दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन ने कहा था कि जून में अब तक छह बार मेट्रो सेवाओं के परिचालन में दिक्कत आई है। जिसमें से 3 तकनीकी खराबी थी। बाकी की 3 खराबी पक्षियों, पतंग का मांझा की वजह से हुई थी। इनके संपर्क में ओवरहेड इक्यूपमेंट आया और परिणाम स्वरूप मेट्रो के पहिए थम गए थे।

हमारे सहयोगी संरक्षक एवम् ब्यूरो प्रमुख

प्रधान सम्पादक – नरेन्द्र कुमार

सहयोगी संरक्षक
अनिल सेठी
नरेश ए बाबू-कार्यकारी निदेशक

संपादन सहयोगी - मोहित शुक्ला

सदस्य एवं रिपोर्टर

•राजकुमार कश्यप (दिल्ली) •दीपक कुमार (पटियाला)
• वीरेन्द्र कुमार ठाकुर •वीरेंद्र सिंह बघेल (फरीदाबाद)
• अनीता सिंह •राम नाथ •मुकेश गुप्ता, मीनाक्षी निगम
•मोहम्मद शमशेर (दिल्ली) • मुकेश जोशी (उत्तराखण्ड)
• अशोक कुमार, काजल शर्मा (गुरूग्राम)
• अवध किशोर त्रिपाठी (अहमदाबाद)
•श्याम लाल (मेरठ) •रामनरेश सिंह (पडरौना, उत्तरप्रदेश)
•नवीन सुरेल, तालबहेट, ललितपुर, (झाँसी)
• ओम शुक्ला, मनीष शुक्ला, शिवम शुक्ला (कानपुर)
• ओमपाल वर्मा, इन्द्रमणी मंडल (रायपुर छत्तीसगढ़)
• फ्रूमू लामों सिलीगुड़ी, रोशन कुमार मिश्रा (पश्चिम बंगाल)
▪ पिंटू बनर्जी (पश्चिम बंगाल)

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक हैं।

समाचार पत्र में प्रकाशित सामग्री, लेख, रचनाओं, एवम् विज्ञापनों में लेखकों और विज्ञापन दाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए दिल्ली क्राईम व भ्रष्टाचार विरोधी मोर्चा की किसी भी तरह की जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र दिल्ली ही मान्य होगा।

विशेष :- किसी भी परिस्थिति में निर्णय लेने का अधिकार केवल संपादक को है।

S-529, स्कूल ब्लॉक, शकरपुर, दिल्ली - 110092
संपर्क – 011-35631400
Customer Care No.
8375000672

ADVERTISMENT RATE TARIFF PLAN

FULL PAGE | HALF PAGE | QUARTER PAGE

FULL FRONT PAGE	₹ 1,20,000/-
FULL INNER PAGE	₹ 60,000/-
FULL BACK PAGE	₹ 90,000/-
HALF FRONT PAGE	₹ 66,000/-
HALF PAGE INNER	₹ 36,000/-
HALF PAGE BACK	₹ 51,000/-
QTR. PAGE FRONT	₹ 36,000/-
QTR. PAGE INNER	₹ 21,000/-
QTR. PAGE BACK	₹ 30,000/-

Classifieds Ads. Per Column / 3 CM. Rs.2100/-
Visiting Card Size Advertisements:
Front Page Rs. 6000/- Back Page Rs. 4500/-
Inner Page Rs.3000/-

अर्जुन कपूर के बर्थडे पर मलाइका ने, अपने हाथ से खिलाया केक

नई दिल्ली(ईएमएस)। मेरे हाथ में तेरा हाथ हो सारी जन्नतें मेरे साथ हों...' मलाइका अरोड़ा और अर्जुन कपूर एक दूसरे के लिए कुछ ऐसा ही महसूस करते हैं। बी टाउन के मोस्ट रोमांटिक कपल मलाइका और अर्जुन के स्पेशल मोमेंट्स देखकर, तो किसी को भी अपने पार्टनर की याद आ सकती है। अर्जुन कपूर के बर्थडे पर मलाइका अरोड़ा अपने डार्लिंग पार्टनर पर खूब प्यार लुटा रही हैं। मलाइका अरोड़ा का लेटेस्ट पोस्ट देखें, जो स्पेशली उनके स्वीट लविंग पार्टनर अर्जुन कपूर को डेडिकेटेड है। अर्जुन कपूर का आज बर्थडे है और बर्थडे को मलाइका अपने प्यार से स्पेशल बना रही हैं। मलाइका ने अर्जुन को हैप्पी बर्थडे विश करते हुए एक स्पेशल पोस्ट शेयर की है। मलाइका ने अपने प्रिंस चार्मिंग अर्जुन कपूर की हैप्पी पिक्चर फैंस संग साझा की है। फोटो में अर्जुन काफी खुश और मस्ती के मूड में नजर आ रहे हैं। अर्जुन के चेहरे पर दिख रही मुस्कान उनकी खुशी को साफ जाहिर कर रही है। इसके अलावा मलाइका ने अपने स्वीटहार्ट अर्जुन कपूर का एक स्पेशल वीडियो भी शेयर किया है, जिसमें मलाइका अपने हाथों से अर्जुन को कोई स्पेशल डिश (केक) खिलाती हुई नजर आ रही हैं। मलाइका ने पोस्ट के साथ कैप्शन में लिखा- कोई विश मांगों माई लव। मैं आशा करती हूं कि आपकी सारी विशेज और सपने पूरे हों। हैप्पी बर्थडे अर्जुन कपूर। अर्जुन और मलाइका के रोमांटिक अंदाज और प्यार पर फैंस अपना दिल हार रहे हैं। फैंस कपल को ढेर सारा प्यार देने के साथ अर्जुन को हैप्पी बर्थडे भी विश कर रहे हैं। अर्जुन कपूर इस समय पेरिस में मलाइका संग अपना बर्थडे सेलिब्रेट कर रहे हैं। दोनों सिटी ऑफ लव में अपने प्यार की एक नई दास्तां लिख रहे हैं।

दिशा परमार के पास छोटी ड्रेसेस का है बढ़िया कलेक्शन

-छोटी फ्रॉक पहन एक्ट्रेस ने लगाया हॉटनेस का तड़का

मुंबई (ईएमएस)। टीवी एक्ट्रेस दिशा परमार के पास छोटी ड्रेसेस का इतना बढ़िया कलेक्शन है कि जब भी वह इस तरह के आउटफिट को पहनती हैं, उनके लुक से नजरें हटाते नहीं बनता है। ऐसा ही कुछ हाल ही में भी देखने को मिला, जब वह अपने एक फ्रेंड की बर्थडे पार्टी में मिनी फ्रॉक पहनकर पहुंची थीं। दिशा परमार ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर कुछ तस्वीरों को शेयर किया था, जिसमें हमारी नजर उनके लुक पर अटक गई। इन फोटोज में वह ब्लैक कलर की फ्रॉक स्टाइल ड्रेस में नजर आ रही हैं, जिसका फैब्रिक बेहद ही हल्का था। इस हद से ज्यादा बोल्ड होने से बचाने के लिए ड्रेस में मैचिंग इनर को जोड़ा गया था, जिसकी डीप प्लंजिंग नेकलाइन शीयर फैब्रिक से शो होती दिख रही थी। कॉलर डिजाइन वाली इस आउटफिट में वेस्ट तक बटन डिटेल थी, वहीं कमर से ये ड्रेस फज-फ्री पैटर्न में थी। बॉडीशेप और फिटिंग के लिए वेस्टलाइन पर चौड़ी इलास्टिक को डाला गया था, जिसमें उनकी साइड कर्व्स भी हाईलाइट होती हुई दिख रही थी। इस ड्रेस में हल्के पोल्का डॉट जैसे प्रिंट बने भी दिख रहे थे और बिशप स्लीव्स उनके लुक को और स्टाइलिश बना रही थीं। दिशा ने अपने इस हॉट लुक को कम्पलीट करने के लिए मिनिमल एफर्ट किया था। उन्होंने कानों में हूप ईयररिंग्स और पिंक कलर की स्ट्रैपी प्लैट सैंडल्स पहनी थी। वहीं मेकअप के लिए लाइट फाउंडेशन, पीच लिप्स, कोहल्ड आईज, पिंक आई-शैडो, स्लीक आईलाइनर, रोजी चीक्स के साथ बालों को साइड पार्टेड करते हुए वेव्स में खुला छोड़ा था। दिशा का यह लुक बहुत ही प्यारा लग रहा था। कुछ दिनों पहले दिशा इस अपने लाइट मरून कलर की फ्रॉक स्टाइल शॉर्ट ड्रेस में नजर आई थीं। इस फ्रॉक ड्रेस में हसीना इतनी क्यूट लग रही थीं कि उनके लुक से नजरें हटाते नहीं बन रहा था। दिशा की इस ड्रेस पर वाइट कलर के डॉट प्रिंट्स दिख रहे थे, जो उसे बोरिंग लुक से बचा रहा था। वहीं वेस्टलाइन तक फ्रॉक को फिटेड पैटर्न में रखा गया था, जो उनके साइड कर्व्स को फ्लॉन्ट करने में मदद कर रहा था। वहीं स्कैअर नेकलाइन के साथ इसमें स्लीव्स की जगह टाई-अप डिटेलिंग थी, जो उनके लुक में ऊम्फ फेक्टर बढ़ाने का काम कर रही थी। मालूम हो कि दिशा उन हसीनाओं में से एक हैं, जिनकी सादगी पर फैंस मर मिटते हैं। हसीना अपने सिंपल लुक्स से ही कहर ढाने में कामयाब रहती है। यही कारण है कि जब भी वह अपने पति राहुल वैद्य के साथ कहीं बाहर स्पॉट होती हैं, तो उन्हें कैप्चर करने की होड़ लग जाती है। वैसे तो दिशा ज्यादातर इंडियन स्टाइल को फॉलो करना पसंद करती हैं, लेकिन वेस्टर्न कपड़ों के साथ बोल्ड लुक कैरी करने में भी हिचक महसूस नहीं करती हैं। उनका यही अंदाज फैंस को बेहद पसंद आता है।

जब पूजा भट्ट ने किया था बबीता पर कमेंट, भड़क गई थीं करीना कपूर

नई दिल्ली(ईएमएस)। बॉलीवुड एक्ट्रेस करिश्मा कपूर ने 17 साल की उम्र में अपने करियर की शुरूआत की थी। लोलो ने 1991 में रिलीज हुई प्रेम कैदी से डेब्यू किया था। इसके बाद उन्होंने 1997 में आई दिल तो पागल है से सिल्वर स्क्रीन पर धमाल मचाया था। करिश्मा 90 के दशक की सबसे पसंदीदा अभिनेत्रियों में से एक थीं। उनका नाम सबसे ज्यादा फीस लेने वाली एक्ट्रेसेस में भी शुमार है। करिश्मा कपूर अपनी फिल्मों के साथ-साथ कैट फाइट्स को लेकर भी खबरों में रहती थीं। पूजा भट्ट संग करिश्मा का एक किस्सा खूब पॉपूलर है। पूजा भट्ट ने बबीता कपूर पर किया था पर्सनल कमेंट- दरइसल ऐसा कहा जाता है कि जब करिश्मा कपूर अपने-अपने करियर के पीक पर थीं। उस वक्त पूजा भट्ट ने करिश्मा कपूर के पैरेंट्स को लेकर कुछ पर्सनल कॉमेंट कर दिया था। करिश्मा के पैरेंट्स आपसी मनमुटाव के चलते अलग हो गए थे और पूजा ने कह दिया था कि मां बबीता के दखल ने करिश्मा का करियर खराब कर दिया था। यही बात करिश्मा को बुरी तरह चुभ गई थी। करिश्मा कपूर ने एक इंटरव्यू में कहा था, मुझ पर मेरी मां के प्रभाव के बारे में यह सब बकवास एक फिल्म मैगजीन से शुरू हुई थी, जिसमें बेहूदा आर्टिकल था ताकि वो मेरे नाम पर कुछ और कॉपियां बेच सकें। सब इसलिए क्योंकि मैंने उनके लिए कहानी करने से मना कर दिया था। तब से वो हर दूसरे मामले में मुझ पर निशाना साध रहे हैं। लेकिन मैं उन पर समय क्यों बर्बाद कर रही हूं? मेरी मां दखल देने वाली किस्म की नहीं हैं। वास्तव में, अन्य स्टार-मॉम्स के विपरीत, वह मेरे साथ मेरी शूटिंग के लिए भी नहीं आती हैं। अभिनेत्री कहती हैं कि मुझे पता है कि पूजा भट्ट मेरी मां के बारे में बहुत सारी अपमानजनक बातें कह रही हैं। आखिर उनकी प्रॉब्लम क्या है? काश वह चुप रहतीं। मुझे लगता है कि उनके साथ कुछ गड़बड़ है। काश मैं उनकी मदद कर पाती। करिश्मा कपूर ने एक्ट्रेस मनीषा कोइराला को लेकर भी खुलकर बात की। करिश्मा ने बताया कि मनीषा ने उन्हें बिना किसी वजह के मिक्सड-अप किड कहा था। जिसके बाद उन्होंने भी उन्हें दो-चार बातें सुना दी थीं। एक्ट्रेस ने कहा क्यों ये एक्ट्रेसेस अपना मुंह बंद नहीं रखती हैं। मुझे नहीं समझ आता कि इनके साथ क्या गलत है? करिश्मा के वर्कफ्रंट की बात करें तो कुछ समय पहले वह वेब सीरीज मेंटलहुड में नजर आई थीं।

रणबीर कपूर और दीपिका पादुकोण टीवी ऐड में साथ आएंगे नजर

बॉलीवुड एक्टर रणबीर कपूर और दीपिका पादुकोण की जोड़ी को फैंस काफी पसंद करते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक दोनों जल्द स्क्रीन शेयर करते नजर आने वाले हैं। दोनों की ऑनस्क्रीन जबरदस्त केमिस्ट्री है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार दोनों एक्टर्स किसी फिल्म के लिए नहीं बल्कि एक टीवी ऐड में साथ नजर आएंगे, जिसे पुनीत मल्होत्रा डायरेक्ट करेंगे। सूत्रों के अनुसार रणबीर और दीपिका ने भी इस प्रोजेक्ट के लिए हामी भर दी है। कहा जा रहा है कि यह एक कमर्शियल ऐड बेवरेज ब्रांड एंडोर्समेंट डील है। दीपिका को जल्द अयान मुखर्जी की फिल्म 'ब्रह्मास्त्र' में कैमियो करते हुए भी देखा जाएगा, जिसमें रणबीर और आलिया लीड रोल में नजर आने वाले हैं। फिल्म 'तमाशा' के बाद दीपिका और रणबीर पहली बार साथ में नजर आने वाले हैं। दोनों को 'बचना ए हसीनों', 'ये जवानी है दीवानी' जैसी फिल्मों में साथ देखा गया है। दोनों के वर्क फ्रंट की बात करें तो जहां रणबीर फिल्म 'शमशेरा' और 'ब्रह्मास्त्र' में नजर आने वाले हैं। वहीं दीपिका 'पठान' के साथ-साथ 'सर्कस' में दिखाई देने

नोबोजित ने जीती 'डांस इंडिया डांस' लिटिल मास्टर 5 की ट्रॉफी

जी टीवी के मशहूर डांस रियलिटी शो 'डांस इंडिया डांस' लिटिल मास्टर सीजन 5 का समापन हो गया। सीजन के विजेता चुने गए असम केआठ साल के नोबोजित नारजारी। डांसिंग रिएलिटी शो डांस इंडिया डांस लिटिल मास्टर्स सीजन 5 के टॉप 5 फाइनलिस्ट सागर, नोबोजित, अपुन, अध्याश्री और ऋषिता थे। सभी ने फिनाले एक्ट्स से जजों और सेलिब्रिटी गेस्ट का ध्यान खींचा। नोबोजीत ने सभी कंटेस्टेंट को पछाड़ते हुए शो के विनर का खिताब अपने नाम कर लिया। नोबोजित अपने फ्रीस्टाइल, हिप हॉप और कंटेम्पररी डांस स्टाइल्स के लिए जाने जाते हैं। नोबोजीत को ट्रॉफी के साथ-साथ प्राइज मनी के तौर पर 5 लाख रुपये भी मिले हैं। अपुन को उप विजेता और अध्याश्री को दूसरे रनर-अप के रूप में घोषित किया गया।

रविवार को डीआईडी लिटिल मास्टर के ग्रैंड फिनाले में बॉलीवुड एक्टर वरुण धवन, कियारा आडवाणी, प्रजाकता कोली, अनिल कपूर, मनीष पॉल भी नजर आए। यह सब अपनी फिल्म 'जुग जुग जियो' का प्रमोशन करने पहुंचे। शो के इस सीजन को मौनी रॉय, सोनाली बेंद्रे और रेमो डिसूजा ने जज किया। डीआईडी लिटिल मास्टर्स 5 की होस्टिंग जय भानुशाली ने की थी और फिनाले एपिसोड में उनकी को-होस्ट भारती सिंह थीं। विनर नाबोजीत ने अपने गुरु, जज एवं जनता के प्रति आभार व्यक्त किया है।

एक्ट्रेस ईशा गुप्ता संग इंटीमेट सीन्स करने में नर्वस थे बॉबी देओल

डायरेक्टर प्रकाश झा की वेब सीरीज आश्रम 3 का तीसरा सीजन भी खूब चर्चा में बना रहा। बाबा निराला यानी बॉबी देओल की एक्टिंग एक बार फिर लोगों को काफी पसंद आई। तीसरे सीजन में खास बात ये थी कि इसमें एक्ट्रेस ईशा गुप्ता ने एंट्री ले ली थी। ईशा ने अपनी बोल्डनेस से कई लोगों को हैरान कर दिया था। ईशा और बॉबी देओल के सीरीज में कुछ इंटीमेट सीन्स भी थे, जिसे करने में एक्टर को काफी मुश्किल हुई। जी हां, बॉबी देओल ने खुद इस बात का खुलासा किया है कि वह ईशा संग बोल्ड सीन्स करने में काफी असहज थे। बॉबी देओल ने हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में बताया कि वेब सीरीज आश्रम उनके लिए क्या मायने रखती है। एक्टर ने कहा इस सीरीज के जरिए मैं लोगों के बीच नए अंदाज में मशहूर हुआ हूं। आश्रम में मैंने निगेटिव रोल निभाया है लेकिन मुझे इस बात की खुशी है कि लोगों ने मुझे इस लुक में भी पसंद किया है।

अदनान सामी का ट्रांसफॉर्मेशन देख हैरान हुए फैंस

बॉलीवुड के पॉपुलर सिंगर अदनान सामी ने हाल ही में सोशल मीडिया पर अपनी कुछ फोटोज शेयर की हैं। इन फोटोज में अदनान सामी का बॉडी ट्रांसफॉर्मेशन देखने लायक है। फोटो में 50 साल के अदनान सामी बहुत स्मार्ट, बिल्कुल फिट और काफी यंग नजर आ रहे हैं। उनकी यह फोटो काफी वायरल भी हो रही हैं। अदनान की इन फोटोज में उनका ट्रांसफॉर्मेशन देख फैंस काफी ज्यादा हैरान हैं। क्योंकि, अदनान कभी 230 किलो के हुआ करते थे। लेकिन, धीरे-धीरे उन्होंने अपना काफी वजन कम कर लिया है। उनकी इन नई फोटो में सिंगर को पहचानना मुश्किल हो रहा है। अदनान पूरी तरह से बदले नजर आ रहे हैं। दरअसल, अदनान सामी हाल ही में अपनी फैमिली के साथ मालदीव वेकेशन पर गए हैं। जिसमें उनके साथ उनकी वाइफ रोया सामी खान और बेटी मदीना भी नजर आ रही हैं। इन फोटोज में से एक में अदनान ब्लैक कलर की टीशर्ट और चश्मा पहने दिखाई दे रहे हैं। फोटो को देख फैंस कमेंट कर अदनान के बॉडी ट्रांसफॉर्मेशन की जमकर तारीफ कर रहे हैं। इतना ही नहीं कई लोग उन्हें देखकर शॉक्ड हैं और कह रहे हैं कि उन्हें अपनी आंखों पर यकीन नहीं हो रहा कि यह अदनान सामी ही हैं।

एक्शन में ऋतिक रोशन और टाइगर श्रॉफ से हुई विद्युत की तुलना

बॉलीवुड अभिनेता विद्युत जामवाल अपने अभिनय के साथ ही एक्शन के लिए भी जाने जाते हैं। विद्युत इन दिनों अपनी फिल्म 'खुदा हाफिज चैप्टर 2: अग्निपरीक्षा' के प्रमोशन में जुटे हुए हैं। इसी बीच एक इंटरव्यू के दौरान जब उनकी तुलना ऋतिक रोशन, टाइगर श्रॉफ और आदित्य रॉय कपूर से की गई, तो उन्होंने इस पर एक बड़ा बयान दे दिया। दरअसल, फिल्म के प्रमोशन के दौरान विद्युत जामवाल से पूछा गया कि वो खुद को बाकी एक्शन स्टार्स ऋतिक रोशन, टाइगर श्रॉफ और आदित्य रॉय कपूर से अलग दिखाने के लिए क्या करते हैं। इस सवाल का जवाब देते हुए विद्युत ने कहा, 'जितने भी जेंटलमैन का नाम अपने लिया है, वो सभी बेहतरीन एक्शन स्टार्स हैं। लेकिन मैं दुनिया का टॉप मार्शल आर्टिस्ट हूं। ऑफिशियली मैं हर समय काम करना पसंद करता हूं, चाहे सो रहा हूं या फिर जाग रहा हूं। मैं अपने हुनर को हमेशा तराशते रहता हूं और जागरूक रहता हूं।' इसके आगे विद्युत ने कहा, 'कई लोग मेरी तुलना जैकी चैन और टोनी जा जैसे लीजेंड्स से करते हैं, जिसकी मुझे खुशी है। इंटरनेशनल लेवल पर भी लोग इस बात को जानते हैं कि इंडिया में विद्युत जामवाल नाम का लड़का है, जो कमाल का एक्शन करता है। वहीं, कई लोग कहते हैं कि विद्युत जब आप डांस करते हो तो माइकल जैक्सन लगते हो। इतनी प्रशंसा के बाद हरदम सतर्क रहने की जरूरत है।

सूडोकु नवताल- 6115

★★★☆☆ मध्यम

9		6		3		4		8
	2				9		7	
4			1	6				2
		8			2		3	
1		4				2		5
	3		5			8		
7				9	5			3
	8		6				4	
6		2		7		5		1

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6114 का हल

3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7

शब्दजाल - 6862

प्र	अ	मे	क	रा	म	रा	ज	र	प	म
न	द	क	म	व	डो	ने	ग	ति	मा	हा
अ	रा	र	ला	ण	ग	अं	द	ह	प	रा
जी	ज	ल	का	रा	न	स	ध	ह	लि	ज
त	अ	अ	र	ज	जा	मे	ह	का	न	दे
अ	ना	का	र	व	प	धि	त	ह	र	वि
ए	स्व	रा	ज	व	अ	ला	रा	मा	न	रा
त	न	भा	र	प	र्व	त	रा	ज	वि	ज
रा	न	बा	अ	लं	का	र	ह	न	जू	दे
ज	का	ति	मा	न	सिं	ब्रा	र	का	प	श
बां	र	मे	घ	रा	ज	स	त्ता	प	र	र

शब्द जाल में ऐसे 10 शब्द ढूंढिए जिनके पीछे 'राज' लगा हो. शब्द ऊपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

रामराज, रावणराज, मेघराज, राजाधिराज, एतराज, पर्वतराज, महाराज, विराज, दराज, स्वराज

शब्दजाल - 6861 का हल

म	अ	मु	न	मू	ल्य	वा	न	ग	ल	ट
रा	वि	प	प्रे	क	न्या	स	द	ज	कां	भा
चु	मे	ष	ह	दी	छ	मि	आ	ब	वृ	ग्य
इं	को	ब	न	ल	वा	स	थु	ल	ष	वा
डि	च	मी	भ	ग	वा	न	क्रो	न	भ	न
य	वा	न	र	रा	क	न	ती	ण	य	र
द	न	निं	ग	ट्रे	न	र	स	सा	श	स
क	ह	ऊ	द	द	ब	क	फ	ग	वा	क
रा	म	तु	ला	या	म	प	क	वा	न	आ
क	गॉ	ल	प	लि	वा	कुं	भ	न	प	द
ज्ञा	न	वा	न	या	क	न	व्य	ब	त	म

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग-5815

	1		5	7	4	
3	32	6	36	2	30	1
		7	1		2	
5	26		34		38	6
	2		7	5		
2	30	4	32	3	31	7
	6	5	4		3	

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 5814 का हल

4	3	7	1	6	2	5
3	29	6	37	2	31	1
1	2	3	7	5	6	4
5	30	1	30	4	31	6
7	6	5	4	1	3	2
2	33	4	31	3	30	7
6	1	2	5	7	4	3

Jagrutidaur.com, Bangalore

स्वामी एवं संपादक इंद्रा द्वारा S-529, स्कूल ब्लॉक, शकरपुर, दिल्ली - 110092 से जारी
Customer Care No:- 8375000672, For News & Advertisement- 8375000984, Email-info@delhicrimepress.in, Website- www.Delhicrimepress.in